Neha Kakkar Breaks Down After...

Ranchi ● Thursday, 27 March 2025 ● Year: 03 ● Issue: 71 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

लगाए जाएं

कर तत्काल

होनी चाहिए

संसदीय कार्य

मंत्री राधाकृष्ण

किशोर बोले,

सरकार के

संज्ञान में है

घटना, होगा

एक्शन

कार्रवाई

कैमरे

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

23,486.85

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

OBRIEF NEWS जज कैश कांड : पुलिस

ने स्टोर रूम किया सील NEW DELHI : बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के

घर अधजले नोटों के बंडल मिलने के मामले में पुलिस उनके घर पहुंची। डीसीपी नई दिल्ली देवेश की टीम ने पैसे मिलने वाले स्टोर रूम को सील किया है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने को कहा है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता एडवोकेट मैथ्यूज जे नेदुम्परा से सार्वजनिक बयान न देने का आदेश दिया है। हालांकि, मैथ्य ने सीजेआई की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने जले हुए नोटों के वीडियो को सार्वजनिक करके अच्छा काम किया है। इसके अलावा दूसरे याचिकाकर्ता ने सीजेआई के निर्णय को चुनौती दी, जिसमें 3 जजों के पैनल को आंतरिक जांच करने को कहा गया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि अगर इतना पैसा किसी बिजनेसमैन के घर पर मिलता तो ईडी और आईटी

सांसद रामजी लाल सुमन के आवास पर हमला, पथराव

पीछे पड जातीं।

AGRA: बधवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के घर पर करणी सेना के हजारों कार्यकताओं ने हमला बोल दिया। कुर्सियां तोड़ डालीं, वहीं पथराव भी किया। पथराव में इंसपेक्टर समेत कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इस दौरान पुलिस ने बल प्रयोग करके भीड़ को वहां से हटाया। सांसद रामजी लाल सुमन ने 21 मार्च को राज्यसभा में राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दिए थे। इसको लेकर करणी सेना में काफी नाराजगी थी। इसी के चलते बुधवार दोपहर को करणी सेना के कार्यकताओं ने बुलडोजर लेकर आवास पर हमला बोल दिया। कुर्सी तोड़ डाली व जमकर बवाल किया।

गाजा में पहली बार हमास के खिलाफ प्रदर्शन

NEW DELHI: गाजा में 3 जगहों पर हमास के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। लोगों ने हमास को आतंकी संगढन कहा और सत्ता छोडने की मांग की। इजराइल-गाजा जंग शुरू होने के बाद यह पहली बार है, जब इतनी बडी तादाद में लोग हमास के खिलाफ एकजूट होकर सड़कों पर उतरे हैं। लोगों ने हमास बाहर जाओ, हमास आतंकी हैं, हम हमास को उखाड फेंकना चाहते हैं के नारे लगाए। प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथों में जंग खत्म करो और फिलिस्तीन में बच्चे जीना चाहते हैं, लिखे हुए पोस्टर लगे हुए थे।

सदन शुरू होते ही वेल में पहुंच गए विपक्षी एमएलए और मचाने लगे शोर, जमकर हुआ हंगामा

हजारीबाग में देर रात हुई थी घटना... विधानसभा में भाजपा विधायकों ने उटाया मुद्दा

मंगला जुलूस पर पथराव को लेकर बवाल



PHOTON NEWS RANCHI:

मंगलवार की रात में हजारीबाग में मंगला जुलूस पर दूसरी बार पत्थरबाजी हुई। इसे लेकर बुधवार को बजट सत्र के 19वें विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। सदन की कार्यवाही शरू होते ही भाजपा के विधायकों ने यह मुद्दा उठाया। इस दौरान विधायक वेल तक पहुंच गए। अल्पसूचित प्रश्न के दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने सदन में कहा, आए दिन देखते होंगे, जब हिंदुओं का पर्व-त्योहार होता है, चाहे वह होली हो, दीपावली हो या फिर सरस्वती पजा. विसर्जन या कोई दूसरा त्योहार, दंगा फसाद होता है। आखिर हिंदुओं के पर्व में ही क्यों होता है। सदन में उन्होंने कहा, 'हजारीबाग में घटना हुई। यह काफी दुखद घटना है। बार-बार हिंदुओं के त्योहार पर इस तरह से हमला होना बताता है कि इस तरह की घटना को अंजाम देने

वाले को प्रश्रय मिलता है।



सांप्रदायिक सौहार्द के लिए सरकार पुरी तरह गंभीर

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हम अध्यक्ष के माध्यम से सरकार से यह अपील करते हैं कि इस तरह के पर्व-त्योहार के दौरान उपलब्ध तकनीक का इस्तेमाल करें। ड्रोन कैमरा का इस्तेमाल करें। लाइट की व्यवस्था करें। जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं, वहां त्योहार के दौरान किराए पर सीसीटीवी लेकर घरों में लगाएं। छतों पर सेट करें। जिन संवेदनशील जगहों से जुलूस गुजरता है, वहां कैमरा लगाए जाएं। पता चल

सके कि आखिर हिंदुओं के पर्व में कौन पत्थर चलता है। कौन कहाँ से बोतल फेंकता है। समाज को कौन अशांत करना चाह रहा है। उन्हें चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई करना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के इस विषय पर जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री और वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने जवाब दिया। उन्होंने सदन को आंश्वस्त किया कि हजारीबाग की घटना सरकार के संज्ञान में है।

पत्थरबाजी के बीच पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

हजारीबाग जिले के मेन रोड में दूसरी मंगलवारी जुलूस के दौरान रात करीब 10:30 बजे गाना बजाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया और दोनों ओर से पथराव शुरू हो गया। करीब आधे घंटे तक दोनों ओर से खूब पत्थरबाजी हुई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस के कई जवान भी इस पथराव में घायल हो गए। स्थिति बेकाबू होता देख उग्र भीड़ को तित्तर-बित्तर करने के लिए पुलिस ने 8-10 राउंड फायरिंग की और आंसू गैस के गोले भी दागे। इसके बाद भींड शांत हुई। हालांकि स्थिति काबू में रखने के लिए इलाके में पुलिस बल की तैनाती की गई है। जानकारी के मुताबिक देर रात मंगला जुलूस निकला था। जुलूस जब जामा मस्जिद चौक के पास अग्रवाल हैंडलूम के समीप पहुंचा, तब वहां जुलूस में शामिल लोग लाठी खेला कर रहे थे। इसी दौरान पत्थर आ कर गिरा। इसके बाद दोनों ओर से पथराव शुरू हो गया।

सरकार ने बताया- आपत्तिजनक गाने को लेकर हुआ था विवाद

मंगलवारी जुलूस के दौरान हजारीबाग में आपत्तिजनक गाने को लेकर विवाद और पथराव हुआ। एडीजी की रिपोर्ट को उद्धत करते हुए संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि मंगलवारी जुलूस के दौरान अशोक चौक पर आपत्तिजनक गाने को लेकर विवाद खडा हुआ। दंडाधिकारी ने मामले को शांत करने की पूरी कोशिश की, लेकिन मामला शांत होता नहीं दिखा तो दो राउंड गोली भी चलानी पड़ी। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर अन्य दंडधिकारियों को प्रतिनियुक्ति किया है। सड़कों पर गश्ती बढ़ायी गयी है। प्रशासन ने भी चौकसी बढ़ा दी है। अशोक चौक पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी ने पांच मुस्लिम और पांच हिंदू के विरुद्ध नामदर्ज प्राथमिकी दर्ज की है। इसके अलावा 200 अनाम लोगों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस बीच, भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने



कहा कि यह बैलेंस करने की कोशिश है, जबकि प्राथमिकी पत्थर चलाने वाले पर होनी चाहिए। उनकी इस प्रतिक्रिया से यह स्पष्ट होता है कि विपक्ष सरकार की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है। सुदिव्य कुमार ने कहा कि इन घटनाओं का मूल कारण क्या है, यह आपसे छिपा नहीं है। भाजपा जहां सत्ता में नहीं होती है, वहां इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना, कही ना कही इस एक संबंध को जोड़ता है।

पीछे से सिर में मारी गोली, एनकाउंटर में एक अपराधी जख्मी

कांके थाना के सामने पूर्व जिप सदस्य की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, एक धराया

राजधानी रांची में अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। आए दिन विभिन्न तरह की आपराधिक

घटनाएं सामने आ रही हैं। बुधवार एकबार फिर गोलीबारी हुई है। कांके थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े अपराधियों ने पूर्व जिला परिषद के सदस्य अनिल टाइगर की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना कांके थाना के ठीक पास में कांके चौक के पास हुई है। जिस समय हत्या हुई, उसे समय राज्य के डीजीपी अनराग गप्ता विधि-व्यवस्था को लेकर बैठक कर रहे थे। इस घटना को दो अपराधियों ने अंजाम दिया। अपराधियों ने अनिल टाइगर को पीछे से सिर में सटाकर गोली मार दी। इसके बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। इस दौरान ग्रामीणों ने पीछा कर एक अपराधी रोहित वर्मा को पकडा, लेकिन वह ग्रामीणों के चंगुल से भाग गया। तब तक पुलिस मौके पर पहुंच चुकी थी। पुलिस की एक टीम ने अपराधियों का पीछा किया। इस दौरान अपराधियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक अपराधी रोहित वर्मा को गोली लगी। वहीं दुसरा अपराधी भागने में सफल रहा। पुलिस ने रोहित वर्मा को इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया है।

जब हत्या हुई, डीजीपी विधि-व्यवस्था को लेकर कर रहे थे बैठक



खाना खाने होटल गए थे अनिल. अचानक पहंचे अपराधी

जानकारी के अनुसार, अनिल टाइगर कांके चौक स्तिथ एक होटल में खाना खाने गए थे। खाने का ऑर्डर देकर वो बैठे हुए थे। इस दौरान दो अज्ञात अपराधी बाइक से होटल पहुंचे। दोनों

अपराधी खाना खाने के बहाने होटल के अंदर घुसे। इस दौरान अपराधियों ने अनिल टाइगर को पीछे से सिर में गोली मार दी। गोली लगने के बाद अनिल गिर पड़े। आस-पास मौजूद लोगों ने उन्हें आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

- फायरिंग करने के तरंत बाद घटनास्थल से फरार हो गए
 - 🕨 ग्रामीणों ने पीछा कर एक
- 🛮 मौके पर पहुंच कर पुलिस ने रहे सीसीटीवी फुटेज







ग्रामीणों ने कांके रोड व बूटी मोड़ को किया जाम, हंगामा, आज रांची बंद का भी एलान

कांके रोड व बूटी मोड़ रोड को जाम कर दिया। कांके रोड व बूटी मोड़ के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। इसके बाद लोगों ने रिम्स चौक पर भी विरोध पदर्शन किया। पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझाने में जुटे रहे। इधर, हत्या के विरोध में 27 मार्च को आजसू बीजेपी सहित कई संगठनों ने रांची बंद का एलान किया है। बता दें कि अनिल

टाइगर की हत्या कांके चौक के पास हुई। इस इलाके में हमेशा भीड-भाड रहती है। इसके बावजूद अपराधियों ने इस हत्या की घटना को अंजाम दे दिया। हैरानी की बात है की यह घटना कांके थाना से मात्र 20 मीटर की दूरी पर हुई है। थाना के पास दिन–दहाड़े हत्या से हड़कम्प मच गया है। अनिल टाइगर की हत्या के बाद इलाके में गम का माहौल है। एक तरफ उनकी हत्या से आक्रोश देखा जा रहा है। वहीं,

दसरी ओर परिजनों का रो-रोकर बरा हाल हो गया है। अनिल टाइगर की हत्या के बाद परिजन सदमें में हैं। पूर्व जिला परिषद सदस्य अनिल टाइगर कांके के ही रहने वाले थे। वे राजनीतिक रूप से भी काफी सक्रिय थे। आजस् और बाजपा पार्टी में भी उन्होंने सक्रिय राजनीति की थी। जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले ही उन्हें कांके महावीर मंडल का अध्यक्ष बनाया गया था।

झारखंड में मार्च के अंत तक ४० डिग्री होगा कई जिलों का पारा

RANCHI : झारखंड में मार्च माह के अंत तक कई जिलों में गर्मी अपना प्रचंड रूप दिखाने लगेगी। इस दौरान अधिकतम तापमान लगभग ४० डिग्री पहुंच जाएगा। हालांकि कई जिलों में यह स्थिति अप्रैल के पहले हफ्ते में उत्पन्न होगी। मौसम विभाग की ओर से बुधवार को बताया गया है कि अभी फिलहाल मौसम में किसी तरह के बदलाव की सम्भावना नहीं है। ऐसे में अप्रैल माह में गर्मी लोगों को काफी सताएगी। बारिश होने के बावजूद राज्य के डालटेनगंज, पश्चिमी सिंहभूम के जगरनाथपुर तथा पाकुड में तापमान 35 डिग्री को पार गया है। वहीं बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.2. जमशेदपुर में 34.8, डालटेनगंज में 36.8, बोकारो में 35 .5 और पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।



पेपर लीक मामले में हुई सुनवाई

जेएसएससी सीजीएल रिजल्ट

बुधवार को झारखंड स्टाफ

की ओर से ली गई सीजीएल परीक्षा के पेपर लीक मामले में झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्रराव राजू की बेंच में सनवाई हुई। अदालत ने रिजल्ट प्रकाशन पर जारी रोक को बरकरार रखा है। सनवाई के दौरान सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अजीत कुमार ने पक्ष इसके साथ स्टे हटाने के अनुरोध को रखा। इस दौरान अदालत की ओर स्वीकार नहीं किया गया।



• निचली अदालत में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

से जांच टीम को निचली अदालत में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। कहा गया कि निचली अदालत उसी रिपोर्ट के आधार पर आदेश पारित करेगी

शिकायत दर्ज, धनबाद के एएसपी पीके झा ने की घटना की पुष्टि

बोकारो में रिकवरी एजेंट को पकड़ने गई सीबीआई की टीम पर हमला, तीन घायल

PHOTON NEWS BOKARO:

बुधवार को बोकारो में ग्रामीण बैंक के रिकवरी एजेंट धनराज चौधरी को पकड़ने गई सीबीआई की टीम पर अचानक हमला कर दिया गया। इसमें तीन अधिकारी घायल हो गए हैं। घटना हरला थाना क्षेत्र में कालीबाड़ी के पास की है। इस मामले में शिकायत दर्ज कर ली गई है। घटना की पष्टि धनबाद के एएसपी पीके झा ने कर दी है। धनराज चौधरी को पर आरोप है। कि उसने एक ग्रामीण से ट्रैक्टर

किसी तरह जान बचाकर भागे अन्य अधिकारी



• एक ग्रामीण से टैक्टर छोड़ने के एवज में एजेंट ने मांगे थे १५ हजार रुपये

🖲 हरला थाना क्षेत्र में कालीबाड़ी के पास हुई घटना

छोड़ने के एवज में 15 हजार रुपये की मांग की थी। उसने ट्रैक्टर जप्त कर लिया था। इसकी शिकायत सीबीआई से की गई थी। इस मामले में पूछताछ के लिए

सीबीआई की टीम धनराज चौधरी के आवास संख्या 804 सेक्टर 9 स्टीट नंबर -36 पर पहुंची और घर की तलाशी ली। इस दौरान कागजात को जब्त कर लिया।

नया रिसर्च

जल को माना जाता है जीवन की उत्पत्ति से संबंधित अहम तत्व

महाविस्फोट के 20 करोड़ साल बाद हुआ था पानी का निर्माण

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK

भौतिक विज्ञान में जॉर्ज लैमेनटेयर के महाविस्फोट या बिग बैंग सिद्धांत के अनुसार, 12 से 14 अरब वर्ष पहले ब्रह्मांड एक परमाण्विक (एटोमिक) इकाई के रूप में सिमटा हुआ था। इसमें महाविस्फोट के बाद इसका एक-एक कण फैलता गया, जिसके फलस्वरूप ब्रह्मांड अस्तित्व में आया। ब्रह्मांड का फैलाव आज भी जारी है। इस सिद्धांत की समीक्षा में यह बताया गया है कि उस समय मानवीय समय और स्थान जैसी कोई अवधारणा अस्तित्व में नहीं थी। बिग बैंग सिद्धांत अल्बर्ट आइंसटीन के प्रसिद्ध सामान्य सापेक्षवाद (रिलेटिविटी) के सिद्धांत पर आधारित है। बाद के शोध में यह जानकारी सामने आई कि ब्रह्मांड में जीवन का अस्तित्व कैसे आया। जीवन के अस्तित्व को सामने आने में पानी की महत्वपूर्ण भूमिका थी। वैज्ञानिकों के अनुसार, महाविस्फोट (सुपरनोवा) ब्रह्मांड की उत्पत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रहों के निर्माण तथा जीवन की संभावनाओं के लिए आवश्यक भारी तत्वों का निर्माण करते हैं। पानी को जीवन

की उत्पत्ति से जुड़ा एक अहम तत्व माना जाता है।

पिछले शोधों से संकेत मिलता है कि धातुओं और गैसों के मिश्रण से बन सकता है पानी अपडेट अनुसंधान में वाटर को बताया गया है प्रारंभिक आकाशगंगाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा



आने से

के रूप में

बना पानी

ने विस्फोटों संपर्क में

घनत्व की स्थिति के विस्तार से अस्तित्व में आ सका जल

नेचर एस्ट्रोनॉमी के बाद बने ऑक्सीजन के शोध के नेष्कर्षों को गैसीय गुच्छों वस्तार से केया गया है

सुपरनोवा विस्फोटों का कंप्यूटर मॉडल वैज्ञानिकों का मानना है कि

पानी का निर्माण पहले की अपेक्षा अधिक जल्दी हुआ और यह प्रारंभिक आकाशगंगाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। यह शोध अध्ययन नेचर एस्ट्रोनॉमी जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोध के लिए वैज्ञानिकों ने दो अलग-अलग सुपरनोवा विस्फोटों का कंप्यूटर मॉडल तैयार किया। पहला, सूर्य से १३ गुना अधिक द्रव्यमान

वाले तारे का था और दूसरा, सूर्य के द्रव्यमान से 200 गना बडे तारे का। इन मॉडलों के माध्यम से वैज्ञानिकों ने विस्फोटों के

बाद बने तत्वों का विश्लेषण किया। अध्ययन में पाया गया कि पहले मॉडल में ०.०५१ सौर द्रव्यमान और दूसरे में 55 सौर द्रव्यमान के बराबर ऑक्सीजन का निर्माण हुआ। यह अत्यधिक ऊष्मा और घनत्व की स्थिति के कारण संभव हुआ।

ग्रहों के निर्माण में शामिल रहा होगा पानी

नए शोधकर्ताओं का अनुमान है कि यदि पानी प्रारंभिक आकाशगंगाओं के निर्माण के दौरान बचा रहा तो यह ग्रहों के निर्माण की प्रक्रिया में भी शामिल रहा होगा। इसका मतलब है कि पानी की मौजदगी ब्रह्मांड के प्रारंभिक इतिहास में ही सुनिश्चित हो गई थी। इससे आगे चलकर गृहों और जीवन की संभावना बनी। हालांकि, भू-वैज्ञानिकों ने ग्रीनस्टोन बेल्ट से पिलो बेसाल्ट का एक नमुना बरामद किया गया था, जो यह सबूत देता है कि 3.8 अरब साल पहले पथ्वी पर पानी मौजद था।

सीबीआई ने महादेव बेटिंग एप मामले में ४ राज्यों के ६० टिकानों पर मारी रेड

बेटिंग एप से जुड़े मामले में सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने छत्तीसगढ़, भोपाल, कोलकाता और दिल्ली में 60 स्थानों पर तलाशी ले। इसमें राजनेताओं, वरिष्ठ नौकरशाहों, पुलिस अधिकारियों, महादेव बुक के प्रमुख पदाधिकारियों और मामले में शामिल होने के संदिग्ध अन्य निजी व्यक्तियों से जुड़े परिसर शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने कथित 6 हजार करोड़ रुपये के महादेव एप घोटाले के सिलसिले में कांग्रेस नेता बंधेल के आवास पर छापेमारी की। इसमें आईपीएस अधिकारी आनंद छाबडा. अभिषेक पल्लव और आरिफ शेख सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के परिसरों को भी शामिल किया गया है। बघेल ने कहा है कि सीबीआई ने कांग्रेस की बैठक के लिए उनके नई दिल्ली जाने से पहले उनके आवास पर छापेमारी की।

हम जो कहना चाहते हैं, कहने नहीं देते मुझे लोकसभा में बोलने NEW DELHI : बुधवार को महादेव नहीं दिया जाता : राहुल

बुधवार को संसद के बजट सत्र के दुसरे फेज का 11वां दिन था। इस दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मुझे लोकसभा में बोलने नहीं दिया जाता है। संसद अलोकतांत्रिक तरीके से चलाई जा रही है। उन्होंने कहा- विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं मिलता है। संसद केवल सरकार के लिए चल रही है। इस बीच विपक्ष के 70 सांसद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिले। सांसदों ने स्पीकर से अपनी नाराजगी जताई। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि क्या

• सदन अलोकतांत्रिक तरीके से चला रहे स्पीकर

• अध्यक्ष ओम बिड्ला से मिले विपक्ष के 70 सांसद जताई अपनी नाराजगी

हुआ। मैं खड़ा हुआ और कहा कि मुझे बोलने दीजिए। आपने मेरे बारे में कुछ कहा है। स्पीकर एक शब्द नहीं बोले, घूमकर चले गए।



KHUNTI: उपायक्त लोकेश कमार ने कहा कि ईद, सरहल, रामनवमी सहित अन्य त्योहारों के दौरान किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दे और शांति बनाए रखने में जिला प्रशासन का सहयोग करें। उपायुक्त ने ईद, सरहुल और रामनवमी पर्व को लेकर मंगलवार को नगर भवन में आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उपायक्त ने ईद कमेटी, सरहल कमेटी एवं रामनवमी कमेटी. शांति समिति के सभी सदस्यों, विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों, समाज सेवियों और जिले के गणमान्य नागरिकों से त्योहारों के दौरान सामाजिक सौहार्द्र और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति और सौहार्द्र बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है, सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं। उन्होंने कहा, आमजनों से विशेष अपील है कि शांति और सौहार्द्र बनाकर आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता के साथ त्योहार मनाए। बैठक में सोशल मीडिया पर किसी भी भ्रामक या भड़काऊ संदेश से बचने और इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को देने की सलाह दी गई। जुलूस एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिए प्रशासन की ओर से जारी निदेशों का पालन करने की अपील की गई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में सरक्षा बलों एवं मजिस्टेट की तैनाती की भी जानकारी दी गई। त्योहारों के दौरान सोशल मीडिया पर जिला प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने या आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों को बख्सा नही जाएगा, उन्हें चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी।

अवैध खनन रोकने के लिए बनी रणनीति



KODERMA: समाहरणालय सभाकक्ष में बुधवार को उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में खनन टास्क फोर्स की बैठक संपन्न हुई। बैठक में पत्थर और बालू खनिज के अवैध खनन, परिवहन, भंडारण की रोकथाम, वन क्षेत्र में अवैध खनन की रोकथाम एवं भंडारण पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने खनन टास्क फोर्स की टीम और अन्य संबंधित अधिकारियों को पत्थर बालू खनन का अवैध रूप से खनन, परिवहन, भंडारण करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही वन क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों पर भी सघन कार्रवाई करने का निर्देश दिया। ब्लू स्टोन का अवैध खनन करने वालों पर कार्रवाई करने को कहा। साथ ही जिले के सभी अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी को आपस में समन्वय स्थापित कर अवैध रूप से बालू परिवहन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सभी क्रशरों के चारों ओर ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया। साथ ही डोमचांच प्रखंड में रोड किनारे स्थित क्रशरों के कारण उड़ रहे धूल और प्रदूषित वातावरण को कम करने के उद्देश्य से सभी क्रशरों को रोड पर सुबह-शाम वाटर स्प्रिंकलर

पटरी से उतरकर घिसटती हुई 4 किलोमीटर तक चली मालगाडी

रेलवे को हुआ बड़ा आर्थिक नुकसान, पटरी व चक्के क्षतिग्रस्त

दक्षिण पर्व रेलवे अंतर्गत चक्रधरपर रेल मंडल में रेल हादसों का दौर जारी है। मंगलवार शाम को चक्रधरपुर रेल मंडल के जामकुंडिया में एक मालगाड़ी पटरी से उतर कर चार किलोमीटर तक रेलवे ट्रैक के स्लीपर पर घिसटती हुई चली है। इस रेल हादसे के कारण चार किलोमीटर तक रेल की पटरी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं मालगाड़ी के वैगनों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इस रेल हादसे की खबर पाकर मंगलवार रात को ही चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम तरुण हुरिया समेत सभी बड़े अधिकारियों तक पहुंची, जिसके बाद वे सडक मार्ग से घटनास्थल पहुंचे और तेजी से



घटनास्थल पर पटरी से उतरी मालगाड़ी को देखता रेल कर्मचारी

रात 11 बजे दुर्घटनाग्रस्त मालगाड़ी जबिक रात भर पटरी को दुरुस्त को सुबह 3:15 बजे तक चला। उतरी। खास बात यह है कि जिस

इस घटना को लेकर डीआरएम बेहद गंभीर हैं। उन्होंने इस हादसे किया गया, जो दसरे दिन बधवार है कि मालगाडी पटरी से कैसे

• फोटोन न्यूज रेल पटरी पर यह हादसा हुआ है, होती है। घंटों माल ढुलाई ठप होने

पुल के डिवाइडर से टकराई कार, चार लोग हुए घायल

KHUNTI : खूंटी-सिमडेगा मुख्य नदी पुल पर बुधवार को एक कार के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कार पर घायलों में शारदा देवी (70), तरुण कुमार (२५), स्नेहलता (५५) और रानी कुमारी (28) शामिल हैं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तोरपा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी घायल एक ही परिवार के हैं और सिमडेगा के रहने वाले हैं। सभी अपनी कर से सिमडेगा से रांची जा रहे थे। कारो नदी पुल पर टायर फटने से कार पुल के डिवाइंडर से जा टकराई।

सौतन को घर लाने से नाराज पत्नी ने अपने पति की कर दी हत्या

पत्नी को घर लाने से नाराज पत्नी ने

कटफरा(जलावन लकड़ी का टकड़ा से मारकर अपने पति की जान ले ली घटना अड़की थाना क्षेत्र के पड़ासू गांव में मंगलवार रात करीब दो बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार पड़ासू गांव के का हनुख टोपनो ने दो शादियां की थी। इस बात को लेकर हनुख की अपनी पहली पत्नी से हमेशा विवाद होता रहता था। मंलवार को भी प्रति पत्नी के बीच दसको लेकर जमकर लड़ाई हुई और उसकी पत्नी ने जलावन लकडी के टुकड़े से अपने पति पर कई बार वार दिये। इससे घटनास्थल पर ही हनुख की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बुधवार दोपहर पुलिस पड़ासू गांव पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार हत्या के बाद हनुख की पत्नी फरार हो गई है। हनुख तोपनो ने मुरहू प्रखंड के जिलिंगकेला गांव की एक लडकी से विवाह किया था, जिससे उसका पांच साल का बेटा भी है। करीब दो–तीन सप्ताह पहले वह अड़की के हूंट गांव की एक अन्य लडकी को दूसरी पत्नी बनाकर घर ले आया। उसकी पहली पत्नी को यह रिश्ता स्वीकार नहीं था इसको लेकर पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद हो रहा था। मंगलवा रात विवाद इतना बढ़ गया कि पत्नी ने गस्से में आकर कटफरा से पीट-पीटकर अपने पति की जान ले ली।

कब्र खोद कर पूर्व जिप सदस्य का निकाला गया शव, बिहार पुलिस ले गई अपने साथ

भागलपुर निवासी बीरबल मंडल का 18 मार्च को जंगल से मिली थी लाश

जिले के रानीश्वर थाना की पुलिस ने बीते 18 मार्च को कारीकादर जंगल से बरामद व्यक्ति का दफनाया शव को मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में खोद कर बुधवार को बाहर निकाला। मंगलवार की देर शाम को शव की शिनाख्त बिहार के भागलपुर जिले के जगदीशपुर निवासी बीरबल मंडल उर्फ वीरू (40) के रूप में हुई। वह जगदीशपुर का जिला परिषद सदस्य रह चुका है। रानीश्वर पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद 22 मार्च को विजयपुर में अंतिम संस्कार कर दिया था। बुधवार को जगदीशपुर थाना की पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर रानीश्वर



बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा की मौजुदगी में दफन शव को निकालकर परिजनों को सौंपा। मृतक के भाई निर्मल मंडल ने बताया कि भाई कई बार वर्तमान जिप सदस्य शिवकुमार के साथ तारापीठ जाते रहता था। बीते 16 मार्च की सुबह वह शिवकुमार

स्कार्पियों से तारापीठ जाने के लिए भाई ने मोबाइल पर बात भी की थी। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। देर शाम तक वापस नहीं आने पर मृतक की पत्नी ने जगदीशपुर थाना में पति के अपहरण और हत्या का मामला दर्ज कराया। पुलिस अनुसंधान

रानीश्वर के जंगल में शव मिल गया। पुलिस ने तीन दिन तक परिजनों के आने का इंतजार किया। पहचान नहीं होने पर

रानीश्वर थाना प्रभारी बलराम सिंह ने दुमका के अलावा भागलपुर और बंगाल के थाना में मृतक की तस्वीर भेजकर शिनाख्त का प्रयास किया। जगदीशपुर थाना की पुलिस ने तस्वीर को मृतक के घरवालों को दिखाई तो शव की पहचान हो गई। इसके बाद पुलिस ने स्कार्पियो चालक बीरबल को दबोचा तो

बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए 20 अप्रैल तक भरे जाएंगे फॉर्म

RANCHI: झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा (जेसीईसीईबी) ने बीएड, एमएड, और बीपीएड प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। पहले यह तिथि 15 मार्च थी, अब 20 अप्रैल कर दिया गया है। यह निर्णय उन छात्रों के लिए राहत की खबर है, जो किसी कारणवश निर्धारित समय पर आवेदन नहीं कर पाए थे। अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट ॣीॗॏॣॕ१ ल्लि. ङ्वि५,ल्ल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। यह परीक्षा ऑफलाइन मोड में ओएमआर शीट के आधार पर होगी। परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) होंगे और कुल 100 अंकों का प्रश्नपत्र होगा। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक दिया जाएगा, जबकि गलत उत्तर के लिए 0.25 अंक काटे जाएंगे।

यह परीक्षा 11 मई को होगी। यह है योग्यता : आवेदन के लिए अभ्यर्थियों के पास स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री में कम से कम 50% अंक (आरक्षित वर्ग के लिए 45%) होने चाहिए। इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में डिग्री धारकों के लिए यह सीमा

11 मर्ड को होगी परीक्षा

लिए 1000 रुपये, पिछड़ा वर्ग के लिए 750 रुपये और अनुसूचित जाति, जनजाति व महिला अभ्यर्थियों के लिए 500 रुपये निर्धारित किया गया है। यह कदम छात्रों को अधिक अवसर प्रदान करने की दिशा में उठाया गया है,

आवेदन शुल्क सामान्य वर्ग के

जलापूर्ति योजना में ढिलाई बरतने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की चेतावनी

नगर आयुक्त जावेद हुसैन की अध्यक्षता में पेयजल और स्वच्छता विभाग अंतर्गत संचालित योजना स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं जल जीवन मिशन के कार्य की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान समाहरणालय सभागार में बुधवार को हुई समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद और पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता-सह-जिला जल तथा स्वच्छता समिति के सदस्य सचिव कामेश्वर गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे। नगर आयुक्त ने सभी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। योजनाओं को ससमय पूर्ण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्य में शिथिलता बरतने वाले एजेंसियों



समाहरणालय में बैठक करते डीडीसी व नगर आयुक्त

के खिलाफ आर्थिक दण्ड लगाते हुए ब्लैक लिस्ट करने संबंधी कार्रवाई की चेतावनी दी। नगर आयक्त ने निमियां ग्रामीण जलापूर्ति योजना, मिझगांवा ग्रामीण जलापूर्ति योजना और तोलरा बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजना की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताई।

उन्होंने संबंधित कार्यकारी एजेंसी

के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई का

निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गर्मी

• फोटोन न्यूज के मद्देनजर जलापूर्ति योजनाओं के कार्य प्रगति में तेजी लाते हुए पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, ताकि लोगों को जलापूर्ति की जा सके। उन्होंने कहा कि गर्मी के दिनों में पेयजल संकट गहराता है। योजनाएं पूर्ण नहीं होने से क्षेत्र में पेयजलापर्ति में समस्या आएगी। टैंकर से जलापूर्ति करनी होगी। ऐसे में नगर निगम एवं स्थानीय प्रशासन को अतिरिक्त वित्तीय भार

होने से अतिरिक्त वित्तीय भार से बचा जा सकता है। ऐसे में कार्य में प्रगति लाकर शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत चल रहे ठोस और तरल कचरा प्रबंधन के तहत ओडीएफ प्लस आदर्श पंचायत के रूप में पंचायतों को मॉडल पंचायत बनाने का निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध कार्य में प्रगति लाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने शत प्रतिशत गांवों को फाइव स्टार श्रेणी में ओडीएफ प्लस घोषित किये जाने का लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए ठोस पहल करने का निर्देश दिया। प्रखंड स्तरीय प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई एवं गोबर गैस प्लॉट का निर्माण कार्य कराने का निर्देश कार्यपालक

खूंटी में कल

तत्वावधान में 28 मार्च शुक्रवार को चौपाल का आयोजन किया जाएगा। डाक चौपाल में डाकघर की समस्त योजनाओं जैसे सेविंग बैंक खाता. सावधि जमा खाता, सुकन्या समृद्धि खाता, डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, महिला सम्मान बचत पत्र और पीपीएफ की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही नया आधार कार्ड बनाया जाएगा और आधार कार्ड की त्रुटि का सुधार किया जाएगा। डाक विभाग की ओर से बधवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि आधार मोबाइल लिंक करने सहित डीबीटी लिंक खाता भी खोला जाएगा, जिसका अकाउंट नंबर तुरंत दिया जाएगा। डाक चौपाल में विभाग के सभी बरीय डाक अधिकारी उपस्थित रहेंगे। डाक विभा से संबंधित सभी योजनाओं का खाता

लातेहार जिला के स्थापना दिवस को यादगार बनाने की तैयारी PHOTON NEWS LATEHAR:

लातेहार जिला का स्थापना दिवस इसकी तैयारी को लेकर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में बधवार को समाहरणालय सभागार में बैठक हुई, जिसमें स्थापना दिवस को भव्य तरीके से मनाने की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिला स्थापना दिवस का आयोजन धमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। उस दिन प्रभातफेरी निकालने का भी निर्णय लिया गया। इसके पश्चात जिले के जन प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों द्वारा कारगिल पार्क में शहीद स्मारक पर माल्यार्पण करेंगे। इस अवसर पर पेंटिंग प्रतियोगिता व क्विज भी



समाहरणालय में बैठक करते उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता

• फोटोन न्यूज

होगा, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। जिला खेल स्टेडियम में क्रिकेट मैच का आयोजन किया जाएगा। उस दिन रक्तदान शिविर आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। इसके अलावा शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।, जिसमें स्कल के छात्र-छात्राएं पारंपरिक नृत्य, नाटक

और संगीत की प्रस्तुति देंगे। बैठक के दौरान जिला स्तर पर विकास मेला आयोजित करने पर भी सहमति बनी। विकास मेले में योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे। साथ ही लाभार्थियों को संपत्ति का वितरण किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मंगलवार की देर रात सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इमर्जेंसी सहित वार्डों में जाकर मरीजों का हालचाल लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी से सदर अस्पताल की व्यवस्था की जानकारी ली। स्वास्थ्य मंत्री अस्पताल पहुंचे। निरीक्षण के बाद मंत्री इरफान अंसारी ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि अस्पताल से मरीजों को रेफर करने की संख्या कम की जाए। उन्होंने सदर अस्पताल सहित जिले के अन्य अस्पतालों में चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ममता वाहन संचालकों के अनुरोध पर ममता वाहन के किराया बढ़ाने पर विचार करने की बात कही। अस्पताल कें चिकित्सकों की उपस्थिति और व्यवस्था पर संतोष जाहिर किया



अस्पताल पहुंचे मंत्री इरफान अंसारी

और कहा कि अस्पताल की व्यवस्था काफी अच्छी है। मंत्री ने अस्पताल के आरओ वाटर भाड़ा निर्धारण पर पुर्नविवार करने का आश्वासन दिया। मंत्री ने अस्पताल में लगे आरओ का पानी खुद पीकर उसकी गुणवत्ता जांची। इसके बाद उन्होंने मेडिसिन स्टोर का निरीक्षण कर एंटी रेबीज और एंटी वेनम दवाओं की उपलब्धता देखी। ड्रेसिंग रूम में आवश्यक दवाएं भी पर्याप्त मात्रा में पाई गईं। अस्पताल के सभी बेड भरे हुए थे। सांसद

• फोटोन न्यूज

आवास जाकर संवेदना व्यक्त की। कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को बताया कि अस्पताल से निकलने के बाद मंत्री इरफान अंसारी सांसद कालीचरण मुंडा के मार्टिन बंगला स्थित आवास पहुंचे, जहां उन्होंने सांसद के चचेरे बड़े भाई बैजनाथ मुंडा के निधन पर शोक जताया। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, प्रदेश महासचिव मो नईमुद्दीन खान जिला महासचिव सयुम अंसारी, जमील अख्तर सहित कई नेता मौजूद रहे।

तीन दांतों के साथ जन्मी बच्ची का कुत्ते से कराया गया विवाह

21वीं सदी में भी जारी है नुईया गांव की अनूटी परंपरा

RAJESHWAR PANDEY @ **CHAIBASA:**

पश्चिमी सिंहभूम जिले में 21वीं सदी में भी आदिवासी बहुल क्षेत्र नोवामुंडी प्रखंड के नुईया गांव की अनुठी परंपरा चर्चा का विषय बन गया है। जानकारी के अनुसार गुवा थाना अंतर्गत नुईया गांव निवासी मारकस कुंटिया की बच्ची के जन्म से ही मुंह में तीन दांत थे। इसे आदिवासी समाज में एक विशेष संकेत माना गया है। ऐसी परंपरा है कि ऐसी संतानों का विवाह कुत्ते या कुतिया से कराना आवश्यक होता है, ताकि परिवार के साथ-साथ गांव पर किसी तरह का संकट न आए, हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहे। आदिवासी रीति रिवाज के अनुसार विधिवत पूजा अर्चना कर बच्ची का नामकरण तुलसी कुंटिया के रूप में किया गया। नुईया गांव के मुंडा दुरसू चाम्पिया



विवाह के दौरान जुटे परिजन व ढोल-नगाड़ा बजाते कलाकार

ढोल-नगाड़ों की थाप पर हुआ नाच-गान

शादी समारोह में गांव की महिलाओं, बच्चों और पुरुषों ने मिलकर पारंपरिक नृत्य किया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर गांव का माहौल पूरी तरह शादी के रंग में रंगा नजर आया। बारातियों के स्वागत में भोज का आयोजन भी किया गया। सजी हुई थाली में पारंपरिक व्यंजन परोसे गए और अतिथियों का आदर-सत्कार किया गया।

ने बताया कि ऐसी संतान को दोषयुक्त माना जाता है। यदि समय रहते उसका विवाह कुत्ते से नहीं कराया गया, तो भविष्य में बच्चे का विकास बाधित होता है और परिवार और गांव में अशांति तथा बीमारियों का प्रकोप हो जाता है। इसी तरह कुत्ते का नामकरण जकड़ा चाम्पिया किया गया, जिसे परिला चाम्पिया परिवार ने गोद लिया। अब वह परिवार उसका ससुराल बना

और पूरे विधि-विधान के साथ बारात लेकर 'दुल्हन' तुलसी कुंटिया के घर पहुंचा। आदिवासी समाज की मान्यता के अनुसार यह विवाह उसी तरह किया गया, जैसा सामान्य विवाह होता है।

आदिवासी संस्कृति की झलक : परंपराएं आज भी जीवित

यह शादी न सिर्फ गुवा थाना क्षेत्र के नुईया गांव की परंपराओं को दशार्ती है, बल्कि यह बताया जाता है कि 21वीं सदी में भी आधुनिक युग में भी कुछ परंपराएं पूरी आस्था और विश्वास के साथ निभाई जा रही हैं। आदिवासी समुदाय के लोग इन रीति-रिवाजों को सामाजिक संतुलन और सांस्कृतिक सुरक्षा की दृष्टि से देखर्ते हैं।

विवाह समारोह में ये हुए शामिल

विवाह समारोह में गांव के प्रमुख मारकस कुंटिया, मेसली कुंटिया, लोदरी चाम्पिया, बारली चाम्पिया, मीनू चाम्पिया, सुमित्रा चाम्पिया, यशोदा बोयपाई, प्रधान बोयपाई, मंगल बोयपाई, मेसमी कुंटिया, नन्दी चाम्पिया, सुनीता चाम्पिया सहित अनेक ग्रामीण शामिल थे।















O BRIEF NEWS बीटीआई ने किया एजुकेटर्स एंड कंसल्टेंट्स मीट का आयोजन



RANCHI: बैंगलोर टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (बीटीआई) की ओर से होटल रेनडियू में एजुकेटर्स एंड कंसल्टेंट्स मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन द्वीप प्रज्वलित कर किया गया एवं शिक्षण कार्यों एवं संस्थानों से जुड़ी जानकारी दी गई। इस अवसर पर बीटीआई कॉलेज अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर रेड्डी प्राचार्य डॉ. एचएस नंदा, प्रवेश अधिकारी डॉ. रंजना झा और ग्लोबस एजुकेशन फाउंडेशन के सीईओ एवं संस्थापक गौरव राजपूत सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। हमारे कॉलेज में 5वें सेमेस्टर के बाद छात्र कैंपस प्लेसमेंट के लिए पात्र होंगे। जिन कंपनियों का दौरा किया गया है उनमें अमेजन, विप्रो, सिस्को, माइक्रोसॉफ्ट, आदि शामिल हैं और सभी बेहतरीन कंपनियां छात्रों का दौरा करेंगी और उन्हें ऑफर देंगी' यह आयोजन कर्नाटक के निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों के संघ द्वारा किया जाता है।

सखुआ जंगल में जुआ अड्डे पर पुलिस ने की छापेमारी, दो गिरफ्तार



RANCHI: बेड़ो थाना क्षेत्र में पुलिस ने जुआ अड्डे पर छापेमारी कर दो लोगों को गिरफ्तार किया। घटना ग्राम पुरानापानी के सखुआ जंगल की है, जहां गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने रात करीब 7:30 बजे कार्रवाई की। मौके पर 7-8 लोग जुआ खेलते पाए गए, लेकिन अधिकतर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नयम मिरदाहा (45) और फारुख राय (35) के रूप में हुई। पुलिस ने 1000 रुपये नकद, ताश की गड़ियां और छह दोपहिया वाहन जब्त किए। दोनों को गिरफ्तार कर प्राथमिकी दर्ज की गई। फरार आरोपियों की

तलाश जारी है। डीजी स्तर के अधिकारी की हो नियुक्ति : बाबूलाल

RANCHI: नेता प्रतिपक्ष ने झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक पर बोलते हुए कहा कि यह बेहद महत्वपूर्ण विधेयक है। उन्होंने राज्य भर की

सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए डीजी अधिकारी की

नियुक्ति की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि ऐसी व्यवस्था राज्य के 18 राज्यों में है। उन्होंने कहा कि राज्य के जेलों में पुलिस अफसरों की भारी कमी है। अपराधी जेलों में बैठकर अपना साम्राज्य चला रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी सेविकाओं व पर्यवेक्षिकाओं को दिया स्मार्टफोन

बदलते समय में तकनीकी रूप से सभी को दक्ष होना जरूरी : हेमंत

बधवार को मख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में महिला. बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी सेविकाओं, पर्यवेक्षिकाओं और हेल्प डेस्क कर्मियों को स्मार्टफोन वितरित किए और डिजिटलीकरण के महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चकी है। बदलते समय में तकनीकी रूप से सभी को दक्ष होना जरूरी है। रिपोर्ट तैयार करने में मिलेगी सहायता : सीएम ने कहा कि आंगनबाडी केंद्रों के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं और गतिविधियों में डिजिटाइजेशन से कार्यों में न केवल गति आएगी. बल्कि यह कार्यों को सरल और सुगम भी बनाएगा। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन के जरिए आंगनबाड़ी सेविकाओं और पर्यवेक्षिकाओं को अपने कार्यों में मदद मिलेगी और वे अपनी रिपोर्ट्स एवं विवरणी को आसानी से तैयार कर सकेंगी। इसके साथ ही, स्मार्टफोन का इस्तेमाल रियल टाइम मॉनिटरिंग के



मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि स्मार्टफोन केवल एक उपकरण नहीं है, बल्कि यह एक सहयोगी की तरह काम करता है, जो आपके कार्यों को आसान बनाता है। स्मार्टफोन का सदुपयोग आपके कार्यों को अधिक प्रभावी और बेहतर तरीके से करने में मदद करेगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह तकनीकी विकास आपके काम को आसान और प्रभावी बनाएगा।

योजनाओं के कार्यान्वयन पर नजर रखी जा सकेगी। सावधानी बरतने की सलाह

मुख्यमंत्री ने सेविकाओं से यह भी कहा कि उन्हें जो स्मार्टफोन प्रदान किया जा रहा है, उसका उपयोग केवल सरकार द्वारा सुझाए गए एप्स के माध्यम से सरकारी कार्यों में ही किया जाए। उन्होंने मोबाइल सुरक्षा को लेकर सावधानी बरतने की

सलाह दी और कहा कि स्मार्टफोन का उपयोग सरक्षित तरीके से करें और लोक लुभावन संदेशों से बचें। स्मार्टफोन में ऐप डाउनलोड करने में हमेशा सतर्क रहें।

ठीक से करें स्मार्टफोन का उपयोग : मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि स्मार्टफोन के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू होते हैं। उन्होंने उदाहरण

PHTON NEWS RANCHI : रांची

दिया कि स्मार्टफोन के माध्यम से आज की दनिया संकचित हो गई है, लेकिन साथ ही इसके गलत उपयोग से अपराधों का भी सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सभी को स्मार्टफोन के सुरक्षित उपयोग पर जोर दिया और कहा कि यदि इसे सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो यह जीवन को बेहद आसान

नितिन गडकरी से मिले संजय

नशामुक्त समाज डालसा का उद्देश्य : पीएन सिंह

PHOTON NEWS RANCHI: झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त सह अध्यक्ष के निर्देशन में बुधवार स्थित इंटरमीडिएट कॉलेज में नशामुक्ति पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में एलएडीसी डिप्टी चीफ, राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि मादक पदार्थों के उत्पादन, संग्रहण, उपभोग, उपयोग एक जगह से दसरे जगह ले जाना सभी कानूनी रूप से अपराध है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पास से मादक पदार्थ पाये जाते हैं तो वह कानूनी रूप से सजा का पात्र होता है। अफीम या पोस्ता के उत्पादन पर एनडीपीएस अधिनियम-1985 के

झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक विधानसभा से पारित



RANCHI: विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को दूसरी पाली में झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक-2025 संशोधनों के साथ पारित हो गया। इस विधेयक में संशोधन का प्रस्ताव विपक्ष के विधायक राज सिन्हा ने लाया था। इसके जवाब में प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि विधेयक में विपक्ष की ओर से सुझाए गए संशोधनों का जिक्र किया गया है। इसके बाद विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया।

भी उन्हें अवगत कराया। केंद्रीय

राजमार्ग मंत्री ने कहा कि किसी भी

कीमत पर झारखंड में राष्ट्रीय

राजमार्ग से जुड़ी परियोजना को

बाधित नहीं होने दिया जाएगा।

फॉरेस्ट क्लीयरेंस नहीं मिलने के

कारण आ रही समस्या को राज्य

सरकार अविलंब दुर करे। बिना

बाधा के हर परियोजना पूर्ण होगी।

इस दौरान नितिन गडकरी ने

परियोजना की विसंगति को दूर

करने और ससमय इसे परा करने

के लिए त्वरित निर्देश संबंधित

अधिकारियों को दिए। इस

तहत मात्रा के आधार पर 20 साल तक की कठोर कारावास की सजा व्यक्ति गलत राह पर चल पडता है का प्रावधान है। वहीं मध्यस्थ पीएन और पैसा नहीं मिलने पर वह सिंह ने कहा कि सीआईपी और मादक पदार्थ के लिए अपराधी बन रिनपास कांके में जिला विधिक जाता है। इसके अलावा उन्होंने सेवा प्राधिकार का लिगल एड नालसा टॉल फ्री नम्बर 15100 के क्लिनिक है, वहां नशा करनेवाले बारे में भी बताया। उन्होंने बताया व्यक्तियों का ईलाज किया जाता है। कि नशामुक्त समाज का निर्माण उन्होंने छात्रों को बताया कि एक

विधानसभा का बजट सत्र

कल्पना सोरेन ने सदन में उठाया मनरेगा बकाया का मामला



PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक कल्पना सोरेन ने बुधवार को विधानसभा में अपने

योजना के तहत सरकार होली में मजदूरों बकाया मजदूरी राशि का भुगतान उठाया। उन्होंने कर चुकी है, लेकिन मनरेगा मनरेगा के मजदूरी का सामग्री मद में केंद्र सरकार के अवसर पर भी नहीं हुआ भुगतान

राशि भुगतान का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि लगभग 1200 करोड़ रुपए बकाया है।

सोरेन ने कहा कि मनरेगा ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा है। उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना के तहत सरकार होली में महिलाओं एवं बहनों को सम्मान राशि का भुगतान कर चुकी है, लेकिन मनरेगा के मजदरों को त्योहारों के अवसर पर भी भुगतान नहीं हो रहा है।

सोरेन ने महाराष्ट्र, हरियाणा और अन्य प्रदेशों की तुलना में झारखंड में मनरेगा मजदरी के उन्होंने कहा कि हरियाणा में जहां उठाने के लिए धन्यवाद दिया।

मिलते हैं, झारखंड में केवल 235 रुपए मिलते हैं। एक करोड़ तीन लाख से भी ज्यादा मजदूर मनरेगा से जुड़े हैं। उनके पास उतनी संपत्ति भी नहीं है कि तीन-चार-पांच महीने बिना मजदुरी के रहें। इस पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने जवाब देते हुए कहा कि केंद्र से राशि नहीं मिलने के लिए राज्य सरकार का कोई भी पदाधिकारी दोषी नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ही पैसा देने में आनाकानी कर रहा है। केंद्र के पास मजदुरी मद में 484 करोड़ एवं सामग्री मद में 647 करोड़ बकाया है। अबुआ आवास योजना खुद के संसाधन से चल रही है। हम आंतरिक संसाधन से मजदुरी भुगतान करने

वित्त मंत्री राधा कष्ण किशोर ने कहा कि कि जल जीवन मिशन में केंद्र सरकार के पास 6300 करोड रुपए एवं मनरेगा में लगभग 1100 करोड बकाया है। इसके अलावा, केंद्र से 16000 करोड़ रुपए अनुदान मद में मिलना है, जिसमें 11000 करोड नहीं मिला है। संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कल्पना कम दर का भी मुद्दा उठाया। सोरेन को राज्य हित का मुद्दा

का प्रयास करेंगे।

महावीर मंडल के महानगर अध्यक्ष बने कुणाल और मुनचुन महासचिव

PHOTON NEWS RANCHI: श्री महावीर मंडल रांची महानगर की आम सभा की बैठक बुधवार को श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर मेन रोड के तीसरा तल स्थित सभागार में हुई। बैठक में सत्र 2025- 26 के लिए नई कार्यकारिणी के गठन के लिए चुनाव किया गया जिसमें सर्वसम्मति से कुणाल अजमानी को अध्यक्ष और मुनचुन राय को महासचिव चुना

लिए भी किया जाएगा, जिससे

साथ ही मौके पर अन्य पदाधिकारियों के नामों की भी घोषणा की गई। इस अवसर पर

PHOTON NEWS RANCHI: रांची

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास

कम्युनिकेशन सभागार में कार्यशाला

का आयोजन किया गया। कार्यशाला

का आयोजन हायर एंड टेक्निकल

एजुकेशन झारखंड और रांची

विश्वरविद्यालय की ओर से संयुक्त रूप

से किया गया। इसका विषय डिजिटल

गवर्नेंस एंड लर्निंग एनहांसमेंट

इनिशिएटीव था। कार्यशाला में मुख्य

अतिथि के तौर पर कलपति प्रो डॉ

अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि

डिजिटल गवर्नेंस के बेहतर उपयोग के

लिये हमारे विश्व विद्यालय के

शिक्षकों- कर्मियों सबों का प्रशिक्षित

होना जरूरी है। अभी हमारे पास गिनती

के प्राध्यापक हैं। हम किसी तरह से

कक्षाएं आयोजित करा रहे हैं। रांची

अजमानी ने कहा कि इस वर्ष पिछले वर्ष से भी अधिक भव्य रामनवमी पूजा का आयोजन किया जाएगा। साथ ही प्रोत्साहन राशि भी बढ़ाई जाएगी तथा महाष्ट्रमी के दिन हमारे शिविर में आए छोटा और बड़े आकार की सभी झांकियों को तथा सभी देकर सम्मानित किया जाएगा। अखाड़ों को प्रोत्साहित करने के लिए समिति की ओर से सभी अखाड़ेधारियों को बुलाकर

झंडा और तलवार बांटी जाएगी।

डिजिटल गवर्नेंस के प्रशिक्षण की भाषा हो सहज : कुलपति

विश्वाविद्यालय में भी कर्मियों की बहुत

कमी है। ऐसी स्थिति में यदि हमारे सभी

शिक्षक, कर्मी डिजिटल गवर्नेंस में

सक्षम हो जाते हैं तो यह एक अच्छी

स्थिति होगी। कुलपित ने कहा कि हमने

कई सीएससी सेंटर खोले हैं ताकि

छात्रों को ऑनलाइन सुविधाएं मिल

सकें। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि

कार्यक्रम का उद्घाटन करते कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा 🏻 फोटोन न्यूज

नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुणाल पार्टियों को भी मोमेंटो कहा कि विभिन्न कॉरिडोर को जनता को समर्पित

के सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नई दिल्ली में केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से बुधवार को मुलाकात की। इस मुलाकात के क्रम में रांची लोकसभा क्षेत्र सहित झारखंड में चल रही विभिन्न परियोजना पर चर्चा हुई। सेठ ने रात रोड में निमार्णाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर की प्रगति पर केंद्रीय मंत्री से चर्चा की। उन्हें इसकी प्रगति से अवगत भी कराया। साथ ही इस कॉरिडोर के लोकार्पण का आमंत्रण दिया, जिसे राजमार्ग मंत्री ने सहर्ष स्वीकार किया। अप्रैल 2025 में इस

किया जाएगा। मलाकात में सेठ ने

डिजिटल गवर्नेंस में प्रशिक्षण की भाषा

सहज होनी चाहिये ताकि हर कोई इसे

अच्छे से प्रशिक्षित हो सके। हमारे बहुत

सारे प्राध्यापक कर्मचारी और शिक्षक

युवा नहीं हैं इस कारण से उन्हें जटिल

कंप्यूटर तथा तकनीकी प्रशिक्षण सीखने

में परेशानी होती है और इससे वे



जमशेदपुर के बीच सड़क और एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण पर भी चर्चा की। इन कार्यों को पूर्ण करने में आ रही विसंगति और समस्या से

मुलाकात के बाद रक्षा राज्य मंत्री ने बताया कि नितिन गडकरी ने एलिवेटेड कॉरिडोर के लोकार्पण में आने की बात कही है। एक्जीक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम में विद्यार्थियों और गृहिणियों ने लिया माग

PHOTON NEWS RANCHI: एकजीक्यटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम कार्यशाला का आयोजन डॉ. ख्याति मंजाल और वंदना साहू द्वारा लालपुर में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के उत्साही छात्र, विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी कार्यरत पेशेवर और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही गृहिणियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाना था। डॉ. ख्याति मुंजाल, जो संचार कला और

बॉडी लैंग्वेज की विशेषज्ञ हैं, ने

बताया की आत्मविश्वासी बॉडी

कागजात के साथ दावा सामने

आता है, तो उसका मुआवजा

भुगतान करें। जहां मुआवजा



लैंग्वेज और प्रभावी संवाद कैसे किसी भी व्यक्ति की छवि को निखार सकते हैं। उनका यह सत्र विशेष रूप से छात्रों के लिए करियर ग्रोथ, गृहिणियों के लिए आत्मनिर्भरता, और कार्यरत पेशेवरों के लिए नेतृत्व क्षमता को सुधारने में मददगार रहा। उन्होंने बताया कि कैसे एक साधारण हावभाव या सही तरीके से की गई बातचीत किसी भी अवसर को अपने पक्ष में बदल सकती है।

रिपोर्ट के बाद पर्वतपुर कोल ब्लॉक पर होगा निर्णय : योगेंद्र प्रसाद

विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत भारत सरकार की आनुषांगिक संगठन कोल इन्डिया की ओर से जेएसडब्ल्यू कम्पनी को ग्राम-मौजा-पर्वतपुर एवं सीतानाला में कोल ब्लॉक



आवंटित किया गया है, लेकिन काफी समय बीत जाने के बावजूद भी जेएसडब्ल्यु कंपनी की और से कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। इस पर मंत्री योगेंद्र प्रताप ने कहा कि जेएसडब्ल्यू और ओएनजीसी के बीच आदान-प्रदान के

खेल में समय लग गया। जमीन का नेचर तय करने के लिए सीओ को निर्देश दिया गया है। रिर्पोट आने के बाद डीसी के माध्यम से प्रक्रिया आगे बढेगी। इसके बाद इसे कैबिनेट में लाया जाएगा। विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि कोल ब्लॉक शरू होने से राजस्व बढेगा। पांच से 10 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। ८८०० एकड़ जमीन पर कोई विवाद नहीं है।

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने की चालू और शुरू होनेवाली योजनाओं की समीक्षा, कहा-

सड़क निर्माण योजनाओं की प्रगति पर नजर रखें डीसी

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि वे राज्य में चल रहीं विभिन्न सड़क योजनाओं की लगातार मॉनिटरिंग करें। अगर किसी में कोई बाधा आ रही है, तो प्राथमिकता के आधार पर उसे दूर करें। जहां जरूरत हो, वहां संबंधित विभागों के साथ समन्वय करें और निर्बाध निर्माण का मार्ग

PHOTON NEWS RANCHI: प्रशस्त करें। उन्होंने कहा कि केंद्र से स्वीकृत सड़क निर्माण परियोजनाओं को राज्य में लाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। एक बार स्वीकृति मिलने के बाद अगर ससमय निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, तो योजना निरस्त होने का भी खतरा रहता है।

17.188 करोड़ से 503 किमी. की 15 सड़कों का निर्माण जारी

≫ केंद्र से स्वीकृत सड़क निर्माण परियोजनाओं को राज्य में लाने के लिए करनी पड़ती है मशक्कत

>>> स्वीकृति मिलने के बाद अगर ससमय निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, तो योजना निरस्त होने का रहता है खतरा

≫ नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सडक निर्माण में आ रही बाधाओं का ससमय करें समाधान

इसलिए, नेशनल हाइवे ऑथोरिटी

ऑफ इंडिया के सड़क निर्माण में

आ रही बाधाओं का ससमय

समाधान करें, ताकि आगे के लिए

भी सड़क निर्माण की योजनाएं

राज्य के लिए केंद्र से ली जा सके।



योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

कर रही थीं। उनकी समीक्षा के

दौरान स्पष्ट हुआ कि सड़क

निर्माण में सबसे बड़ी बाधा उस

झारखंड में कुल ३,५३६ किमी सड़क नेशनल हाइवे है। नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया द्वारा १.७५८ किमी . सडक ५२,४७६ करोड़ रुपये से निर्मित हो रही है, जिसमें से 13,993 करोड़ की लागत से 718 किमी . सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है। 17.188 करोड़ रुपये से 503 किमी. की 15 सड़कों का निर्माण जारी है। 11,643 करोड़ से 273 किमी . की 8 सड़कों के निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं 9,623

करोड़ की लागत से 263 किमी. की 7 सड़कों का निर्माण डीपीआर और टेंडर प्रक्रिया में है। मुख्य सचिव बुधवार को राज्य में जमीन का मुआवजा भुगतान को चालू और शुरू होनेवाली सड़क लेकर है, जिसके कागजात नहीं

मिल रहे हैं। इसका समाधान

निकालते हुए निर्देश दिया गया कि

वैसी जमीनों को सरकारी मानकर

काम शुरू करें और बाद में

भुगतान में देरी हो रही है, वहां कैंप लगाकर रैयतों को भुगतान करने को कहा गया। वहीं वन विभाग से जुड़े मसले को शीघ्र पर सुलझाने पर बल दिया गया। विधि व्यवस्था से बाधित कार्य को प्रशासनिक कुशलता से निपटाने का निर्देश दिया गया। उल्लेखनीय है कि झारखंड में

प्रति एक लाख जनसंख्या पर नेशनल हाइवे की 8.62 किमी. सड़क है, जो पूरे भारत में 11 किमी. है। वहीं झारखंड में प्रति एक हजार स्क्वायर किमी. में नेशनल हाइवे 43.91 किमी. है, जबिक राष्ट्रीय औसत 40.2 है।

आज से राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद का होगा आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI: नेहरू युवा केंद्र संगठन, राज्य कार्यालय रांची और केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद नामक कार्यक्रम का आयोजन 27 और 28 मार्च को रांची के पुराना विधानसभा भवन, धुर्वा में होगा। इस कार्यक्रम में झारखंड राज्य के 10 नोडल जिलों में आयोजित जिला स्तरीय युवा संसद कार्यक्रम के 93 विजेता प्रतिभागी भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में झारखंड के रांची, बोकारो, गिरिडीह, देवघर, दुमका, हजारीबाग, खूंटी, सरायकेला, चाईबासा और पलामू जिलों में विकसित भारत युवा संसद का नोडल स्तरीय कार्यक्रम का

आयोजन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में झारखंड के हजारों युवाओं ने भाग लिया और अपनी वक्तृत्व कला, तर्कशक्ति, संवैधानिक समझ और नेतृत्व कौशल का परिचय दिया था। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रत्येक जिले से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन कर उन्हें राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर दिया जा रहा है। कार्यक्रम का उददेश्य युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, नीति-निर्माण और संवैधानिक मूल्यों की गहरी समझ देना है। प्रतिभागियों को तीन मिनट का वक्तव्य प्रस्तुत करना होगा, जिसके लिए दो विषय निर्धारित किए गए हैं जिनमें से किसी एक विषय पर सभी प्रतिभागियों को प्रस्तुति देनी होगी।

महावीर मंडल आज से करेगा सभी मंडलों का दौरा : जय सिंह RANCHI: रांची के महावीर चौक

स्थित श्री दुर्गा मंदिर ट्रस्ट में बुधवार को श्री महावीर मंडल केंद्रीय समिति के अध्यक्ष जयसिंह यादव की अध्यक्षत में बैठक हुई। बैठक में रामनवमी महोत्सव को सफल बनाने निर्णय लिया गया। इस दौरान सदस्यों ने कई सुझाव दिए। मौके पर अध्यक्ष जय सिंह यादव ने पहुंचे सभी पदाधिकारी और सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि महावीर मंडल रामनवमी महोत्सव धूमधाम से मनाएगा। महोत्सव को सफल बनाने के लिए 27 और 28 को पदाधिकारियों के साथ अरगोड़ा, पुंदाग, बजरा, आईटीआई, हेहल, पंडरा, कांके हातमा बस्ती, धावनगर, गांधीनगर, बांध गाड़ी, बड़गाई, बरियातू, लोआड़ीह, चुटिया और लालपुर सहित कई अन्य क्षेत्रों का दौरा कर अखाड़ाधारी और मंडल के सदस्यों से मिलेंगे।

GHATSILA: बीडीओ युनिका शर्मा ने बुधवार को कालचिती पंचायत

निरीक्षण में नहीं मिले प्रधानाध्यापक



खामियां मिलीं। शौचालय गंदा था, एक शिक्षक छुट्टी पर थे, तो प्रधानाध्यापक भी नहीं मिले। बताया गया कि वे लाने प्रखंड मुख्यालय गए

बीडीओ ने काफी नाराजगी जताई और इसे हर हाल में साफ रखने की बात शिक्षको से कही। बीडीओ ने विद्यालय में पानी की व्यवस्था भी ठीक करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वे संबंधित विभाग से बात कर पाइपलाइन बिछवाएंगी। बीडीओ ने हर वर्ग में जाकर बच्चों से शिक्षकों द्वारा पढ़ाए जाने वाले विषयों पर जानकारी ली।

खेलो इंडिया में स्वर्ण पदक लेकर लौटे विजय सुंडी

CHAIBASA: खेलो इंडिया पैरा गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज विजय सुंडी बुधवार को नई दिल्ली से लौटे। यह प्रतियोगिता 21-24 मार्च तक हुई थी। मुख्य बस स्टैंड पर विजय सुंडी को फूल माला देकर मिठाई खिलाई गई।

स्पोर्ट्स एसोसिएशन, चाईबासा के एग्जीक्यूटिव कमेटी मेंबर अर्जुन बानरा, सदस्य सुबोध खंडाइत, रेफरी इंचार्ज सह फुटबॉल कोच मानकी कुदादा, तुरतुंग तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र, सिकुरसाई के सदस्य सुधीर पाट पिंगवा, तीरंदाजी प्रशिक्षक महर्षि महेंद्र सिंक, राष्ट्रीय तीरंदाज मैकलीन बारी आदि मौजूद थे।

दो पंप जले. मानगो के जोन नंबर 3 में जल संकट

JAMSHEDPUR: संकोसाई से सुभाष कालोनी तक मंगलवार से पानी नहीं आ रहा है। इस संबंध में इलाके के लोगों ने जब जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक जनसुविधा प्रतिनिधियों पिंटू सिंह और संतोष भगत से बात की तो वे बधवार को मानगो के जोन नंबर 3. आस्था स्पेस टाउन पहुंचे। वहां उन्हें ठेकेदार के कर्मचारी ने बताया कि मंगलवार को दो पंप जल गए। जो पंप जले हैं, उनमें एक 45 एचपी का और दूसरा 35 एचपी का है। यही वजह है कि लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है।

भाजपा आज धूमधाम से मनाएगी बिहार दिवस

JAMSHEDPUR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यएक भारत, श्रेष्ठ



भारतह्न और ह्यवसुधैव कुटुंबकमह्न के संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए भाजपा बिहार दिवस के

रही है। इसी कड़ी में, भाजपा जमशेदपुर महानगर द्वारा 27 मार्च को बिष्टुपुर के माइकल जॉन ऑडिटोरियम में भव्य 'स्नेह मिलन समारोह' का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री व आरा के विधायक अमरेंद्र प्रताप सिंह शामिल होंगे, जबिक विशिष्ट अतिथि में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और बिहार विधान परिषद के सदस्य बबलू गुप्ता भी रहेंगे। साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में बुधवार को प्रेस-वार्ता में जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, कार्यक्रम के प्रदेश सह संयोजक शैलेंद्र सिंह, जिला महामंत्री संजीव सिंह, कार्यक्रम के जिला संयोजक विजय तिवारी एवं जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा मौजद थे।

बिष्टुपुर में 24 घंटे का अखंड रामायण कीर्तन

JAMSHEDPUR: सब्जी मंडी बिष्टुपुर में मंगलवार को 24 घंटे का



अखंड रामायण कीर्तन शुरू हुआ था। कार्यक्रम की पूणार्हुति एवं भंडारा बुधवार को दोपहर 12 बजे संपन्न हुआ। कीर्तन में (मनीफीट) और उनकी

टीम, व्यास रंजन सिंह, तथा व्यास मनीष बक्सर और उनकी टीम ने भक्तिमय प्रस्तुति दी। इस धार्मिक आयोजन में मुख्य अतिथि भाजपा ओबीसी सेल के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद, अखिल भारतीय तैलिक साह महासभा के जिला अध्यक्ष राकेश साहू, रवि जायसवाल उपाध्यक्ष शिवलोचन साह आदि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में नवयवक रामायण मंडली के अध्यक्ष धनजी साव, उपाध्यक्ष राजकुमार शाह, महामंत्री नागेंद्र चौबे, मंत्री अवध किशोर साह, सुरेंद्र प्रसाद, ओमप्रकाश साह, कोषाध्यक्ष स्वामीनाथ प्रसाद, प्रमोद प्रसाद, हरि किशोर प्रसाद और पिंटू साह के नेतृत्व में हुआ। इस आयोजन में स्थानीय बाजार के श्रद्धालु एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

माल ढुलाई में चक्रधरपुर ने बनाया रिकॉर्ड

JAMSHEDPUR: चक्रधरपुर रेल मंडल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक का सबसे अधिक 15..18 मिलियन टन माल ढलाई का रिकॉर्ड बनाया है। मंडल ने 25 मार्च तक, कुल लदान 151.18 मिलियन टन दुलाई कि, जो पिछले वित्त वर्ष में इसी तिथि को दर्ज 146.43 मिलियन टन से अधिक है। लोडिंग अनुरूप, आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 13,017.65 करोड़ से बढ़कर 13,128.92 करोड़ हो गई है। इसमें कोयला लोडिंग में 38 प्रतिशत है।

डिमना लेक में पांच दिन बाद मिला कपाली के युवक का शव

22 मार्च को घर से निकला था, परिजनों ने जताया हत्या का संदेह

सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली थाना अंतर्गत ताजनगर निवासी शेख अफरोज का शव बुधवार को डिमना लेक से बरामद किया गया। परिजनों ने बताया कि कि शेख अफरोज 22 मार्च को अपने घर से एसी के काम में जाने की बात बोलकर निकला था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने उसे कई जगह तलाश किया मगर, कोई फायदा नहीं हुआ। परिजनों ने पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत बोड़ाम थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शेख अफरोज के परिजनों ने बताया कि वे लोग रोज डिमना लेक अफरोज को ढूंढने आते थे। आज भी वह ढूंढते हुए डिमना लेक आए तो देखा कि कुछ लोग लेक के पास खड़े होकर शव



मृतक की फाइल फोटो

को देख रहे हैं। इसके बाद शव को बाहर निकाला गया और शिनाख्त करने के बाद बोड़ाम थाना को इसकी सूचना दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या का संदेह जताया है और पुलिस से मामले की जांच करने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और

उद्घाटन से पहले बीपीएम स्कुल के बाथरूम में चोरी JAMSHEDPUR : बर्मामाइंस स्थित बीपीएम मध्य विद्यालय में

मंगलवार की रात चोरों ने उद्घाटन से पहले नए बाथरूम में चोरी हो गई। चोरों ने बाथरूम के गेट का ताला तोडकर पांच वाश बेसिन समेत स्टील के 30 नल चोरी कर लिए। इसमें दो वाश बेसिन को विद्यालय की बिल्डिंग के पीछे फेंक कर तोड़ दिया। बुधवार को जब विद्यालय खुला तो चोरी का पता चला। इसकी बमार्माइंस थाने को दे दी गई है। बता दे कि यह बाथरूम विधायक फंड से बन रहा था। कार्य अंतिम चरण में था कछ ही दिनों में इसका उद्घाटन होना था। इतने बड़े विद्यालय में कोई नाइट गार्ड नहीं है, जबिक इसे सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस भी बनाया गया है विद्यालय की प्राचार्य किरण कुमारी ने बताया कि विद्यालय की बाउंड्रीवाल की ऊंचाई कम होने से चोर आसानी से घुस जाते हैं।

हवाई जहाज से लाया गया मजदूर का शव

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला अनुमंडल स्थित दामपड़ा के एक मजदुर का शर्व बुधवार को हवाई जहाज से लाया गया। भादुआ पंचायत के छोटाजमुना निवासी 22 वर्षीय प्रकाश मानकी नामक मजदूर का 22 मार्च को कर्नाटक में निधन हो गया था। मृतक के पिता शशि मानकी ने अपने पुत्र का शव लाने के लिए मंत्री रामदास सीरेन से गहार लगाई थी। मंत्री ने तत्काल संबंधित अधिकारी को आदेश दिया। मंगलवार की रात मृतक का शव हवाई मार्ग से रांची लाया गया एवं रांची से बुधवार को दोपहर 1 बजे गांव लाया गया। मंत्री के निदेशानुसार विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत के साथ एक प्रतिनिधिमंडल मृतक के घर गया और शोक संतप्त परिवार से मिला। जगदीश भकत ने कहा कि प्रवासी मजदूर के नियम अनुसार सभी तरह की सुविधा मतक के परिवार को दी जाएगी। मृतक की बहुँन शेफाली मानकी काँ विवाह त्य हो चुका है, उसमें भी मंत्री सहयोग करेंगे।

शराब भटती पर की गई छापेमारी, एक गिरफ्तार



क्षेत्र के कालचित्ती पंचायत में हीरागंज एवं रामचंद्रपुर गांव में बुधवार को उत्पाद विभाग ने छापेमारी की। इसमें शराब भट्टी से एक व्यक्ति गिरफ्तार किया गया। वहां कई भट्टी को ध्वस्त किया गया। उत्पाद विभाग के सब इंस्पेक्कर मो. गुफरान ने बताया कि हीरागंज गांव से अशोक नायक नामक व्यक्ति को शराब बनाते हुए पकड़ा। उसके पास से कई लीटर महुआ शराब भी बरामद किया गया। बुधवार को ही बांधडीह कैनाल के पास भी एक भट्टी को ध्वस्त किया गया। यहां से 10 लीटर अवैध चुलाई शराब तथा शराब बनाने के लिए रखा 160 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया गया। हीरागंज से अशोक कुमार नायक को 5 लीटर महुआ शराब के साथ घर से गिरफ्तार किया गया, उसे जुमार्ना लेकर

नीति आयोग की टीम ने देखी भूमिगत पाइपलाइन से सिंचाई की व्यवस्था

PHOTON NEWS SERAIKELA: नई दिल्ली से आई नीति आयोग

की टीम ने सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत आकांक्षी प्रखंड विकास कार्यक्रम के तहत चयनित गम्हरिया प्रखंड में दूसरे दिन बुधवार को विभिन्न पंचायतों का भ्रमण किया। इसी क्रम में टीम गजिया बराज गई, जहां उन्होंने डैम से सिंचाई के लिए बिछाई गई भूमिगत पाइपलाइन की व्यस्था भी देखी। टीम को यशपुर पंचायत के गांवों के किसानों ने बताया कि भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से किस प्रकार उन्हें खेती में सहयोग

उन्होंने बताया कि पहले सिर्फ बरसात या ठंड के दिन में ही खेती हो पाती थी, जबिक अब सभी मौसम में (12 महीने) सीजन के अनुसार सब्जी, फल व अन्य



गनिया बराज के पास नीति आयोग की टीम व जिला के पदाधिकारी

पहले खेती नहीं कर पाने के कारण उन्हें रोजगार के लिए अन्य जिला या राज्य में पलायन करना पड़ता था, आज वे अपने खेत से परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। टीम में निदेशक युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार बंगारा राजू वी.वी के थाटावर्थी व उपसचिव, उद्योग संवर्धन व आंतरिक व्यापार विभाग ललित कुमार सिंह, वाणिज्य एवं उद्योग

सदस्यीय टीम शामिल थी। टीम ने दूसरे दिन गम्हरिया प्रखंड के रापचा पंचायत के पिंडरा बेड़ागांव मे एसएचजी समृह की दीदी द्वारा चुजा बतख पालन केंद्र तथा पंचायत भवन यशपुर में पशु टीकाकरण, एसएससी की दीदियों द्वारा की जा रही खेती, अचार, सैनिटरी पैड्स, थैला पतल-डोंगा निर्माण आदि का जायजा लिया। लाभकों के साथ संवाद किया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को २१ वर्ष की सजा

CHAIBASA: नाबालिग के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी को न्यायालय ने 21

सश्रम सजा है। सुनाई इसके ही 25 हजार का

जुर्माना लगाया गया है। जानकारी के अनुसार, पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी प्रखंड के तांतनगर ओपी थाना अंतर्गत गंजिया गांव निवासी गुलशन आल्डा ने एक नाबालिग को प्यार के जाल में फंसाया। इसके बाद आरोपी ने 20 फरवरी 2023 को उसे शादी का झांसा देखकर यौन शोषण किया।

आरोपी ने पीड़िता को धमकी भी दी। इसके बावजूद पीड़िता ने परिजनों को बताया, फिर थाने में आरोपी के खिलाफ मामला

गिरीश चनाचूर फैक्ट्री में हुई कर्मचारी की मौत



थाना पहुंचे आजसू पार्टी के कार्यकर्ता

JAMSHEDPUR : गोलमुरी स्थित गिरीश चनाचुर फैक्ट्री में कार्यरत कर्मचारी की बुधवार को मौत हो गई। मृतक राजु मंडल (32) आजस् पार्टी का कार्यकर्ता भी था। ड्यूटी के दौरान जब उसकी तबीयत अचानक खराब हो गई, तो उसे टीएमएच लाया जा रहा था, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वह इस फैक्ट्री में 12 वर्षों से कार्यरत था। सूचना मिलने पर आजसू के साकची

मंडल अध्यक्ष सोन् सिंह व महामंत्री जितेंद्र यादव के साथ कार्यकताओं ने कंपनी परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। मामला पुलिस तक पहुंचा, जिसके बाद आजसू के जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह और सनातन उत्सव समिति संस्थापक अध्यक्ष चिंटू सिंह के साथ गोलमुरी थाना प्रभारी राजन सिंह के समक्ष कंपनी के मालिक आशीष पटेल, धवल कुमार आदि

साकची में भागवत कथा का भव्य समापन, श्रद्धालुओं ने दी आहृति



यज्ञ में आहुति डालते श्रद्धालु

• फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR: साकची स्थित रामलीला मैदान में श्रीश्री रामलीला उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का बुधवार को भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले यज्ञ में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने आहृति दी। भागवत कथा के अंतिम दिवस पर वंदावन से आए कथावाचक आचार्य राजेश कृष्ण जी महाराज ने श्रीकृष्ण की द्वारिका लीला का भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। वहीं इस सात दिवसीय संगीतमय कथा ने न केवल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद और आत्मशांति प्रदान की, बल्कि उन्हें गृहस्थ जीवन, त्याग, प्रेम, भक्ति और सत्य की महत्वपूर्ण शिक्षा भी दी। सप्तम दिवस के कथा में आचार्य ने श्रीकृष्ण के गृहस्थ जीवन का आदर्श रूप प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि गृहस्थ जीवन कैसा हो, यह श्रीकृष्ण से सीखा जा सकता है।

बालू लदे ४ ट्रैक्टर किए गए जब्त



अनन्य मित्तल के निर्देश पर खनिजों के अवैध भंडारण, उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ जिला खनन कार्यालय द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी क्रम में श्यामसुंदरपुर थाना अंतर्गत पुखरिया एनएच पर अवैध रूप से बालू खनिज का परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टर को जब्त किया गया। खनन निरीक्षक ने बताया कि ट्रैक्टर चालकों को जांच के लिए रोका गया था। वे कोई वैध कागजात या चालान नहीं दिखा सके। सभी टैक्टरों को श्यामसुंदरपुर थाना के सुपुर्द कर दिया गया है।



दीपक गिरी ने कहीं।

राज्य में ११.६ फीसद लोग मानसिक रोग के शिकार : डॉ. दीपक गिरी

जीवनशैली, खानपान एवं तनाव की वजह से मानसिक रोगियों की संख्या दिनों दिन बढ रही है। आंकड़े के अनुसार झारखंड में कुल आबादी में 11.6 प्रतिशत लोग मानसिक रोग के शिकार हैं। देश में यह आंकड़ा 10.6 प्रतिशत है. अगर समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में ये आंकड़े चौंकाने वाले होंगे। ये बातें मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ.

सिविल सर्जन कार्यालय में बधवार को ह्यकॉमन मेंटल हेल्थ प्रोब्लम डिस्ऑर्डरह्न विषय पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पीएलवी, विभिन्न स्कूलों के शिक्षक तथा संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस



कार्यशाला में उपस्थित लोगों को संबोधित करते डॉ. दीपक गिरी

दौरान डॉ. दीपक गिरी ने बीमारी के तेजी से बढ़ने के कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तनाव तथा जीवनशैली में परिवर्तन इसके प्रमुख कारण हैं। स्वभाव में किसी तरह का बदलाव दिखने पर विशेषज्ञ की उचित सलाह तथा नियमित दवाओं के सेवन से व्यक्ति मुख्यधारा में लौट सकता है तथा स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकता है। उन्होंने कहा कि कई कारणों से

व्यक्ति स्ट्रेस से ग्रसित हो सकता है। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित लोगों ने मानसिक तनाव बढने. इसके कारण, निदान से जुड़े सवाल किए, जिसका डॉ. दीपक गिरी ने जवाब दिया। इस मौके पर क्लीनिकल साइक्लॉजिस्ट डॉ. स्मिता, पीएलवी सीमा देवी, जोबारानी बास्के, जयंत नंदी, सुनील पांडेय, अरुण रजक समेत अन्य मौजूद रहे।

यातायात डीएसपी ने लोगों की शिकायत के बाद उच्चाधिकारियों से की थी मंत्रणा

सीसीटीवी कैमरे वाले स्थानों पर ही होगी ट्रैफिक चेकिंग

जमशेदपुर में अब उन्हीं स्थानों पर ट्रैफिक चेकिंग होगी, जहां सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को इस संबंध में साफ आदेश दे दिया गया है कि जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं, उन स्थानों पर ट्रैफिक चेकिंग की मनाही कर दी

ट्रैफिक चेकिंग के दौरान लगातार हो रहे विवादों को देखते हुए ट्रैफिक डीएसपी नीरज ने आला अफसरों के निर्देश पर यह फैसला लिया है। सभी ट्रैफिक थाना पुलिसकर्मियों को इस फैसले से अवगत करा दिया गया है। ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वह किसी भी कीमत पर ऐसे स्थानों चेकिंग नहीं करें, जहां



इन स्थानों पर नहीं होगी चेकिंग

डीएसपी नीरज ने यह भी बताया कि शहर के पांच स्थानों से चेकिंग प्वाइंट्स को हटा दिया गया है। इन स्थानों में शामिल हैं

- मानगो ब्रिज के पास (ट्रैफिक) थाना के पास) मानगो दुर्गा मंदिर के पास (पुल
- के एंट्री प्वाइंट पर) 🗕 जुगसलाई बाटा चौक
- परसुडीह थाना के पास

• साकची थाना के पास

जहां सीसीटीवी नहीं, वहां पहनना होगा बॉडीवॉर्न कैमरा

अगर किसी थाना क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था नहीं है, तो वहां चेकिंग कर रहे पुलिसकर्मियों को अनिवार्य रूप से बॉडीवॉर्न कैमरा पहनना होगा। बिना बॉडीवॉर्न कैमरे के चेकिंग करने वाले पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हों। उन्होंने कहा कि अब सभी पुलिसकर्मी केवल उन स्थानों पर चेकिंग करेंगे, जहां सीसीटीवी

कैमरे लगे हैं। इस बदलाव का मकसद चेकिंग की पूरी प्रक्रिया की रिकॉर्डिंग को सुनिश्चित करना है। ताकि, अगर

जनता से कोई बवाल हो तो घटना पर आगे की कार्रवाई सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जा सके। इसके तहत,

ऑटो चालकों के लिए जारी होगी नई गाइडलाइन इसके अलावा, ऑटो (टेंपो)

चालकों के लिए नई गाइडलाइन भी जारी की जाएगी। साकची गोलचक्कर के पास ऑटो की बेतरतीब पार्किंग को लेकर बुधवार को टेंपो एसोसिएशन के साथ बैठक की जाएगी, जिसमें ऑटो की सही पाकिंग व्यवस्था, ड्रेस कोड और अन्य नियमों पर चर्चा की जाएगी। जो ऑटो चालक इन दिशा–निदेशों का उल्लंघन करेंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएसपी नीरज ने कहा कि इस नए आदेश से ट्रैफिक चेकिंग के दौरान होने वाले अनावश्यक विवादों को रोका जा सकेगा और पारदर्शिता बनी रहेगी।

ट्रैफिक थाना प्रभारी उचित स्थल का चयन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि वह स्थान सीसीटीवी कैमरे की रेंज में हो।

टाटा-बक्सर एक्सप्रेस का बड़बिल तक विस्तार करने की मांग



CHAKRADHARPUR: सांसद जोबा मांझी ने बुधवार को संसद में टाटानगर-बक्सर एक्सप्रेस का विस्तार बड़बिल तक करने की मांग की। सांसद ने रेल मंत्री से पूछा कि क्या सरकार टाटानगर-बक्सर एक्सप्रेस का बड़बिल तक जनहित में विस्तार किए जाने की लगातार की जा रही मांग से अवगत है, यदि हां, तो इसकी संभावित समय-सीमा सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उत्तर में कहा कि टाटानगर-बडबिल सेक्टर में 2 जोड़ी नियमित रेलगाड़ियों का परिचालन किया जा रहा है, जिसमें हावडा–बडबिल जन शताब्दी एक्सप्रेस और टाटानगर-बड़बिल पैसेंजर, जो यात्रियों की जरूरतों को पूरा कर रही है। इसके अलावा, यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन भारतीय रेल पर रेल सेवाओं के तहराव का प्रावधान एक सतत् प्रक्रिया है।

काशिदा-उलीडीह सड़क पांच साल से जर्जर, ग्रामीण चिंतित



काशिदा से उलीडीह जाने वाली सड़क

GHATSILA: घाटशिला प्रखंड के काशिदा पंचायत अंतर्गत काशिदा मुख्य सड़क से उनीडीह जाने वाली मुख्य सड़क जर्जर होने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क इतनी जर्जर है कि बारिश के दिनों में पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। पूरी सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है। इस संबंध में उनीडीह के ग्रामीणों ने बताया कि सड़क बनाने के लिए कई बार सांसद बिद्युत बरण महतो से आग्रह किया गया। एक-दो बार उन्होंने सड़क का निरीक्षण भी किया, लेकिन पांच वर्ष से सड़क नहीं बनी। हालांकि काशिदा से लेकर ईट भट्टा तक लगभग 500 मीटर तक पीसीसी सड़क है, लेकिन उसके बाद लगभग साढ़े तीन किलोमीटर सड़क पूरी तरह जर्जर है। ग्रामीणों ने बताया कि काशिदा से उनीडीह तक जंगल का रास्ता है। रास्ता जर्जर होने के कारण शाम होते ही सांप-बिच्छू समेत कई प्रकार के जानवर सड़क पर आ जाते हैं। इसके कारण शाम होते ही लोग काशिदा की तरफ जाना बंद कर देते हैं। गांव से शहर का संपर्क पूरी तरह कट जाता है।

को लेकर थानाध्यक्ष और पुलिस

पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-

निर्देश दिए। एसएसपी ने बताया

हाथियों के झुंड ने कोसदरिया गांव में तीन घरों को किया क्षतिग्रस्त, परिवार में दहशत

हरदिया पंचायत के कोसदरिया गांव में 22 की संख्या में आओ हाथियों

ने तीन घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। घने जंगल में हाथियों का झंड का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोसदरिया गांव निवासी साउ मुंडा के कुंवर मुंडा,लका मुंडा का पुत्र कर्म सिंह मुंडा, डिंबा टूटी के पुत्र ने बताया कि हमलोग सभी परिवार के साथ अपने घर में थे। 12 बजे दिन में अचानक हाथी आया और पहले घर को क्षतिग्रस्त किया। उसके बाद घर में रखे



राशन, कपड़ा खेत में लगे सब्जी को

फसल को नष्ट कर दिया। वहीं दूसरी ओर हाथी अब गरीबों के घर उजाड़ने लगे हैं। के झुंड ने नवाडीह होते हुए कोसदरिया

एक दिन पूर्व भानेखाप, सुअरलेटी, परतौनियां जंगल के रास्ते होते हुए हाथियों

घर से बाहर नहीं निकलें।

अलग जगहों पर लगाया गया है।

पटाखा छोड़कर हाथियों के झूंड

को झारखंड की ओर भेजने का

लोगों से अपील किया गया है कि

अपने-अपने घरों में सुरक्षित रहें

काम किया जा रहा है। सभी

गांव में पहुंच कर जमकर उत्पात मचाया है। हाथियों का झुंड नवाडीह गांव में लगे नल जल और सोलर लाइट को भी क्षतिग्रस्त किया है। हाथियों के इस आतंक से ग्रामीण रात जगा कर रहे हैं और काफी भयभीत हैं। भय का माहौल इस तरह बन गया है कि लोग अपने घर से बाहर ही नहीं निकल रहे हैं। दरअसल कछ दिनों पूर्व कोडरमा घाटी के मेघातरी होते हुए हाथियों का झुंड रजौली में प्रवेश कर गया है। हाथियों के झुंड ने खेतों में लगी गेहूं,प्याज की फसल को रौंदते हुए उत्पात मचाना शुरू कर दिया था। नावाडीह के ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का झुंड गांव के बगल में ही है। कभी भी किसी समय भी गांव पर हमला कर सकता है।

एसएसपी हृदय कात ने सुल्तानगज थाना का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

AGENCY BHAGALPUR आने वाले त्योहार रामनवमी, ईद और विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भागलपुर के वरीय पुलिस





सरकार के गाइड लाइंस का पालन है। साथ ही थाना परिसर का भी निरीक्षण किया गया है। साफ-सफाई बेहतर दिखी। लेकिन कई भवन जर्जर हो चुकी है। जिसे तोड़कर हटाने का निर्देश दिया गया है। नये भवन निर्माण प्रस्तावित है।

BRIEF NEWS बिहार एमटीबी टीम में पूर्वी चंपारण के चार खिलाड़ी हुए शामिल

EAST CHAMPARAN: साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा हरियाणा के पंचकुला में आयोजित होने वाली 21वी नेशनल माउंटेन बाइक चैंपियनशिप (सीनियर, जनियर, सब जनियर) के लिए घोषित बिहार टीम में पूर्वी चंपारण जिले के चार खिलाडियों को जगह मिली है। इन खिलाडियों में सीनियर वर्ग में बेबी कुमारी व राजन कुमार (दोनों मोतिहारी), जूनियर वर्ग में अंजली कुमारी (तुरकौलिया) व एस पी लाल कुमार (हरदिया, तुरकौलिया) शामिल है। हरियाणा में नेशनल चैंपियनशिप चार दिवसीय (28-31 मार्च) होगी। इसकी जानकारी देते हुए जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि 19 खिलाड़ियों वाली बिहार टीम पटना से हरियाणा के लिए ट्रेन से रवाना हो गई। नेशनल के लिए जिले के चयनित खिलाड़ी स्टेट एमटीबी चैंपियनशिप में मेडल जीते थे। बिहार टीम में जिले के चार खिलाड़ियों के चयन होने पर जिला संघ के

भाजपा के पर्व विधायक चितरंजन शर्मा का निधन

सभी सदस्यों ने बधाई दी है।

PATNA: बिहार के अरवल से भाजपा के पूर्व विधायक चितरंजन शर्मा का निधन बुधवार को इलाज के दौरान हो गया। पिछले कछ समय से बीमार चल रहे थे। भूमिहार जाति से आने वाले चितरंजन शर्मा राजनीति के साथ सामाजिक रूप से भी काफी सक्रिय थे। 2010 के चुनावों में भाजपा के टिकट पर चितरंजन शर्मा ने अरवल सीट से जीत हासिल की थी। भाजपा को अरवल सहित मगध के इलाकों में सशक्त करने में उनकी अहम भूमिका रही। अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने अरवल के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण मापदंड स्थापति किए। धार्मिक और सामाजिक रूप से उन्होंने कई सराहनीय भूमिका अदा की। चितरंजन शर्मा के निधन पर उनके परिजनो, निकटस्थों, सियासी साथियों ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की।

पूर्णिया में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर पंप्पू यादव ने अमित शाह को लिखा पत्र

बर्बाद कर दिया। हाथियों द्वारा मचाए जा

रहे उत्पात से हमलोग काफी डरे हुए हैं,

AGENCY PURNIA : पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने पटना उच्च न्यायालय की दूसरी न्यायपीठ (खंडपीठ) को पूर्णिया में स्थापित करने की मांग को लेकर केंद्रीय गह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कोशी-सीमांचल क्षेत्र के लोगों को न्याय दिलाने में आ रही दिक्कतों का जिक्र करते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पप्पू यादव ने अपने पत्र में बताया कि जसवंत सिंह आयोग की सिफारिशों और सुप्रीम कोर्ट के 2000 के फैसले (रिट याचिका संख्या-379) के अनुसार, उच्च न्यायालय की दूसरी न्यायपीठ स्थापित करने के लिए संबंधित उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, राज्य सरकार और राज्यपाल की सहमति जरूरी है। हालांकि, अभी तक पूर्णिया में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है। पप्पू यादव ने पत्र में लिखा कि

पूर्णिया और कोशी-सीमांचल से पटना की दूरी काफी अधिक है। गरीब लोगों के लिए बार-बार पटना आकर केस लड़ना मुश्किल होता है। पटना हाईकोर्ट पर मुकदमों का बोझ भी लगातार बढ़ रहा है, जिससे न्याय में देरी हो रही है।₹ उन्होंने कहा कि पर्णिया को 'दसरा दार्जिलिंग' कहा जाता है और यहां की जलवायु भी



न्यायपीठ स्थापित करना उचित

गौरतलब है कि पप्पू यादव इस मांग को लगातार उठाते रहे हैं। उन्होंने पहले बिहार सरकार के विधि विभाग को पत्र लिखा था, जिसके बाद विभाग ने पटना हाईकोर्ट के निबंधक (प्रशासन) को इस पर कार्रवाई का अनुरोध किया था। इसके अलावा, उन्होंने बिहार के राज्यपाल से भी मुलाकात कर इस मुद्दे पर ज्ञापन

अपने पत्र में पप्पू यादव ने अमित शाह से अनुरोध किया है कि बिहार सरकार को पूर्णिया में न्यायपीठ स्थापित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार के विधि मंत्रालय को भेजने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह कदम कोशी-सीमांचल के लोगों के लिए न्याय सुलभ कराने की दिशा में एक बड़ा

बिहार विधानसभा में उठी लालू यादव को भारत रत्न देने की मांग

प्रस्ताव को सरकार ने सदन में ध्वनि मत से किया खारिज

AGENCY PATNA: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू यादव को भारत रत्न देने की मांग से जुड़े प्रस्ताव को सदन में ध्विन मत से खारिज कर दिया गया। विधानसभा में राजद ने लाल यादव को भारत रत्न देने की मांग उठाई थी। राजद के मुकेश रौशन बुधवार को सदन में प्रस्ताव लाए कि लालू यादव को भारत रत्न देने हेतु बिहार सरकार केंद्र सरकार से सिफारिश करे। उनकी इस सिफारिश

पर संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि प्रति वर्ष पद्म पुरस्कारों के साथ भारत रत्न देने की अनुशंसा की जाती है। लालू यादव को भारत रत्न देने का कोई विचार नहीं है। विजय चौधरी ने मुकेश रौशन से अपना प्रस्ताव वापस लेने का अनुरोध भी किया, जिसे खारिज कर दिया। सदन में स्पष्ट रूप से कहा गया कि लालू यादव को भारत रत्न देने की सिफारिश से जुड़ा कोई प्रस्ताव नीतीश सरकार के पास नहीं है। उनके इस जवाब से सदन में मौजूद राजद के सदस्यों को बड़ा झटका लगा। हालांकि जब मुकेश रौशन ने प्रस्ताव वापस नहीं लिया तो विधानसभा स्पीकर नंद किशोर यादव ने इस मुद्दे पर वोटिंग कराने की घोषणा की। इसके बाद संकल्प को ध्वनि मत से सदन में खारिज

विधायक खेमका ने कहा

पर्णिया बनेगा मखाना का गढ़ PURNIA: विधायक विजय खेमका ने विधानसभा में गैर सरकारी संकल्प के माध्यम से केंद्र सरकार से पूर्णिया में मखाना बोर्ड की स्थापना की मांग की। उन्होंने कहा कि पूर्णिया मखाना उत्पादन का प्रमुख क्षेत्र है और यहां का क्रय-विक्रय तथा मूल्य निर्धारण प्रदेश का सबसे बड़ा बाजार है। साथ ही, भोला पासवान शास्त्री कृषि महाविद्यालय में मखाना अनुसंधान कार्य भी चल रहा है। सरकार ने इस मुद्दे पर विचार करने की बात स्वीकार की। इसके अलावा, विधायक ने जल संसाधन मंत्री से ईस्ट ब्लॉक के लालगंज विक्रमपट्टी कवैया पंचायत में कोसी नदी के कटाव स्थल पर स्थायी समाधान के लिए शीघ्र बोल्डर पिचिंग कार्य कराने की अपील की। विधायक खेमका ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत पूर्णिया नगर निगम में तीस कच्ची सड़कों के निर्माण के लिए बुडको द्वारा टेंडर हो चुका है और इन सड़कों का काम शीघ्र शुरू होगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार में पूर्णिया का हर क्षेत्र विकास

की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

वक्फ संशोधन बिल के विरोध में विपक्ष ने विधानसभा के बाहर किया प्रदर्शन

PATNA: बिहार विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष लगातार सरकार के खिलाफ विरोध प्रदशन कर रहा है। इस क्रम में बुधवार को विपक्ष ने सदन की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व सदन के बाहर हाथों में पोस्टर लेकर जोरदार हंगामा किया। विपक्षी सदस्यों ने आज वक्फ संशोधन बिल के विरोध में प्रदशन और नारेबाजी की। विपक्ष ने सरकार से इस बिल को



तत्काल वापस लेने की मांग की है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने वक्फ संशोधन बिल को काला कानून बताया है। राजद का कहना है पार्लियामेंट में जो वक्फ संशोधन बिल लाया गया है,

इसके माध्यम से पूरे देश को आग लगाने की कोशिश की जा रही है। यह कानून केवल अल्पसंख्यक समाज के लिए ही नहीं, बल्कि भारत के संविधान के मूल आत्मा के खिलाफ है। भारत के संविधान में जो धार्मिक स्वतंत्रता है, उसके खिलाफ यह कानून है। विधानसभा में हम लोगों ने आज कार्य स्थगन प्रस्ताव रखा है। हम लोग मांग करते हैं कि बिहार सरकार इस कानन के खिलाफ सदन में प्रस्ताव लेकर आए। राजद का कहना है कि संविधान में सभी धर्मों के लिए दिये गये समानता का अधिकार के खिलाफ यह कानून है। इसलिए राष्ट्रीय जनता दल और महागढबंधन के तमाम दल इस काले कानन का विरोध कर रहे हैं।

पूर्व जिला परिषद सदस्य बीरबल मंडल का मिला शव, गाड़ी चालक गिरफ्तार

जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दादा टोला वार्ड नं0-04 जगदीशपुर निवासी पूर्व जिला परिषद सदस्य बीरू उर्फ बीरबल मंडल के लापता होने का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। उक्त आशय की जानकारी बधवार को एसएसपी हृदय कांत ने एक प्रेस वार्ता के दौरान दी। एसएसपी ने बताया कि बीते 21 मार्च को जगदीशपुर थाना में दादा टोला, वार्ड नं0-04 जगदीशपुर की रहने वाली बेबी कुमारी के द्वारा अपने पति (बीरू उर्फ बीरबल मंडल) के साथ कुछ अनहोनी होनी की आशंका के संबंध में एक लिखित आवेदन दिया था। इस मामले में जगदीशपुर थाना मामला पंजीकृत किया गया। पुलिस उपाधीक्षक

प्रणाली कहीं न कहीं भारतीय वैदिक

शोध परंपरा से प्रेरित है तथा वर्तमान

समय में भी प्रचलित विभिन्न शोध

प्रणालियों में भारतीय ज्ञान परंपरा की



विधि-व्यवस्था के नेतत्व में कई टीम गठित कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। अनसंधान के क्रम में सूचना के आधार पर बीरबल मंडल के साथ गये ड्राईवर मो० जाहिद को गिरफ्तार किया गया। पछताछ के क्रम में मो॰ जाहिद द्वारा बताया गया कि मैं 16 मार्च की संध्या में स्कॉर्पियो गाड़ी से शिव कुमार मंडल, बीरबल मंडल एवं, शत्रध्न मंडल के साथ आसनसोल होते हुए 17 मार्च को दोपहर करीब 01:00 बजे तारापीठ स्थित होटल सम्राट इन में रात्रि विश्राम के क्रम में खाना के साथ-साथ शराब का भी सभी लोगों ने मिलकर सेवन किया। अत्यधिक शराब के सेवन से बीरबल मंडल की मृत्यु हो गयी। मतक के शव को 18 मार्च को दुमका जिला के रानेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत फेंक दिया गया।

उल्लेखनीय है कि दुमका जिला के रानेश्वर थाना द्वारा 18 मार्च को शव बरामद कर अज्ञात के विरूद्ध मामला पंजीकत कर शव का पहचान न होने के कारण अग्रतर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए शव को दफना दिया

30 बोरा यूरिया खाद के साथ दो नेपाली तस्कर गिरफ्तार

EAST CHAMPARAN: एसएसबी के बरहरवा पोस्ट के जवानों ने बुधवार की अहले सबह गश्त के दौरान रेगनिया गांव के समीप पिलर संख्या 369/06 से पचास मीटर दूरी पर भारत से तस्करी कर नेपाल ले जा रहे तीस बोरा यूरिया खाद और पांच साइकिल के साथ दो नेपाली तस्कर को पकड़ा है। उक्त तस्कर की पहचान नेपाल के सिमरौंनगढ थाना क्षेत्र के डाट गांव निवासी विनोद मुखिया और कृष्णदेव मुखिया,जो दोनों पिता- पुत्र बाप बेटा बताये गये हैएसएसबी जवानो को देख कर मौके से तीन तस्कर भागने में सफल रहे। इसकी जानकारी देते एसएसबी के उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि इन दिनो यूरिया तस्करो की बढ़ी गतिविधियों के मद्देनजर

सीमा पर चौकसी बढा दी गई।

मोतिहारी में ऋण वितरण शिविर का किया गया आयोजन

डीएम ने की उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की में अध्यक्षता बुधवार समाहरणालय स्थित डा.राजेन्द्र प्र.सभागार में उद्योग विभाग द्धारा संचालित पीएमईजीपी, पीएमएफएमई व प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा की गई इस दौरान ऋण वितरण शिविर का भी आयोजन किया गया। समीक्षा के दौरान जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने बताया कि PMEGP योजना में इस वित्तीय वर्ष में कुल 278 लक्ष्य के विरूद्ध 1244 आवेदन विभिन्न बैंको को अग्रसारित किये गये। जिसमें विभिन्न बैंको द्वारा 279 आवेदन स्वीकृत किए गये एवं 164 आवेदको ऋण वितरित किये गये।



में कल 440 लक्ष्य के विरूद्ध 1137 आवेदन विभिन्न बैंको को अग्रसारित किये गये। जिसमें विभिन्न बैंको द्वारा 357 आवेदन स्वीकृत एवं 198 आवेदको को ऋण प्रदान किये गये। पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल

11772 आवेदन जिलास्तरीय समिति द्वारा अग्रसारित किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बैंक के सभी प्रतिनिधियों को निदेश देते कहा कि सभी योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य के विरूद्व शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त

ओम प्रकाश सिंह ने वैदिक शोध परंपरा और भारतीय शोध प्रणाली पर विस्तार से की चर्चा, कहा-

भारतीय वैदिक शोध परंपरा से प्रेरित है वैश्विक शोध प्रणाली

ही झलक दिखाई देती है। उन्होंने

आगमनात्मक एवं निगमनात्मक

शोध में अंतर स्पष्ट करते हुए कहा

EAST CHAMPARAN : महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दस दिवसीय शोध प्रविधि कार्यशाला में आज फील्ड विजिट और सर्वे से संबंधित सत्र का आयोजन किया गया। इसको लेकर सभी प्रतिभागी सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर, अरेराज पहुंचे। पाँचवें दिन के पहले और दूसरे तकनीकी सत्र में महामना मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता केंद्र, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के पूर्व निदेशक ओम प्रकाश सिंह ने वैदिक शोध परंपरा और भारतीय शोध प्रणाली पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि, वैश्विक शोध



भी प्रचलित विभिन्न शोध प्रणालियों में भारतीय ज्ञान परंपरा की ही दिखती है झलक

≫ क्षेत्र में कार्य करने और डाटा संग्रह करने के दौरान आने वाली परेशानियों पर भी की गई चर्चा

अवलोकनों से सामान्यीकरण की ओर बढ़ता है जबिक निगमनात्मक शोध पहले से मौजूद सिद्धांतों या परिकल्पनाओं की जाँच करता है।

उन्होने क्षेत्र में कार्य करने और डेटा संग्रह करने के दौरान आने वाली परेशानियों पर भी चर्चा की। कई बार फील्ड विजिट के दौरान प्रश्नावली भरते समय उत्तरदाता गलत जानकारी भर देते हैं अथवा प्रश्नों को सही से समझे बिना ही उत्तर दे देते हैं। इस स्थिति में शोध के लिए एकत्र किया गया डेटा त्रृटिपूर्ण हो जाता है। उन्होंने बताया कि, व्यावहारिक शोध के लिए आवश्यक मापदंडों का प्रयोग करना अति आवश्यक है।तीसरे तकनीकी सत्र में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो शिरीष मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को डेटा संग्रह करने की आधुनिक तकनीकों के बारे में

मोतिहारी में कल होगा जॉब कैंप का आयोजन

PMFME योजना मे इस वित्तीय वर्ष

EAST CHAMPARAN : जिला नियोजनालय परिसर में आगामी 28 मार्च 2025 को प्रातः 11:00 बजे से एक दिवसीय जॉब कैंप सह कैरियर मार्गदर्शन कैम्प का आयोजन होगा। कैम्प में मिडलैंड माइक्रो फिन लिमिटेड द्वारा फील्ड ऑफिसर के लिए योग्य अभ्यर्थियो का चयन किया जाएगा। इस पद के लिए योग्यता 12वीं पास एवं बाइक चलाने के साथ ड्राइविंग लाइसेंस की अनिवार्यता रखी गई है।साथ ही इसके लिए पुरूष अभ्यर्थियो की आयु सीमा 18-29 वर्ष निर्धारित है। कार्यस्थल बिहार के पूर्वी चंपारण एवं पश्चिमी चंपारण जिला होगा। फ्रेशर के लिए मानदेय 12000 इन-हैंड एवं अनुभवी के लिए 13000 से 18000 तक इन-हैंड

निर्धारित किया गया है।

नौकरी से हटाए जाने की सूचना से मर्माहत बीपीएम ने की खुदकुशी

AGENCY NALANDA : नालंदा जिलान्तर्गत हरनौत प्रखंड के शिक्षा विभाग के बीपीएम मनीष कुमार ने नौकरी से हटाये जाने की खबर से मर्माहत होकर आज बुधवार कि सबह चार मंजिले छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना सें जिले में हडकंप मच गया। घटनाक्रम का खुलासा करते हुए भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य दिलीप कुमार जिला अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद सिंह, मीडिया प्रभारी मुन्ना कुमार पांडे एवं सोशल मीडिया अध्यक्ष उदय शंकर कुशवाहा ने बिहार शरीफ के सदर अस्पताल पहंच कर बताया कि मनीष कुमार बहुत ही अच्छा काम करने वाले पदाधिकारी थे । विगत चार महीना से वेतन नहीं मिलने के कारण और अचानक से सभी बी पी एम को नौकरी से निष्कासन की खबर से वह काफी मर्माहत थे। कल शाम में भी

था वह काफी डिप्रेशन में थे। इसी के कारण उन्होंने छत से कृद कर आत्महत्या कर ली। बताते चलें की नई शिक्षा नीति के तहत सन 2023 में उस समय के अपर मुख्य सचिव के के पाठक ने 3 साल प्लस 2 यानि पांच साल के अनुबंध पर पूरे प्रदेश में बीपीएम, बीआरपी, एमडीएम, बीआरपी, एमटीएस एवं सभी प्रखंडों में दो दो जुनियर इंजीनियर की बहाली ली गई थी लेकिन अचानक से के के पाठक के तबादला हो जाने के बाद नए अपर मुख्य सचिव सिद्धार्थ के द्वारा बिना किसी सूचना के सभी जिलों के शिक्षा विभाग के जिला शिक्षा पदाधिकारी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा यह निर्देश दिए की सभी बहाल पदाधिकारी को 31 मार्च के बाद से बर्खास्त किया

Thursday, 27 March 2025

हमारी आस्तिकता में ही है प्रसन्नता

प्रसन्नता की माप असंभव है। कोई साधारण व्यक्ति अपने घर, परिवार और पेशे से संतुष्ट है। वह गीत गाता मिलेगा। कोई व्यक्ति तमाम साधनों के बावजूद तनाव में है। वह अप्रसन्न दिखाई पड़ेगा। प्रसन्नता मापने का कोई उपकरण नहीं है। इसलिए ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वेल्बीइंग रिसर्च सेंटर की प्रसन्नता मापने की रिपोर्ट को पढ़कर मजा लिया जा सकता है। ऐसी रिपोर्ट्स हर साल जारी होती हैं। ताजा रिपोर्ट में पाकिस्तान को भारत की तलना में ज्यादा प्रसन्न बताया गया है। सबकी खशी अलग-अलग होती है। पाकिस्तान में सेना और आईएसआई सबको खुश रखती है। आतंकवाद का संरक्षण भी पाकिस्तान की खुशी का कारण हो सकता है। प्रसन्न और अप्रसन्न होने का कोई पैमाना नहीं है। प्रसन्नता को मापने के लिए 6 प्रमख आधार बताए गए हैं। पहला सामाजिक सहयोग है। आय, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की अनुपस्थिति भी आधार हैं। ताजा रिपोर्ट में फिनलैंड प्रथम है। डेनमार्क दूसरा है। तीसरा आइसलैंड है। रिपोर्ट में अफगानिस्तान को सबसे बुरा प्रदर्शनकर्ता बताया गया है। 147 देशों की सूची में भारत को 118वां स्थान दिया गया है। वर्ष 2022 में भारत 94वें स्थान पर था। रिपोर्ट की मानें तो भारत नेपाल, चीन जैसे पड़ोसी देशों से भी पीछे है। राष्ट्रीय प्रसन्नता सूचकांक की धारणा 1972 में भूटान से प्रारंभ हुई थी। वैश्विक प्रसन्नता के यह आंकड़े भारतीय परिस्थितियों में उचित नहीं जान पड़ते। भारत सभी क्षेत्रों में प्रतिष्ठित है और राष्ट्र के अभ्युदय के लिए प्रयासरत है। भारत स्वाभाविक रूप में प्रसन्न राष्ट्रीयता है। प्रसन्नता भाव है। निस्संदेह आय आदि उपलब्धियां प्रसन्न होने का अवसर देती हैं। लेकिन, सामान्य जरूरतों के आधार पर परे देश को प्रसन्न या अप्रसन्न नहीं कहा जा सकता। प्रसन्नता आंतरिक सुखानुभूति है। यह कार-बंगला जैसी उपलब्धि नहीं है। प्रसन्नता अस्तित्व की प्रीति का परिणाम होती है। ऋग्वेद में सोम देवता से की गई एक स्तुति में 'मुद मोद प्रमोद' एक साथ मांगे गए हैं। ऋषि कहते हैं, 'उन्हें ऐसे क्षेत्र में रहने का अवसर दें जहां मुद मोद प्रमोद एक साथ हों।' इसी स्तुति में वे जल भरी नदियों की भी प्रार्थना करते हैं और सुंदर राजव्यवस्था की भी। फिर अन्न और दुध की भी स्तुति करते हैं। वे सारी दुनिया की प्रसन्नता चाहते हैं। आवश्यक वस्तुओं का अभाव दुखी करता है। वैसे अभाव भी भाव है। प्रत्यक्ष जगत में अभाव कोई वस्त या पदार्थ नहीं है। किसी वस्तु या पदार्थ का न होना अभाव कहा जाता है। वैशेषिक दर्शन में अभाव को भी एक पदार्थ माना गया है और उसके प्रभाव की चर्चा भी की गई है। सब प्रसन्न रहना चाहते हैं। अभाव दुखी करता है। लेकिन, दुख का अभाव प्रसन्नता कहा जाता है। सुख का कारण दुख का अभाव भी हो सकता है। रिपोर्ट की मानें तो भारत अतिक्षुब्ध अप्रसन्न देश है। प्रसन्नता के अवसर भारत में हैं ही नहीं। वैदिक ऋषि 100 वर्ष की स्वस्थ आयु चाहते थे। उन्होंने 100 वर्ष तक स्वस्थ रहने और प्रसन्न रहने की स्तुतियां की थीं। ईशावास्योपनिषद के पहले मंत्र में ही सतत कर्म करते हुए 100 वर्ष के जीवन की प्रार्थना की गई है। प्रसन्नता के मानकों में स्वतंत्रता भी है। स्वतंत्रता आनंद के अवसर देती है। यहां के संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है और अंतःकरण व आस्था की भी। भारतीय संस्कृति दर्शन में प्रसन्न होना आध्यात्मिक भाव है। गीता में इच्छा शुन्य चित्त दशा को महत्वपूर्ण बताया गया है। तैत्तिरीय उपनिषद में सुख और आनंद की गहन मीमांसा है। यहां आनंद के अनेक भौतिक स्रोत बताए गए हैं। गीत-संगीत और कला भी आनंद के स्रोत हैं। ऐसे स्रोतों का उल्लेख करते हुए ऋषि कहते हैं, कामना शून्य ज्ञानी प्रसन्नता के वाह्य उपकरणों की तुलना में इच्छाशून्यता में सहस्त्रों गुना आनंद पाते हैं। सामृहिक जीवन की महत्ता वैदिक काल से ही है। सामहिकता में प्रसन्नता का प्रसाद होता है। भारत में प्रतिपल उत्सव हैं। तमाम पर्व और त्योहार हैं। तीर्थाटन हैं। उत्सव आनंदधर्म हैं। होली, दीपावली, विजयदशमी, बुद्ध पूर्णिमा, नागपंचमी, रक्षाबंधन जैसे सहस्त्रों उत्सव प्रसन्नता देते हैं। लेकिन यरोपीय, अमेरिकी सरोकारों के चलते यहां भौतिक उपकरणों से प्रसन्न होने की आदत बढ़ रही है। कुछ लोग इसे आधुनिकता कहते हैं। विदेशी सभ्यता का अनुसरण आधुनिकता नहीं है। भारत की आधुनिकता प्राचीनता का ही विस्तार होनी चाहिए। उधर की आधुनिकता नहीं। प्रसन्न राष्ट्रीयता ने ही धरती से लेकर आकाश तक प्रसन्न होने के आलंबन खोजे हैं। हम निदयां देखते हैं। चित्त प्रसन्न हो जाता है। अथर्ववेद के ऋषि को निदयां नाद करते दिखाई सनाई पड़ती हैं। ऋषि नदी से कहते हैं, हे सरिता आप नाद करते हुए बहती हैं। इसलिए आप का नाम नदी है। आकाश में मेघ आते हैं। वे सुंदर लगते हैं। प्रसन्न करते हैं। वर्षा आती है। प्रसन्न रस से भिगो देती है। पेड़ पौधे भी वर्षा से प्रसन्न दिखाई पड़ते हैं। भारत स्वाभाविक रूप में प्रसन्न राष्ट्र है। ज्ञान प्रसन्न करता है। धर्म प्रसन्न करता है। ऋग्वेद के अनुसार राष्ट्र भी प्रसन्न करता है। कर्तव्य पालन में प्रसन्नता है। दुनिया को एक परिवार जानने का राष्ट्रभाव प्रसन्न करता है। इतिहासबोध में राष्ट्रीय गौरव के तमाम अमृत कथानक हैं। वे प्रसन्न करते हैं। जीवन के लिए मुलभूत आवश्यकताएं भी अनिवार्य होती हैं। वे कभी-कभी दख देती हैं। लेकिन, इनका अर्जन भी प्रसन्न राष्ट्रीयता के द्वारा ही होता है। परिवार प्रसन्न करता है। सुयोग्य पुत्र प्रसन्न करते हैं। विवाह प्रसन्न करता है। विवाह का अनुष्ठान बारात है। बारात प्रसन्न करती है। पिता का संरक्षण प्रसन्न करता है। पुत्र की प्रसन्नता प्रसन्न करती है।

बिहार के चुनाव में विकास कब तक बनेगा मुद्दा

ANALYSIS



नीतीश कुमार भी भाजपा से उपकृत हैं। 2020 के चुनाव में ज्यादा सीटें लड़ने के बावजूद जनता दल (यू) को भाजपा से काफी कम सीटें मिलीं। भाजपा ने बड़ा दिल दिखाते और चुनावी वादे के अनुरूप नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाया था। 243 सीटों वाली विधानसभा में जद (यू 115 सीटें लड़ कर 43 सीटें जीती, जबिक भाजपा 110 सीटें लड़कर 74 सीटें जीती। सवाल यह इस बार के लिए महत्वपूर्ण है कि राजग के घटकों में कौन कितनी सीटें पाएगा और क्या ज्यादा सीटें लाकर भी भाजपा फिर से नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाएगी। यह तो तय ही है कि पिछली बार की तरह इस बार भी मुख्य मुकाबला भाजपा, जद (यू), चिराग पासवान की पार्टी लोजपा और जीतन राम मांझी की पार्टी हम आदि राजग के दलों और लालू यादव के पत्र तेजस्वी यादव की राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और महागठबंधन के दलों के बीच ही होना है। सीटों और तालमेल का जितना विवाद राजग में होने की आशंका है, उससे कई गुना विवाद महागढबंधन में होता दिख रहा है। अभी तो जिस तरह की पैंतरेबाजी राजद और कांग्रेस में चल रही है, उससे तो साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव में महागढबंधन के वजूद पर ही सवाल उटने लगे हैं। 2020 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा हैसियत में काफी बदलाव आया।

ल्ली के बाद बिहार चुनावी अखाड़ा बन गया है। लोकसभा चनाव के बाद पहले हरियाणा, महाराष्ट्र और फरवरी में दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा के हौसले बुलंद हैं। बावजूद इसके, भाजपा बिहार में फिर से मौजूदा मुख्यमंत्री और जनता दल (यू) के नेता नीतीश कमार को ही मख्यमंत्री का चेहरा बनाकर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। भाजपा ने बिहार में छोटे-छोटे दलों के साथ चुनाव लड़कर देख लिया है। उसे अच्छी सफलता जद (यू) के साथ लड़ने पर ही मिली। दसरा बिहार के जातीय समीकरण में भाजपा को इस गठबंधन के साथ यानी राजग (राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन) के नाम से चुनाव लड़ने में राजनीतिक लाभ भी दिख रहा है। नीतीश कुमार भी भाजपा से उपकृत हैं। 2020 के चुनाव में ज्यादा सीटें लड़ने के बावजूद जनता दल (यू) को भाजपा से काफी कम सीटें मिलीं। भाजपा ने बड़ा दिल दिखाते और चुनावी वादे के अनुरूप नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाया था। 243 सीटों वाली विधानसभा में जद (य) 115 सीटें लड कर 43 सीटें जीती, जबिक भाजपा 110 सीटें लड़कर 74 सीटें जीती। सवाल यह इस बार के लिए महत्वपर्ण है कि राजग के घटकों में कौन कितनी सीटें पाएगा और क्या ज्यादा सीटें लाकर भी भाजपा फिर से नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाएगी। यह तो तय ही है कि पिछली बार की तरह इस बार भी मुख्य मुकाबला भाजपा, जद (यू), चिराग पासवान की पार्टी लोजपा और जीतन राम मांझी की पार्टी हम आदि राजग के दलों और लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव की राष्टीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और महागठबंधन के दलों के बीच ही होना है। सीटों और तालमेल का जितना विवाद राजग में होने की आशंका है, उससे कई गुना विवाद महागठबंधन में होता दिख रहा है। अभी तो जिस तरह की पैंतरेबाजी राजद और कांग्रेस में चल रही है, उससे तो साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के वजुद पर ही सवाल उठने लगे हैं। 2020 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में बिहार में इन दलों की हैसियत में काफी बदलाव आया।



सत्ता में न आ पाने के बावजूद विधानसभा चुनाव में राजद को सबसे ज्यादा 75 सीटें मिली थी। लोकसभा चुनाव में राजग को 40 में से 30 सीटें मिलीं। उस चुनाव में भी महागठबंधन के दोनों बड़े दलों में तनातानी खूब हुई थी। राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव के लिए लालू यादव पूर्णिया की सीट छोड़ने को तैयार नहीं हुए। विपरीत परिस्थियों में पप्पू यादव ने बतौर बागी उम्मीदवार लड़कर वह सीट जीत ली। वे पहले भी काफी समय से लाल यादव और उनके लोगों के खिलाफ बोलते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद तो वे खुलकर खिलाफ बोलने लगे हैं। दोनों दलों में विवाद का दसरा नाम जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार का है। वे भाकपा की छात्र शाखा एआईएसएफ से भाकपा में आकर 2019 का लोकसभा चुनाव बिहार के बेगुसराय से लड़े। कहते हैं कि तब ही कांग्रेस नेता राहल गांधी उन्हें अपनी पार्टी से उसी सीट से लड़ाना चाहती थे। उस चुनाव में कन्हैया कुमार को सफलता नहीं मिली। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस में शामिल होने पर कांग्रेस उन्हें बिहार से चुनाव लड़वाना चाहती थी, लेकिन लालू यादव के विरोध के चलते उन्हें दिल्ली उत्तर पूर्व सीट से चुनाव लड़वाया गया। उन्हें इस बार भी सफलता नहीं मिली। बावजूद इसके, उन्हें दिल्ली विधानसभा चुनाव में सक्रियता से कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार किया। उसके तुरंत बाद उन्हें बिहार में सिक्रिय किया गया। वे एनएसयुआई की राज से उलट उनकी छवि सुशासन बाबू की

पलायन रोको और नौकरी दो पदयात्रा की अगुवाई कर रहे हैं। चुनाव की तैयारी शुरू करते ही कांग्रेस ने दलित विधायक राजेश कुमार को प्रदेश की बागडोर सौंपी है। कहा जाता है कि लालू यादव अपने गठबंधन में ऐसा कोई नेता स्वीकारने को तैयार नहीं हैं, जो मुख्यमंत्री के लिए उनके पुत्र तेजस्वी यादव की दावेदारी को चुनौती दे। वैसे तो देशभर के चुनाव में ही जातीय समीकरण प्रभावी रहता है, लेकिन बिहार तो जातिवाद और जाति के हिसाब से राजनीति के लिए शुरू से ही बदनाम रहा है। संख्या बल के हिसाब से ऊंची कहे जाने वाली (सवर्ण) जातियों की संख्या कम है, इसलिए हर दल को फोकस पिछड़ी जाति, दलित और अल्पसंख्यक हैं। माना जाता है कि भाजपा के खिलाफ ही अल्पसंख्यक (मुस्लिम) वोट डलते हैं, लेकिन भाजपा के साथ चुनाव लड़ने पर भी उसके सहयोगी दलों को अल्पसंख्यकों के एक वर्ग का वोट मिल जाता है। यह भी माना ही जा रहा है कि करीब 20 साल मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे नीतीश कुमार का यह आखिरी चुनाव है। वे खुद एक मजबूत पिछड़ी जाति से आते हैं। इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने पर उन पर एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। तमाम विरोध के बावजूद उनके शराबबंदी के फैसले का बड़ी तादाद में गरीब महिलाओं का समर्थन आज भी उन्हें मिलता है। उनकी लगातार होती जीत का एक आधार महिलाएं हैं। लालू यादव के जंगल

बनी हुई है। कई उल्लेखनीय काम उनके खाते में हैं, लेकिन वे बिहार को विकास की दौड़ में शामिल करने में पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए। न ही पलायन रुका और न ही बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए। केंद्र सरकार के सहयोग से हर गांव सड़क से जुड़ा। हर गांव में बिजली पहुंची। कई और केंद्रीय योजनाओं का लाभ बिहार के लोगों को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लाभ इस गठबंधन और खास करके भाजपा को होगा ही। अगर सीटों पर विवाद नहीं हुआ तो इस गठबंधन की राह ज्यादा कठिन नहीं है। नीतीश कुमार सरकार के राजगीर, नालंदा में हुए काम मील के पत्थर साबित हो रहे हैं। उम्र बढ़ने का उन पर हो रहे असर से उन्हें और उनकी सरकार को नुकसान हो रहा है। उनके हाल के कुछ बयान विवादास्पद रहे हैं। यह भी सत्य है कि शराबबंदी से राज्य के राजस्व का काफी नुकसान हुआ है और बड़ी मात्रा में बिहार में शराब की तस्करी हो रही है। अभी हाल ही में एक जाति विशेष के गुंडों ने अलग-अलग स्थानों पर दो एएसआई की हत्या कर दी। कई और बड़े अपराध हुए। बावजूद इसके, जिस बिहार ने लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी का जंगल राज भोगा है, वे कानून व्यवस्था के नाम पर लालू यादव की पार्टी का साथ नहीं दे सकते। बिहार चुनाव में जातिवाद प्रभावी होता है, इसलिए यादव बिरादरी का भरपूर समर्थन राजद को मिलेगा ही। उसी तरह कर्मी वोटों का बडा हिस्सा जनतादल (य) का माना जाता है। बाकी पिछड़ी जातियों को अपने पक्ष में लाने की होड़ सभी दलों में लगी है। भाजपा ने पहले एक मजबूत पिछड़ी जाति के नेता सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री बनाया, अब दूसरी पिछड़ी जाति के दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है। वैसे पढे-लिखे कद्दावर नेता सुशील कुमार मोदी के निधन के बाद उन जैसा दूसरे कदावर नेता की भाजपा को तलाश है। राजग के एक घटक के नेता उपेंद्र कुशवाहा भी अपनी बिरादरी में बड़ी दखल रखते हैं। दलित वोटों के दावेदार दोनों ही गठबंधनों में हैं। भाजपा और जद (यू) को दलितों के एक वर्ग का समर्थन मिलता ही रहा है।

न्यायपालिका के गले पड़े अधजले नोट

ल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आवास पर लगी आग बुझाने के दौरान नोट जलने की घटना का जो वीडियो सप्रीम कोर्ट की ओर से सार्वजनिक किया गया, उसमें एक दमकल कर्मी को यह कहते हए सना जा सकता है, महात्मा गांधी नगर में आग लग गई भाई। सच यह है कि आग न्यायपालिका के प्रति भरोसे को लगी, क्योंकि इस घटना से यह धारणा प्रबल हुई है कि न्याय बिकता है। यह अभी सामने आना शेष है कि इस मामले का सच क्या है, क्योंकि जस्टिस यशवंत वर्मा अपने को निर्दोष बता रहे हैं और खुद को फंसाए जाने की साजिश की ओर संकेत कर रहे हैं। जस्टिस वर्मा के घर आग लगने के दौरान अधजले नोट मिलने का मामला होली की रात यानी 14 मार्च का है। 21 मार्च को यह खबर आई कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजने का फैसला

इस प्रस्तावित फैसले का नकदी कांड से कोई लेना-देना नहीं। यदि वाकई ऐसा था, तो फिर उस पर विचार हुआ ही क्यों। इस अनुत्तरित प्रश्न के बीच सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की ओर से कराई गई प्रारंभिक जांच जस्टिस वर्मा के घर लगी आग बुझाने के समय के वीडियो और फोटो थे। फिर यह खबर आई कि जस्टिस वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट में न्यायिक काम देने से रोक दिया गया है। इसके बाद उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजे जाने की खबर आई। जस्टिस इसके पहले न्यायाधीश थे। यदि जस्टिस वर्मा इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजे जाते हैं तो वरिष्ठता क्रम में उनका नंबर नौवां होगा। दिल्ली हाईकोर्ट में

है। यदि उनका आचरण संदेह से परे है तो उनकी पदावनति क्यों और यदि संदेह से भरा है तो केवल इलाहाबाद हाईकोर्ट में वापसी क्यों। ऐसे सवालों के बीच जजों की एक तीन सदस्यीय समिति ने नकद कांड की जांच शुरू कर दी है, लेकिन उसे कोई समयसीमा नहीं दी गई है। यह आशा तो है कि जांच जल्द होगी और दुध का दुध सार्वजनिक कर दी। इसी में और पानी का पानी होगा. लेकिन इसके प्रति सुनिश्चित इसलिए नहीं हुआ जा सकता, क्योंकि अतीत के ऐसे मामलों का अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे जजों को दंडित करने में कभी कोई उत्साह नहीं दिखाया। अगस्त 2008 में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की जज निर्मलजीत कौर के घर 15 लाख रुपये देने गए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ में पता चला कि यह पैसा तो जज निर्मलजीत के

इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई। उसने मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की सिफारिश की। सीबीआई ने जब जज के खिलाफ मामला चलाने की अनुमति मांगी तो वह उसे नहीं मिली। इसके बाद जब उसकी क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दिया गया तो 2011 में उसने फिर मुकदमा चलाने की अनमति मांगी। इस बार उसे अनुमति मिल गई, लेकिन इस मामले का निस्तारण अब तक नहीं हो सका है। एक अन्य मामला दिल्ली हाईकोर्ट के जज शमित मुखर्जी का है। 2003 में उन पर एक बिल्डर से पैसा लेकर उसके पक्ष में फैसला देने का आरोप लगा। उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार किया, लेकिन इस मामले का भी निस्तारण अब तक नहीं हो सका है। ऐसे अनेक मामले हैं और वे यही बताते हैं कि यदि भ्रष्टाचार के

आरोपों से घिरा कोई जज स्वतः इस्तीफा न दे तो उसे हटाना बहुत मुश्किल है। इसका पता इससे चलता है कि आज तक उच्चतर न्यायपालिका के किसी भी जज को महाभियोग के जरिये नहीं हटाया जा सका है। चंकि उच्चतर न्यायपालिका के जजों को संरक्षण प्रदान किया गया है, इसलिए पुलिस अपने स्तर पर उनके खिलाफ किसी मामले में जांच नहीं कर सकती। यह उचित ही है. लेकिन इसके नाम पर ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे किसी जज की जांच और उसे दंडित करना दुरूह हो जाए। यह तब तक दुरूह बना रहेगा, जब तक जज ही जजों की नियुक्ति, पदोन्नति, स्थानांतरण के साथ यह तय करते रहेंगे कि गंभीर आरोपों से घिरे किसी जज के खिलाफ जांच हो या नहीं अथवा उससे इस्तीफा मांगना है या नहीं। यह स्थिति उस कोलेजियम व्यवस्था के चलते हैं, जिसका संविधान

में कोई उल्लेख नहीं और जो अन्य किसी प्रतिष्ठित लोकतंत्र में नहीं दिखती। 2014 में इस कोलेजियम के स्थान पर सभी दलों की सहमति से संविधान संशोधन करके राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग गठित करने की पहल की गई, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उसे असंवैधानिक करार दिया। हो सकता है कि इस आयोग में कोई खामी रही हो, लेकिन आखिर उसे दुर करने के बजाय परी प्रक्रिया को ही क्यों खारिज किया गया। कोलेजियम व्यवस्था के चलते उच्चतर न्यायपालिका के जज एक ऐसे समूह का हिस्सा बन गए हैं, जिसके कामकाज में सरकार की कोई भूमिका नहीं। बात-बात पर जवाबदेही और पारदर्शिता की जरूरत जताने वाले जज किस तरह खुद इससे बचना चाहते हैं, इसका एक उदाहरण यह है कि उन्होंने यह तय कर लिया कि उनके लिए अपनी संपत्ति की घोषणा करना

Social Media Corner

सच के हक में.

आंगनबाड़ी सेविकाओं और महिला पर्यवेक्षिकाओं को स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम में शामिल हुआ। आपसे किया हुआ वादा आज निभाया गया है। आज आपको स्मार्टफोन मिला है। वैसे आप में से बहुत लोगों के पास पहले से ही स्मार्टफोन होगा। सरकार की ओर से आज आधिकारिक रूप से आपको स्मार्टफोन दिया गया है। बदलते समय में जरूरी है कि आप भी तकनीकी रूप से दक्ष हो। इससे आपके केंद्र में चल रही गतिविधियों को रियल टाइम अपडेट करने में आपको बहुत मदद मिलेगी साथ ही मॉनिटरिंग में भी यह आपकी सहायता करेगा।

हजारीबाग में मंगला जुलूस पर हमला घोर निंदनीय और अस्वीकार्य है। इस हमले की सीधी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की है। हेमंत जी के पास खुद गृह विभाग का प्रभार है। या तो हेमंत जी की मूक सहमति से ये घटनाएं हो रही हैं या फिर वे प्रदेश की कानून व्यवस्था संभालने में पूरी तरह अक्षम हो चुके हैं।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

पुलिस-प्रशासन हिंदुओं को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है। त्योहारों के दौरान बढती हिंसा भविष्य के लिए खतरनाक संकेत दे रही है। झारखंड में अब तालिबानी शासन स्थापित हो गया है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

वह तीसरे नंबर पर थे। स्पष्ट है फिर उथलपुथल के दौर में नेपाल

हीनों देश भ्रमण के बाद गत दिनों जब में 14 सदस्य हैं। पिछला चुनाव ओली की पार्टी Մ नेपाल नरेश ज्ञानेंद्र शाह त्रिभुवन एयरपोर्ट पर पहुंचे तो वहां बड़ी संख्या में नेपालवासियों ने उनका स्वागत किया और राजशाही की वापसी के नारे लगाए। इससे माहौल गंभीर एवं रोमांचित हो उठा। लगभग तीन किलोमीटर लंबे जुलूस के साथ ज्ञानेंद्र अपने निजी आवास पहुंचे। प्रधानमंत्री केपी ओली के विरुद्ध उनके समर्थक जमकर नारेबाजी कर रहे थे। कुछ दिन पूर्व ही ओली ने ज्ञानेंद्र को सीधे चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण रहा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आदमकद चित्र लिए युवाओं का नारा लगाना। इसके चलते वहां के राजनीतिक दलों में घमासान मचा है। हालांकि योगी आदित्यनाथ के नाम पर वहां ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। मई 2008 में जब योगी आदित्यनाथ ने काठमांडू में राजशाही और ज्ञानेंद्र के समर्थन में एकजुटता का प्रदर्शन किया था, तब उनकी यह घोषणा भी काफी चर्चा में रही थी कि वह लाखों समर्थकों के साथ पुनः नेपाल आकर ज्ञानेंद्र के हाथ मजबूत करेंगे। ओली समर्थक इसे नेपाल के आंतरिक मामलों में विदेशी दखल मानकर निंदा में जुटे हैं। वहीं राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) इसे अनावश्यक बताकर योगी पोस्टर से पल्ला झाड़ती दिख रही है। आरपीपी के नेपाली संसद

एमाले ने आरपीपी के साथ लड़ा था। यह सत्य है कि राज परिवार और गोरखपुर के गोरखनाथ मठ के बीच बहुत गहरे और सदियों पुराने संबंध हैं, जिसके प्रमुख योगी आदित्यनाथ हैं। माना जाता है कि शाह राजवंश को गुरु गोरखनाथ का आशीर्वाद प्राप्त है। गोरखनाथ, शाह राजवंश के प्रमुख देवता हैं और जब नेपाल में राजशाही थी, तब भी वह नेपाल के प्रमुख देवता थे। गोरखनाथ मठ प्रमुख लंबे समय से नेपाल के मठों और मंदिरों में जाते रहे हैं। ज्ञानेंद्र ने पिछले महीने लखनऊ और गोरखपुर में योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। यद्यपि ज्ञानेंद्र के एक सहयोगी ने इसका खंडन किया कि इन मुलाकातों को राजनीति से जोड़कर देखना चाहिए। राजनीतिक पद पर होना और धार्मिक मठ की अध्यक्षता करना अलग-अलग बातें हैं। नेपाल में राजशाही का इतिहास पुराना है। नेपाल में इसके विरुद्ध समय-समय पर आवाजें उठती रहीं और जन आंदोलन भी होते रहे। नेपाल में लोकतंत्र के पक्ष में मजबूती तब आई, जब 1951 में 104 साल पुरानी राणाशाही का अंत हुआ और नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनी। 1955 में महाराजा त्रिभुवन की मृत्यु के बाद राजा महेंद्र का राजतिलक हुआ और 1959 में संविधान लागू किया गया तथा आम चुनाव हुए। चुनाव में नेपाली कांग्रेस को बहुमत मिला, लेकिन राजवंश को लोकतांत्रिक व्यवस्था पसंद नहीं थी, इसलिए राजा महेंद्र ने सभी राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगा दिए। संसद एवं संविधान भंग कर दिए गए और दल विहीन पंचायत प्रणाली शुरू की गई। लंबे समय तक ऐसी उठापटक से जूझते हुए नेपाल में 2008 में आखिर राजशाही की आधिकारिक तौर पर समाप्ति हुई। नेपाली कांग्रेस से आगे बढ़कर माओवादी संगठन सक्रिय होकर अग्रणी भूमिका में आ गए। नेपाली कांग्रेस कई गुटों में बंटकर बिखर गई। 2008 के आम चुनावों के बाद माओवादी नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड नेपाल के पहले प्रधानमंत्री बने। प्रचंड प्रधानमंत्री बनते ही कई गलत निर्णयों के शिकार हो गए। पहली गलती उन्होंने वीपी कोइराला को राष्ट्रपति न बनाकर की। मिलीजुली सरकार में वह सबसे अनुभवी राजनेता थे। उसके बाद उन्होंने सेना प्रमुख को पहले ही दिन बर्खास्त कर दिया। सिविल सोसाइटी को यह अच्छा नहीं लगा। परंपरा रही है कि नेपाल में सत्ता परिवर्तन के बाद राष्ट्र प्रमुख का पहला दौरा भारत का होता रहा है। प्रचंड ने इस परंपरा को तोड़कर चीन के शंघाई शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेना ज्यादा उचित समझा। फिर माओवादियों समेत कई संगठन भारत-नेपाल संधि पर ही सवाल उठाकर भारत विरोधी मुहिम का हिस्सा बनने लगे।

सत्य और पारदर्शिता

तीन जजों की समिति से आंतरिक जांच का आदेश देकर भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने पारदर्शिता के तत्व का स्वागतयोग्य प्रदर्शन किया है और इन अटकलों पर विराम लगा दिया है कि यह संस्था संवैधानिक अदालतों के जजों के बीच जवाबदेही के मुद्दों पर निर्णायक ढंग से कार्रवाई नहीं कर सकती। दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास में अगलगी के दौरान जले हुए करेंसी नोट मिलने के आरोपों के मद्देनजर अभी तक जो कार्रवाई की गई है, वह बहुमुखी है। दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीके उपाध्याय से प्रारंभिक रिपोर्ट, साथ ही संबंधित जज का जवाब प्राप्त किया गया। न्यायमूर्ति वर्मा को न्यायिक कार्य आवंटित नहीं करने का निर्णय लिया गया है। उन्हें उनके मूल हाईकोर्ट, इलाहाबाद हाईकोर्ट, वापस भेजने का प्रस्ताव पहले ही शुरू किया जा चुका था। यह जांच पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट और हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों तथा कर्नाटक हाईकोर्ट के एक जज द्वारा की जाएगी। यह साफ है कि सीजेआई इस मुद्दे की तह तक जाना चाहते हैं। बावजूद इसके, कि न्यायमूर्ति वर्मा ने नकद से अपना कोई लेना-देना होने की बात से स्पष्ट रूप से इनकार किया है और दावा किया है कि यह असंभव है कि कोई व्यक्ति लगभग इस्तेमाल से बाहर, बिना ताले के ऐसे आउटहाउस स्टोर रूम में इतनी बड़ी मात्रा में नकद रखेगा, जिसमें आगे व पीछे के दरवाजों से घुसा जा सकता है और जहां आवासीय व सरकारी स्टाफ आते-जाते रहते हैं। जले हुए नोटों की गड्डियों वाली तस्वीरें व वीडियो क्लिप, साथ ही न्यायमूर्ति उपाध्याय की रिपोर्ट तथा न्यायमूर्ति वर्मा का जवाब सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर पोस्ट करके इस संस्था ने दुर्लभ पारदर्शिता दिखाई है। यह शुभ संकेत है, क्योंकि अब यह यकीन करने का कारण है कि आंतरिक जांच के निष्कर्ष भी सार्वजनिक किए जा सकते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

IITs, mindfulness & mirage of mental health

THE IIT-Kanpur has recently collaborated with The Art of Living Foundation to establish a wellness programme. The foundation, as it is reported, has agreed to conduct a series of specialist sessions incorporating breathing exercises, mindfulness practices and meditation. And this is to improve the 'mental resilience, and stress management capabilities' of young students.

I understand why the IIT authorities are deeply concerned about the mental health of their students. A recent RTI query has revealed that in the past five years, 37 students died by suicide across 11 of the 23 IITs. It is, therefore, not surprising that even the IIT-Guwahati has announced a series of healing practices —say, counselling sessions, morning walks with faculty members and 'stress-escape' workshops. However, as a keen observer of the contemporary educational landscape in India, I have no hesitation in saying that a set of discrete counselling sessions, breathing exercises and mindfulness practices are inadequate to cope with the heightened psychic anxiety and existential anguish of these young minds who are trapped in a 'war zone' characterised by the life-killing virus of hyper-competitiveness and social Darwinism.

The problem is not just one's 'disturbed' self; the problem is the very structure of society — its scarcity of resources and unevenness, or the reduction of education into an ideology of meritocracy: a rat race for achieving what technocapitalists regard as 'success'. You cannot dissociate your 'disturbed' self from the neurosis of the larger society. Think of the three reasons why mental stress or loneliness is inherent in the very logic of the IIT phenomenon. First, if you really keep your eyes open, you realise that the very process of getting admission into one of the IITs is inherently tension-ridden. It is not like walking with a great teacher and exploring the domains of science and mathematics with heightened intellectual zeal and curiosity.

Instead, from the tyranny of coaching centres to the never-ending mock tests: there is no creative ecstasy or joy in this journey. By the time the 'lucky' ones pass through the obstacles — from JEE Main to JEE Advanced, many of them are already psychologically wounded and spiritually impoverished. Second, it is wrong to believe that life is really 'settled', and everything becomes rosy when one joins one of the IITs. There is no end to the stress inherent in the hyper-competitive academic culture. The craving for good grades, the pressure to learn the ever-changing 'skills' the market demands and the constant anxiety over the ultimate destiny — say, appropriate placement and salary package, create a social milieu in which there is no friendship, no creative ecstasy. Everyone is a solitary, egotistic warrior!

And third, as the IITs are over-hyped in a society in which most of our colleges and universities have been systematically devalued or destroyed, it becomes exceedingly difficult for an IITian to escape the public gaze. We begin to see an IITian as a mythical product: a super-intelligent technologist achieving everything we love to mythologise as 'success': a lucrative job, a high position in a techno-corporate enterprise, frequent foreign trips and ceaseless social and economic mobility!In fact, in our society madly obsessed with 'success stories', if you are an IITian, it is quite unlikely that people — including your parents will see you as just human; you have to continually prove your 'superhuman' qualities. Your 'ordinariness', it seems, is your sin! Indeed, this impossible expectation tends to dehumanise many of them. It is, therefore, obvious that if we do not address these issues, we cannot bring sanity among these young, lonely, tension-ridden competitors simply by asking them to meditate, do breathing exercises and practice mindfulness. Even if it gives some sort of temporary relief — a 'feel good' moment, no fundamental change is likely to take place in their life-trajectories.

Trump putting US soft power in jeopardy

The government must mainstream natural, organic and regenerative farming to realise food and ecological security.

In the 1990s, the New York Times carried a report about a Chinese delegation touring Broadway in New York. The visitors' goal was to learn how that fabled theatre district worked and how it could be reproduced in Shanghai or Beijing. The Chinese understood well that US power was not just in its military, but also in its vibrant culture.

The hallmark of power is the ability of a country to shape the policies of others. This can be through hard power military and financial — but it is often more easily done through soft power, the attraction and persuasion you are able to exert because of your culture, values and ideology. For four years after World War II, the US had a monopoly of nuclear weapons. These were the years in which it launched the Marshall Plan to revive Europe and created the NATO military alliance to cement its global authority. But it also helped create the United Nations, the World Bank, the International Monetary Fund, the World Health Organisation, the General Agreement on Trade and Tariffs to provide global governance to deliver public goods in the areas of development finance, health and trade. These became instruments of US soft power along with the steadily rising American prosperity that supercharged its cultural appeal around the world. The shutdown of USAID, America's principal aid-giving agency, has brought out just how dramatically the Trump administration plans to gut the ways in which US has exercised power around the world so far.

USAID was the largest donor of official development assistance in the world. The \$70 billion it provided annually was spread out among countries where it had strategic interests, such as Ukraine, Jordan and Palestine, and where it provided humanitarian assistance — Sudan, Yemen, South Sudan, Afghanistan and so on. Tempering hard power with soft has been an established strategy of the US that other countries, including India, have sought to follow. In the 1950s and 1960s, USAID played a significant role in helping India's development goals in the fields of health, agriculture, food and education. But this was a clever means of deflecting Indian unhappiness arising out of its policy of arming Pakistan.

American soft power exerted itself not only through the dollars and cents of its foreign aid funding commitments, but through four main pillars. First, the cultural influence of its entertainment and media industries and its education system that led the world in innovation and technology. The second was the political example of its commitment to democracy, equality and human rights, as well as its vibrant civil society. The third was the power and perceptions it derived from the policies of the institutions it helped create — the UN, World Bank and so on. The fourth, its dynamic consumer-oriented economy ensured that the US has retained its status as the



largest economy in the world since WWII.

These exerted a pull among students and researchers, businessmen looking for opportunity, artistes and performers as well as workers who flocked to the US in ever larger numbers, through legal or illegal means. Around the world, the US was admired for its democratic system, its prosperity and technological leadership. Its culture and fashions were widely imitated and there was a perception that its policies contained a dash of altruism absent from those of other big powers. Today, all this is being turned inside out. The 'America First' policy of the Trump administration seeks to put US interests ahead of everything else. The US President's attempt to overturn the verdict of the 2020 elections or attack the vaunted judicial system has hit important institutions of democracy. Under attack within the US are universities, research institutions, charities, the media and even the Church — all of whom are being asked to conform to the demands of the MAGA (Make America Great Again) alleged transgressions undermines the intellectual freedom that has characterised American culture. Besides undocumented aliens, the Trump administration is making life difficult for foreigners in general, visa holders, tourists, permanent resident or Green Card

holders. These actions strike at the very heart of American soft power. Around the world, American soft power has been envied. Today, Shanghai and Beijing have Broadway-like theatre districts. Besides culture, China has reached out to foreign countries to promote Chinese language through Confucius institutes and scholarships to attract students, another hallmark of soft power. India is another country that uses a mix of soft and hard power to navigate complex foreign policy challenges. This country is a major destination for foreign students. It is easy to claim that soft power can be given short shrift in our hyper-realist era. But the reality is that hard power by itself cannot achieve what a combination of hard and soft power, or "smart power" can do. Else, China or Russia would be seen as the more desirable countries in the world. Instead, whether it is the rich countries, or middle-income ones, the US is the more preferred option, as it has been for millions of migrants seeking to improve their lives.

movement. Trump's threat to defund universities for Despite Trump, the US is likely to retain its primacy around the world — through its films, music and technology. But by undermining trust among allies and altering the global perception of US values and goals, the MAGA policy is bound to damage America's global image and diminish its long-term influence.

Anti-dumping duties

Long-term plan against cheap imports needed

domestic industries from unfair trade practices.

India's imposition of anti-dumping duties on five Chinese imports marks yet another chapter in its long- While such measures risk inflating costs for domestic running trade friction with Beijing. With a ballooning trade deficit of \$85 billion in 2023-24, New Delhi has once again signalled its intent to safeguard domestic manufacturers from predatory pricing by Chinese exporters. The Directorate General of Trade Remedies (DGTR) recommended these duties on Soft Ferrite Cores, vacuum insulated flasks, aluminium foil, trichloro isocyanuric acid and poly vinyl chloride (PVC) paste resin. These products were allegedly being dumped at artificially low prices. This move is not unprecedented. Farlier this month, the DGTR recommended a 12 per cent provisional safeguard duty for 200 days on certain steel products to protect domestic players from a surge in imports. As of January 28, 2019, India had imposed anti-dumping duties on 99 Chinese products, including chemicals, petrochemicals, fibres, yarn, machinery items,

pharmaceuticals, rubber and steel items, to protect its

consumers, anti-dumping duties are permissible under

the World Trade Organisation (WTO) framework. Article 6 of the General Agreement on Tariffs and Trade (GATT) allows countries to counteract dumping

to ensure fair competition. Thus, India is well within its rights to take corrective measures. However, anti-dumping duties are only a temporary fix. Chinese exporters often find ways to circumvent such restrictions by rerouting shipments through third countries. Indian industries must use this protective window to boost their competitiveness rather than rely indefinitely on trade barriers. A more sustainable approach requires deeper reforms — enhanced domestic production capacities, technology upgradation and a focussed strategy to reduce dependence on Chinese imports. As the India-China trade imbalance continues to widen, policymakers must balance protectionist measures with long-term industrial self-

sufficiency.

Rohingyas in camps and the politics of votebank

The BJP today has gained deep roots into the anti-Muslim consolidation and the Rohingya is the cheapest collateral.

And we are here as on a darkling plain / Swept with confused alarms of struggle and flight,/ Where ignorant armies clash by night. —Matthew Arnold, Dover Beach

The preceding lines are even more telling. The poet despairs that a world that ought to have been a "land of dreams" has "neither joy, nor love, nor light,/Nor certitude, nor peace, nor help for pain."This is true about any place in the world today where the authoritarian regimes' playbook has stripped language of all verity and normalised fear. But let us look in the back lanes of our capital, Delhi, that is now governed by the BJP and a parallel LG office of the same hue. Both the power centres are competing hard to please the masters in polarising the political vocabulary by identifying the 'other'. What better alibi than the Rohingya to turn to?

Even the initial 'outrage', if any, has dissipated over the persistent state of harassment on Rohingya refugees living in Delhi's Madanpur Khadar, Shram Vihar, Khajoori Khas and Vikaspuri.Soon after the formation of the new government and following Union Home Minister's review of Delhi's security calling out Rohingyas and Bangladeshis as a threat to national security, on February 24, a large number of police vehicles arrived in Madanpur to round up women, children and the elderly.

The Rohingyas have been living on the edge for years, but this time, the fear and intimidation brought back memories of the genocide back home. They were taken to police stations for biometric verification and threatened to not resume any work or face deportation. In the continuing crackdown, some have reportedly been forced to sign documents in languages they don't understand. Many have been taken to undisclosed locations without legal representation. It is safe to conclude that the actions of the authorities violate international human rights.

The last time I visited the Madanpur camp, there were approximately 36 Rohingya families living in extremely poor conditions. The other families have moved to rented accommodation, though now there is pressure on their landowners to vacate them. Despite possessing valid UNHCR cards that give them refugee status, their settlements have been repeatedly attacked, gutted and demolished. They have no access to any sanitation facilities and their power connection is often

suspended. They are denied Aadhaar cards or access to formal work or even the right to give birth in government hospitals. If they manage to access healthcare, they are denied birth certificates. It is a story of absolute dispossession. The recent police crackdown is robbing them of their last spot of hope. They have been cautioned not to venture from the makeshift homes, saying that surprise checks will be carried out.

Coinciding with Ramadan, this renewed operation of surveillance and intimidation has taken away any remaining agency. The students need to continue their education and the families must step out to earn and get food on the table.Fleeing from genocide in Myanmar, they are faced with a harsher fate of being hunted down as 'illegals'. Even the feeble reportage on media has faded, the civil society that once uttered a few sentences are invisible and the political elite on either side wants them as trophies of 'othering'. The UNCHR has virtually given up on them. The judiciary is looking the other way and the executive is taking orders. We are no longer

bewildered because of the normalisation of the regime's draconian actions that are now upon citizens. Who will mourn the refugees! Detention and deportation may have assumed fresh meanings with images of chained Indian deportees and students being sent back by the purveyors of the "new world".

India is already home to several detention centres housing asylum seekers, refugees and migrants abetted by the Foreigners Act 1946, part of a set of archaic laws that regulates immigration in India. There are no detention time limits in India, leaving detainees subject to indefinite detention. As per the UNHCR 2024 data, 676 Rohingya refugees are in detention centres across India, with more than half being women and children. These



holding areas are jail-like facilities where Rohingya people are cut off from outside interactions and legal aid. These detentions exist in Delhi, Jammu, Hyderabad, West Bengal and Assam. They are also detained in Bangalore, Kochi, Uttar Pradesh and Bihar. The Matia Transit Camp in Assam is the country's largest detention centre, where around 103 Rohingya women, children and men are detained along with another 171 detainees who are Bangladeshis or Indians declared as foreigners.

Delhi has two such centres. The level of political and executive engagement around Rohingyas has been absurd. In 2023, the police in Jammu accompanied a Rohingya couple who lost their 40-day-old infant in the detention centre and the couple was made to watch the burial with handcuffs!

> It is hardly surprising that the Rohingya is a soft Muslim target for the right wing government. But the visceral hatred may also serve as a strategic tool to consolidate its vote bank, thereby establishing the relationship between political ideology and refugee policies. The 'other' or the 'outsider' shall not be allowed to take your land or job. A very Trumpian and far-right rhetoric heard across continents today. Hate speeches against Rohingyas account for a significant percentage.Even the previous Delhi government did nothing to support their cause and the opposition to the ruling BJP has not cared to raise this issue. This is directly connected to the Modi government's CAA, which provoked mass protests and excludes Muslim migrants from obtaining Indian citizenship. This could have been a point of

departure for the opposition to challenge the prejudices of the ruling party by forcing the release of refugees, stop deporting them against international laws and contain hate against a people fleeing genocide.

f the Congress in yesteryear was accused of consolidating the Muslim vote bank, the BJP today has gained deep roots into the anti-Muslim consolidation and the Rohingya is the cheapest collateral.

www.thephotonnews.com Thursday, 27 March 2025

Sensex falls over 300 points: Why is market down despite FII buying, GDP growth

New Delhi. Dalal Street has turned red for the first time in the past seven days depite FIIs returning to buying ways and strong macros of the economy.IMF data showed that India's GDP has grown 105% in the past 10 years and will soon overtake Japan's economy to become the 4th largest economy. This data also failed to woo investors on Wednesday as Sensex dropped nearly 400 points after opening flat.The S&P BSE Sensex was down 342.44 points to 77,674.75, while the NSE Nifty50 lost 69.90 points to 23,598.75 as of 12:24 mm

WHY IS MARKET FALLING?

"Indian markets have bounced back very quickly in the last seven trading sessions. So some kind of profit booking is warranted on the market and that is the reason we can see some kind of profit booking in the medium to short term," said Kranthi Bathini, director of equity strategy at WealthMills Securities.

e added that we are nearing the financial year-end, inducing some profit booking." As the Trump tariffs are going to come into effect there is some kind of uncertainty in how these things are going to lead in the first week of, April. That is the reason we can see some kind of caution by the traders. So traders are trying to be on the sidelines and be on cash," said Bathini. In today's afternoon trading session, IndusInd Bank emerged as the top performer, surging 3.64% and leading the market's gainers. M&M followed closely with a 1.32% increase, while Power Grid Corporation and Adani Ports also showed positive momentum, rising 1.05% and 0.62% respectively. Tata Motors and TCS continued the upward trend with gains of 0.30% and 0.20%.

On the flip side, several stocks found themselves in the red. Zomato took the biggest hit, plummeting 2.76%, followed by Bharti Airtel with a 1.06% decline. Infosys, Asian Paints, and Maruti also struggled, losing between 0.82% and 1.04%. NTPC, Axis Bank, and Kotak Bank experienced declines ranging from 1.43% to 1.89%.

The market continues to display volatility.

Nifty's sectoral indices showed a mixed performance. Nifty Media experienced the sharpest decline, falling 1.55%, while Nifty Realty saw a marginal dip of 0.01%. Nifty IT and Nifty Financial Services also slipped, dropping 0.34% and 0.52% respectively. Nifty Private Bank and Nifty Healthcare Index were also in the red, with losses of 0.07% and 0.90%.

IndusInd Bank shares rise as lender seeks recruiters to hire top executives

New Delhi. IndusInd Bank shares jumped in early trade on Wednesday after reports indicated that the private lender is set to start a formal search process to fill top managerial positions, including CEO.

The shares of IndusInd Bank rose as much 3% in early trade and were up 2.15% to Rs 650.75 on the BSE at around 9:51 am. The formal search process to fill the top managerial positions at IndusInd Bank is set to begin in April, and the private lender is planning to assign the task to two large global recruitment firms, Egon Zehnder and Korn Ferry, reported Moneycontrol. The recruiters will be tasked with finding a replacement for Sumant Kathpalia, the bank's current MD and CEO, Arun Khurana, deputy MD and executive director and Gobind Jain, who resigned as CFO on January 17. The report added that a new chief compliance officer and chief operations officer may also be appointed.

In total, the recruiters are being roped in to fill 8 official positions. Indus Ind Bank stock has been hit hard over the past month after a series of developments. On March 7, the Reserve Bank of India (RBI) recently extended Kathpalia's term as bank CEO and MD by just a year, less than what the bank's board had recommended. And then on March 10, the bank revealed lapses in its derivatives accounting. Shares of the private lender are down 6% in past five trading sessions and over 32% this year. And then on March 10, the bank revealed lapses in its derivatives accounting. Shares of the private lender are down 6% in past five trading sessions and over 32% this year. hich operated through digital platforms without a tax nexus under conventional international tax principles.

WHY IS INDIA REMOVING GOOGLE TAX?

"The removal of this levy marks a shift in India's digital taxation framework and is perceived as a strategic move to ease trade frictions with the United States, which had persistently objected to the tax as being discriminatory against American technology giants such as Google and Meta," said Kumar.

Judge orders a June trial for US government's felony case against Boeing

New Delhi. A federal judge in Texas has set a June trial date for the US government's years-old conspiracy case against Boeing for misleading regulators about the 737 Max jetliner before two of the planes crashed, killing 346 people.US District Judge Reed O'Connor did not explain in the scheduling order he issued on Tuesday why he decided to set the case for trial. Lawyers for the aerospace company and the Justice Department have spent months trying to renegotiate a July 2024 plea agreement that called for Boeing to plead guilty to a single felony charge. The judge rejected that deal in December, saying that diversity, inclusion and equity policies the Justice Department had in place at the time might influence the selection of a monitor to oversee the company's compliance with the terms of its proposed sentence. Since then, O'Connor had three times extended the deadline for the two sides to report how they planned to proceed. His most recent extension, granted earlier this month, gave them until April 11 to "confer on a potential resolution of this case short of trial."The judge revoked the remaining time with his Tuesday order, which laid out a timeline for proceedings leading up to a June 23 trial in Fort Worth. The Department of Justice declined to comment on the judge's action. A Boeing statement shed no light on the status of the negotiations." As stated in the parties' recent filings, Boeing and the Department of Justice continue to be appropriate resolution of this matter," the company said. engaged in good faith discussions regarding an

India's Organised Retail To Surpass \$600 Billion By 2030, Capture 35 Per Cent Of Total Market

However, the supply landscape remains fragmented and is expected to remain so, with regional and unbranded brands expected to contribute over 70 per cent of the market by 2030, the report mentioned.

Bengaluru. India's overall retail sector is poised to become more than \$1.6 trillion opportunity by 2030, offering immense headroom for sustained growth for the organised retail industry, according to a new report on Wednesday.

While essential categories will continue to drive the majority of spending, discretionary spending is expected to lead the next wave of expansion, said the report by Redseer Strategy Consultants. Offline and online organised retailers are actively solving for inefficiencies in the market through better sourcing strategies, improved application of technology and infrastructure innovations.As a result, organised retail is projected to become a \$600 billion+ segment by 2030, capturing over 35 per cent of the total retail market," the report noted. Amid regional diversity, price sensitivity and complex supply chains, 350 Indian brands have crossed the \$100 million revenue mark. However, the supply landscape remains fragmented and is expected to remain so, with regional and unbranded brands expected to contribute over 70 per cent of the market by 2030, the report mentioned.



"Scaling ahead will require organised retail models to also address the regional and unbranded consumption, in addition to the branded segment that they've traditionally targeted," said Kushal Bhatnagar, Associate Partner, Redseer Strategy Consultants.Offline and online players are adopting a mix of strategies, such as backward integration, private labelling, and supply aggregation, to target this opportunity, he mentioned. The heterogenous consumer preferences in

India have led to the emergence of extensive range of stock keeping units (SKUs), further underscoring the supply fragmentation. India's culture, language, and tastes change every few kilometers, leading to high SKU proliferation across categories such as snacks, spices, food grains, apparels, jewellery, and home decor. A large share of consumers favour small-ticket transactions, and prioritise affordability over other

factors, while making purchase decisions, the report said. Multiple unorganised intermediaries exist at both sourcing and distribution levels, making efficient supply chain management a challenge.

General trade (GT) has also thrived due to its accessibility, ability to enable small transactions, and deep integration with local supply chains. It effectively caters to hyper-local consumer preferences, said the report.

India's GDP grows 105% in 10 years, now at \$4.3 trillion: IMF

New Delhi. India's Gross Domestic Product (GDP) has grown by 105% in the last ten years, doubling from \$2.1 trillion in 2015 to \$4.3 trillion in 2025. This strong growth has positioned India as the world's fifthlargest economy, behind the US, China, Germany, and Japan. According to the International Monetary Fund (IMF), India is on track to surpass Japan by the third quarter of FY25 and could be just behind the US and China by 2027.India's economic growth in the past decade has outpaced several major global economies. While India's GDP increased by 105%, the US and China saw growth of 66% and 44%, respectively. Other developed nations, such as Germany, France, and the UK, recorded significantly lower growth rates. With Japan's GDP currently at \$4.4 trillion and showing no growth over the last decade, India is projected to overtake it within the next year. Germany, with a GDP of \$4.9 trillion, is the next target, and India is expected to surpass it by 2027, making



it the third-largest economy in the world

India's rise to economic power has been marked by key milestones:

In 2007, India reached its first \$1 trillion GDP mark, taking 60 years to do so.

By 2014, GDP had doubled to \$2 trillion. Despite the COVID-19 slowdown, India crossed \$3 trillion in 2021. The jump from \$3 trillion to \$4 trillion took just four years. At this pace, India could

continue adding \$1 trillion to its economy every 1.5 years, with projections suggesting it could become a \$10 trillion economy by 2032.

Currently, the US remains the world's largest economy with a GDP of \$30.3 trillion, followed by China at \$19.5 trillion. If India's rapid growth continues, it could narrow the gap with these two economic giants within the

Unified Pension Scheme From 1 April 2025: How Much Pension Will Family Get After Death Of Central Govt Employee

New Delhi. Unified Pension Scheme (UPS) will be operational from 1 April, 2025. Declared last year by the Narendra Modi government, the UPS seeks to provide fixed pension security to employees working in central government offices. People who are in a government job and are already enrolled in the NPS will have the opportunity to choose UPS.A minimum assured payout of Rs.10,000 per month has been guaranteed under Unified Pension Scheme in case superannuation is after 10 years or more of qualifying service, subject to timely and regular credit of contributions and no withdrawals. What is the family payout under UPS? In case of death of the payout holder after superannuation, family payout @60% of the payout admissible to the payout holder immediately before his demise, shall be assured to the legally wedded spouse (spouse legally wedded as on the date of superannuation or on the date of voluntary retirement or retirement under FR 56(j), as may be applicable).

Unified Pension Scheme: PFRDA Regulations enable enrolment of three categories of central government employees. Check Major cut-off dates (i) an existing central government employee in

Govt Asks Traders, Wholesales, Big Chain Retailers And Processors To Declare Wheat Stock Every Friday From 1 April



New Delhi. The Centre has asked Traders/Wholesalers, Retailers, Big Chain Retailers and Processors to declare wheat stock position w.e.f. 1st April, 2025 and then on, every Frider.

"In order to manage the overall food security and to prevent unscrupulous speculation, the Government of India has decided that Traders/Wholesalers, Retailers, Big Chain Retailers and Processors in all States and Union

Territories have to declare their Stock position of wheat on the portal (https://evegoils.nic.in/wsp/login) w.e.f. 01.04.2025 and then, on every Friday till further orders." said a Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution release. All the respective legal entities to ensure that stock are regularly and correctly disclosed on the portal.Wheat Stock Limit is expiring on 31.03.2025 for all

All the respective legal entities will have to ensure that stock are regularly and correctly disclosed on the portal.

categories of entities in States and UTs. Thereafter, the entities have to disclose the wheat stock on portal. Any entity which is not registered on the Portal, may register themselves and start disclosing the wheat stock on every Friday.

The Department of Food and Public Distribution is maintaining a close watch over the stock position of wheat to prevent speculation, control prices and ensure easy availability in the country



service as on 1st April 2025, who is covered under NPS; (ii) new recruit in the central government services, who joins service on or after the 1st day of April 2025; (iii) a central government employee who was covered under NPS and who has superannuated or voluntarily retired or has retired under Fundamental Rules 56(j) on or before 31st March 2025 and is eligible for UPS or the legally wedded spouse in case of a subscriber who has superannuated or retired and has demised prior to exercising the option for UPS. The enrolment and claim forms for all these categories of central government employees will be available online from 1st April, 2025 on website of Protean CRA.

Provident Fund Claim Processing: EPFO To Integrate UPI, Expand Pension Access

EPFO is also soon going to launch UPI and ATM-based PF withdrawals.

New Delhi. The Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) is set to introduce UPI integration for claims processing, a move aimed at enhancing efficiency and reducing transaction time, Labour and Employment Secretary Sumita Dawra said on Monday. Speaking on the initiative exclusively with ANI, Dawra said EPFO currently has around 7.5 crore active members who maintain their PF accounts and contribute towards their pension. "We have undertaken significant work in this regard. Claims up to Rs1 lakh have been automated, selfcorrection mechanisms have been introduced, and unnecessary processes have been eliminated. Additionally, we have integrated databases, reducing the claim processing time to just three days," she said.Dawra further highlighted that,



for the first time, EPFO has established a centralized database. "Our next step is to incorporate UPI into the system. We have received suggestions from the National Payments Corporation of India (NPCI) regarding this integration and have submitted a proposal to EPFO for consideration. After conducting the

necessary testing, we expect to roll out the UPI frontend for EPFO claims by the end of May. This will benefit all members, as they will be able to view their EPFO accounts directly in the UPI interface and make auto-claims. The approval process will be instant If the consumer is eligible, ensuring quick credit to their accounts,"

she stated. She added that stabilizing the centralized database will take around two to three weeks, following which the frontend for UPI integration will be made ready.On pension reforms, Dawra said, "There are 78 lakh pensioners in EPFO, and earlier, only a few banks were notified for pension disbursement. Last year, we sought advice from the Reserve Bank of India (RBI), and now we have implemented a centralized pension system. Pensioners are benefiting from this as they can now receive their pension from any bank."Highlighting the government's Employment Linked Incentive (ELI) scheme, Dawra said, "The incentive announced in the Budget has been increased from Rs10,000 crore to

Rs20,000 crore this time. This historic outlay will benefit everyone--first-time employees, existing workers, etc. The government has also ensured that platform workers receive health coverage, with all their charges covered under the online PMJAY scheme."

US aerospace giant delivers first of Tejas Mk1A engines, ends 2-year delay

The delay has affected the deliveries of 83 Tejas Mk1A fighter jets, a fact lamented by Air Force chief Air Chief Marshal AP Singh on several occasions.

New Delhi. After a two-year delay, US aerospace giant GE has delivered the first of 99 F404-IN20 engines to Hindustan Aeronautics Limited (HAL) for the Tejas Light Combat Aircraft (LCA) Mk-1A programme. The delays have in turn affected the deliveries of 83 Tejas Mk1A jets, a fact lamented by Air Force chief Air Chief Marshal AP Singh on several

The issue was raised by Prime Minister Narendra Modi during his visit to the US

Portion of Mumbai's Azad

for protests, morchas

Maidan to be officially notified

New Delhi. Following a direction from the Bombay high

court, the Maharashtra government said that it would

notify an area in the Azad Maidan ground to hold

The area had already been ear marked following an

interim direction of the High court. However the court

had directed the state to formulate rules and notify the

area formally. The petition had been filed by Nariman

Point Churchgate Citizens Association and others in

1997 objecting to rallies and demonstrations that were

held near Mantralaya and the ruckus created in the

neighbourhood. During the hearing on Wednesday,

Additional Government Pleader Abhay Patki submitted

controlling the morchas and that in two weeks time the

state will notify the same in its official gazette by April 2,

2025. Patki also handed over a draft notification along

with an affidavit through which the State apologised for

before the bench

of Chief Justice

Alok Aradhe and

Justice MS

Karnik that the

state had finalised

the rules under the

Maharashtra

Police Act and

regulations for

morchas, protests or agitations in South Mumbai.

Trump. The first of the F404-IN20 engines was delivered to HAL on Tuesday, announced Shawn Warren, general manager (combat and trainer engines), GE "Despite the delay in engine delivery, we Aerospace.

"It is an important milestone in our 40year relationship with HAL and in our efforts to ensure a strong future for India's military by developing nextgeneration fighters while enhancing the country's defence manufacturing capabilities," Warren said.

The long-awaited engines, part of a \$716 million contract signed in 2021, come after a two-year delay, which had hindered HAL's production timeline and the IAF's fleet expansion

HAL officials said the delivery marks a significant milestone, enabling it to boost the pace of assembly of Tejas jets. Sources within HAL revealed that the company had restructured its production line at its Bengaluru facility to accelerate the integration process.

last month to meet President Donald A new parallel assembly line has been added, The Tejas Mk-1A, an upgraded variant of the aiming to deliver at least 16 Tejas Mk1A fighters annually, fulfilling the IAF's contract for 83 jets by 2028.



have optimised our assembly process to ensure swift deliveries. The arrival of the F-404 engines will allow us to ramp up production significantly," said an HAL

DELAY IN TEJAS FIGHTER JETS

Mk-1, features advanced avionics, improved radar, and enhanced weapon capabilities. The jets will ease the pressure on the IAF, which has been looking to phase

out older MiG-21 and Jaguar

Earlier this year, Air Force chief AP Singh lamented that the IAF was yet to even receive the first batch of 40 Tejas aircraft ordered in 2009-2010. A video also went viral of him telling HAL officials that he had "no confidence" in the state-owned company.

In a statement, GE Aerospace cited supply-chain issues behind the engine delays.

With no additional engine orders on the horizon, the production line for F404-IN20 was shut down. However, when HAL ordered an additional 99 engines in 2021, our team began the complex task of restarting the F404-IN20 production line, which had been dormant for five years," the statement said.

Chhattisgarh Chief Minister vows tougher law to curb religious conversions

Chhattisgarh Chief Minister Vishnu Deo Sai said that a more stringent law to prevent religious conversions will soon be implemented in the state, a week after the BJP-led government was cornered by its own legislators in the state assembly over the issue.



New Delhi. Chhattisgarh Chief Minister Vishnu Deo Sai on Wednesday announced that a stricter law to curb religious conversions will soon be introduced in the state, a week after the BJP-led government faced tough questions in the state assembly on the issue.

Confirming that a more stringent anti-conversion law is in the works, Chief Minister Sai said, "Several states have tightened their laws, and the Chhattisgarh government will also introduce a stricter law against religious conversion soon. The government is considering it and will bring

Referring to the existing Chhattisgarh Freedom of Religion Act, 1968, which is currently used to address cases of forced conversions, Sai further stated, "Action is being taken wherever complaints of religious conversion arise. There is already a law against it, but it will be made stricter.'

-Chhattisgarh plans to amend existing anticonversion law Vishnu Deo Sai says stricter law on religious conversions is under consideration BJP MLA alleges prayer meetings used for forced conversions

A week back, following the showdown in the budget session of the Chhattisgarh Assembly over religious conversions, the state Home Minister Vijay Sharma had also assured that the government would be bringing in a more stringent law to deal with the issue.

Sharma's response came after BJP MLA Ajay Chandrakar alleged on the floor of the Assembly that

"changai sabhas" (prayer meetings) were being conducted across the state to "lure innocent. helpless and poor people with various kinds of temptations to mislead and convert them". Chandrakar further claimed that several NGOs were receiving funds from foreign countries, with most of these institutions operating out of the Chief Minister's home constituency in Jashpur. He added that the highest number of cases had been reported from this area.

There are many such NGOs in the state, which are registered on religious basis and are also getting funds from abroad. Nine out of 19 registered institutions in Bastar district and 15 out of 18 institutions in Jashpur district are being run by Christian missionaries," said the former state minister.

In his reply, the Home Minister informed the Assembly that the state government and its agencies are closely monitoring 153 NGOs

Ex-ED chief Sanjay Kumar Mishra inducted into PM's Economic Advisory Council as secretary

First appointed as the ED chief in 2018, Sanjay Kumar Mishra was given multiple extensions by the Centre while leading the agency, with the Supreme Court later declaring the third and final extension 'illegal'.

New Delhi. Sanjay Kumar Mishra, former chief of the Enforcement Directorate, was inducted into the Economic Advisory Council to the Prime Minister (EAC-PM) on Wednesday. A 1984-batch Indian Revenue Service (IRS) officer from Uttar Pradesh, Mishra was appointed at the rank of Secretary.

The EAC-PM is an independent body tasked with the responsibility of updating and advising the Prime Minister on key economic issues. First

appointed as the ED chief in 2018, Mishra was given multiple extensions



by the Centre while leading the agency, with the Supreme Court later The appointment comes following the declaring the third and final extension "illegal". Mishra oversaw several

probes into former Union Finance Minister P. Chidambaram, Karnataka Deputy Chief Minister D.K. Shivakumar, Sharad Pawar, former Jammu and Kashmir Chief Minister Mehbooba Mufti, current Jammu and Kashmir Chief Minister Omar Abdullah, Jharkhand Chief Minister Hemant Soren, and former West Bengal Education Minister Partha Chatterjee, among others.

high-profile cases, including

death of the Council's ex-chairman, Bibek Debroy, on November 1, 2024.

Insensitive, inhuman: Supreme Court pauses 'grabbing breasts not rape' order

The Supreme Court, which took suo motu cognisance of the controversial order by the Allahabad High Court, said the judgment showed lack of sensitivity.

New Delhi. The Supreme Court on Wednesday paused a controversial order by the Allahabad High Court that held "grabbing breasts" and "breaking the strings of a girl's pyjamas" don't constitute rape or attempt to rape. The Supreme Court, which took suo motu cognisance of the order, which triggered an outrage, said the judgment showed a lack of sensitivity. The top court noted that the verdict was not at the spur of the moment and there was an application of mind as it was delivered four months after reserving the judgment.

We are at pains to state that it shows total lack of sensitivity on part of the author of the judgment. It was not even at the spur of the moment and was



"We are usually hesitant to grant stay at this stage. But since the observations in para 21, 24 and 26 are unknown to cannons of law and show an inhuman approach, we stay the observations," the Supreme Court said. The Supreme Court sought the responses of the Centre and the Uttar Pradesh government on the issue. "We issue court said. Interestingly, another Supreme Court bench refused to entertain a PIL filed against the controversial court order on March

WHAT ALLAHABAD HIGH **COURT SAID** The Allahabad High Court's order

came while it was hearing a plea by two people who were summoned by a trial court on rape charges. The accused, Pawan and Akash, allegedly grabbed the breasts of an 11-year-old girl. One of them broke the string of her pyjama and attempted to drag her beneath a culvert. Justice Ram Manohar Narayan Mishra ruled that mere grabbing of the breast doesn't constitute rape, but such an offence

notice to the Union, the state of Uttar delivered 4 months after reserving the falls under the ambit of assault or use Pradesh and parties before the HC. The same. Thus, there was application of of criminal force against any woman learned Attorney General and Solicitor mind," a bench of Justices BR Gavai with the intent to disrobe or compel her receiving foreign funds. General shall assist the court," the and Augustine George Masih said. to be naked. China, India in talks to resume direct

flights after 5 years: Chinese diplomat

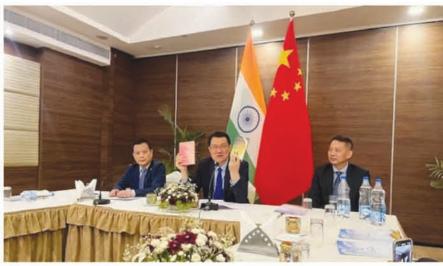
The Chinese Consul General has said that the two countries are in discussions to resume direct flights after a nearly fiveyear hiatus.

New Delhi. Signalling a thaw in China-India relations, Chinese Consul General in Kolkata, Xu Wei, stated that the two countries are in constant talks to resume direct flights, five years after the Covid-19 pandemic and subsequent border clashes halted them.

Before the pandemic, the two countries had launched direct flights from Beijing, Shanghai, Guangzhou, and Kunming to New Delhi, Mumbai, Kolkata and other cities, with 50 flights per week. The two sides are currently working on resuming direct flights between the two countries as soon as possible," Wei said at a press conference.

The announcement was first made by India's foreign ministry following top diplomat Vikram Mistri's visit to China in January. In the statement released after Mistri's visit, the foreign ministry said that both countries have agreed "in principle to resume direct air services between the two countries."

On Tuesday, Wei expressed confidence in the ties between the two nations, stating that a string of events will be held to commemorate the 75th anniversary of diplomatic relations while adding that "the spring of China-India relations is arriving". "In another week, on April 1, it will be the day marking 75th anniversary of the establishment of diplomatic relations between China and India. This year, China and India will jointly hold some celebrations. We are happy to see



that the spring of China-India relations is arriving," he said. "We are willing to take the 75th anniversary of China-India According to sources, Chinese authorities diplomatic relations as an opportunity to work with India to sum up past experience, forge a path forward, and advance China-India relations on the

track of sound and stable development," Wei added.

are also hoping that India will give relaxation in the visa policy to Chinese people. They are also hopeful that trade between the two countries will go up.

Advocate Shailesh Naidu appearing for the petitioners however sought some time to go through the documents as the petitioners could go through the exact area in Azad Maidan which would have been notified. The ground is used for Cricket practice, there is metro construction also happening amidst the protests being held on a daily basis. Naidu submitted, "All that we are saying that they identify the designated area or else we will have to come back though 28 years experience is a long time.' However the Chief Justice said, "There is no point in

the delay in this notification.

keeping a petition from 1997 pending any further. Every time such petitions come up for hearing, we feel guilty that this petition is coming up after 28 years. If you have a problem with the notification then challenge that." Justice Karnik too said, "Let it get operational. There is no

justification for keep this PIL pending." The bench directed that the notification be implemented in letter

Delhi HC issues notice to Parvesh Verma on plea challenging election from New Delhi seat



NEW DELHI. The Delhi High Court on Wednesday issued notice to PWD minister Parvesh Verma on a plea challenging his election from New Delhi constituency in the 2025 assembly polls. Justice Jasmeet Singh issued the notice and sought response of the Election Commission of India (ECI) and 23 candidates, including AAP leader Arvind Kejriwal and Congress leader Sandeep Dikshit, who contested the elections from New Delhi. The plea was filed by a person who claimed that he was not allowed to file nomination to participate in the election process.

The high court listed the matter for further hearing on May 27. In the plea, petitioner Vishvanath Agarwal has sought a direction to declare the election to the New Delhi constituency null and void. He also sought to direct the ECI, which was represented by advocate Ankit Agarwal, to conduct fresh elections on the seat.

The petitioner claimed that despite being present in the returning officer's office before 3 pm on January 17 with all the requisite documents, he was not allowed to submit his nomination form, necessary to participate in the elections. Verma, who got 30,088 votes in the election, defeated former Delhi chief minister Arvind Kejriwal, his closest rival in the fray, by a margin of 4,089 votes. Dikshit also contested the polls from the same seat. The Delhi Assembly polls were held on February 5 and the results were declared on February 8.

NEWS BOX

Trump signs order seeking to overhaul US elections, including requiring proof of citizenship

NEW YORK. President Donald Trump on Tuesday signed a sweeping executive action to overhaul elections in the U.S., including requiring documentary proof of citizenship to register to vote in federal elections and demanding that all ballots be received by Election Day. The order says the U.S. has failed "to enforce basic and necessary election protections" and calls on states to work with federal agencies to share voter lists and prosecute election crimes. It threatens to pull federal funding from states where election officials don't comply.

The move, which is likely to face swift challenges because states have broad authority to set their own election rules, is consistent with Trump's long history of railing against election processes. He often claims elections are being rigged, even before the results are known, and has waged battles against certain voting methods since he lost the 2020 election to Democrat Joe Biden and falsely blamed it on widespread fraud.

Trump has focused particularly on mail voting, arguing without evidence that it's insecure and invites fraud even as he has shifted his position on the issue given its popularity with voters, including Republicans. While fraud occurs, it's rare, limited in scope and gets prosecuted. The order's documentary proof of citizenship requirement signals that the president is not waiting for congressional Republicans to pass their long-anticipated Safeguard American Voter Eligibility Act, or SAVE Act, which has aimed to do the same thing. Republicans have defended that measure as necessary to restore public confidence in elections. Voting in federal elections by noncitizens is already illegal and can result in felony charges and deportation. Voting rights groups have expressed concerns that the requirement could disenfranchise people. An estimated 9% of U.S. citizens of voting age, or 21.3 million people, do not have proof of citizenship readily available, according to a 2023 report by the Brennan Center for Justice and other groups. There are also concerns that married women who have changed their names will encounter trouble when trying to register because their birth certificates list their maiden names.

Republicans eye actions against the courts and judges as Trump rails against rulings

WASHINGTON. Angry over the crush of court rulings against the Trump administration, Republicans in Congress are trying to slap back at the federal judiciary with proposals to limit the reach of its rulings, cut funding and even impeach judges, tightening the GOP's grip on government.

House GOP leaders say all options are under consideration as they rush to rein in judges who are halting President Donald Trump's actions at a rapid pace. In many cases, the courts are questioning whether the firings of federal workers, freezing of federal funds and shuttering of long-running federal offices are unlawful actions by the executive branch and Elon Musk's Department of Government Efficiency.In perhaps the most high-profile case, Judge James E. Boasberg ordered planeloads of deported immigrants to be turned around, raising the ire of Trump, who called for his impeachment, and billionaire Musk, who is funneling campaign cash to House Republicans backing impeachment efforts. The president calls the judges "lunatics." House Speaker Mike Johnson said Tuesday that "desperate times call for desperate measures" without mentioning impeachment."We do have authority over the federal courts, as you know," the Republican speaker said. "We can eliminate an entire district court. We have power of funding over the courts, and all these other things."Not yet 100 days ino the new administration, the unusual attack on the federal judiciary is the start of what is expected to be a protracted battle between the co-equal branches of government, unmatched in modern memory. As the White House tests the judiciary, trying to bend it to Trump's demands, the Congress, controlled by the president's own Republican Party, appears ready to

Columbia student protester can't be detained for now as she fights deportation, judge rules

NEW YORK. A Columbia University student from South Korea who is facing potential deportation for her involvement in a pro-Palestinian protest can't be taken into immigration detention for now, a federal judge ruled Tuesday. The order marks at least a temporary reprieve for Yunseo Chung, and a setback for the Trump administration's efforts to throw noncitizens out of the country for participating in campus protests. The students say the government is targeting them for advocating for Palestinian rights.

"As of today, Yunseo Chung no longer has to fear and live in fear of ICE coming to her doorstep and abducting her in the night," Chung attorney Ramzi Kassem said after court, referring to Immigration and Customs Enforcement. As a Manhattan federal judge considered Chung's case Tuesday, another federal jurist in Syracuse considered the case of Cornell University doctoral student Momodou Taal. He also faces potential deportation after being at a protest. In Chung's case, U.S. District Judge Naomi Reice Buchwald said government lawyers have not yet laid out enough facts about their claims to detain the student while her case plays out. Chung, 21, came to the U.S. at age 7 and later attained legal permanent residency, known colloquially as a green card.

Taiwan deports Chinese woman for supporting Beijing's plans to conquer state

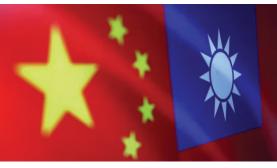
<u>Deported Liu Zhenya was influencer in</u> <u>Taiwan, praised Bejing's plans to take over</u> island

Liu denied charges, said leaving "out of respect for Taiwanese law

<u>Liu is married to Taiwanese man and have</u> three kids, boarded plane alone

Taipei. Taiwan on Tuesday deported a Chinese woman back to her country after she posted praise online for Beijing's ambitions to conquer the self-governing island democracy by force. China, which considers the island a wayward province that split from it amid the civil war in 1949, has been vastly expanding its navy and missile force with an eye to bringing Taiwan quickly to heel or blockading the high-tech island, with potentially dire

Zhenya, a full-time influencer who posts under "Yaya in Taiwan," was charged with violating rules governing Chinese living in Taiwan who are "considered a threat to the national or social stability," according to the Interior Ministry.At a news conference called minutes before her flight to China, Liu repeated her denials of the charges, saying she was leaving "out of respect for Taiwanese law," based on her lawyers' advice."It's not because I did anything wrong," she said. The move by the strongly pro-independence administration of Taiwan's President William Lai Ching-te seemingly reflects a harder line against those who maintain Taiwanese passports or permanent residency, while also cheering China's plans to bring the island under its control.Lai has in recent weeks repeatedly warned of China using spies and propaganda, especially internet influencers, as well as military intimidation. Earlier in



the day, Liu protested outside Taiwan government offices, while trying to speak to an immigration officer. She was unsuccessful. About 50 people protested her presence while chanting: "Have a good trip home," and "Get yourself back to China." Police were present but no violence broke out.

The vast majority of Taiwanese reject China's demands and favour the current state of defacto independence, despite China's threats.

Liu, who is married to a Taiwanese man and has three children, appeared to board the plane alone. The couple haven't revealed their future plans. Under the regulations, she will have to wait five years to reapply for a Taiwan residency permit.

At least two other Chinese women with Taiwanese husbands are currently under investigation as the island moves to reinstate military trials and crack down on the recruitment of serving

members of Taiwan's military as spies. Taiwan has also been boosting its defences with high-tech weapon systems from the U.S. and locally developed munitions, submarines and warplanes. Such a conflict could draw in the U.S., which is required under American law to respond to Chinese actions against the island. The two foes are divided by the 180-kilometre (110-mile)-wide Taiwan Strait.

Trump accuses Putin of dragging ceasefire, Ukraine spots Russia's 'manipulation

Donald Trump and Volodymyr
Zelenskyy ganged up on
Vladimir Putin hours after the
White House announced that
both Russia and Ukraine have
agreed to pause their attacks in
the Black Sea.

world. In a rare shift since beginning his second term in the White House, US President Donald Trump has now expressed the belief that Vladimir Putin is deliberately stalling efforts to finalise a ceasefire agreement with Ukraine, despite Washington's ongoing mediation."I think that Russia wants to see an end to it, but it could be they're dragging their feet," Trump said in his interview with Newsmax."I just want to see it stop. I also don't want to pay," Trump said. Trump's remarks came hours after the White House announced that both Russia and Ukraine have agreed to pause their attacks in the Black Sea and begin negotiating terms for a broader ceasefire protecting energy infrastructure. The Kremlin also confirmed the agreement but noted



that it will take effect only when restrictions and Western sanctions on Russia are lifted. Russia also denied transferring the Zaporizhzhia Nuclear Power Plant to Ukraine. Meanwhile, Zelenskyy accused Russia of 'manipulating' ceasefire agreements reached during talks between delegations from Moscow and Washington in Saudi Arabia. "Unfortunately, right on the day of the talks, we see how the

Russians have already started to manipulate. They are already trying to distort the agreements and actually deceive our mediators and the whole world," Zelenskyy said in a video

address on Tuesday."There are absolutely clear statements published by the White House. Everyone can see what is stated there. And there is something that the Kremlin is lying about again: that supposedly silence in the Black Sea depends on the issue of sanctions and that supposedly the date for the start of 'silence' on energy is March 18. Moscow always lies. And it depends on the

world – on everyone who really needs peace – whether they will allow Moscow to lie again," he added.Zelenskyy also urged Western countries to impose further sanctions on Russia if the agreements reached fail. "Russia's stance is prolonging the conflict in Ukraine and that further sanctions and pressure should be imposed on Moscow should the agreements reached fail," the Ukrainian President said.

Judge rules against detention of Columbia student and permanent US resident

Washington. A Korean American Columbia University student, who is a legal permanent US resident and has participated in pro-Palestinian protests, cannot be detained by federal immigration officials for now as she fights the administration of President Donald Trump over attempts to deport her, a judge ruled on Tuesday.

Yunseo Chung, 21, has lived in the US since she was seven, and sued the Trump administration on Monday to prevent her deportation. Her legal team was informed this month that her lawful permanent resident status was being revoked, according to court records in the US District Court for the Southern District of New York. Trump has pledged to deport foreign pro-Palestinian protesters and accused them of supporting Hamas militants, of posing hurdles for US foreign policy and of being antisemitic. Protesters, including some Jewish groups, say the administration wrongly conflates their criticism of Israel and support for Palestinian rights with antisemitism and support for Hamas. Human rights advocates condemn the government's moves. The US Department of Homeland



Japan awards longest-serving death row inmate \$1.4 million

The payout represents 12,500 yen (\$83) for each day of the more than four decades that Iwao Hakamada spent in detention. It is a record for compensation of this kind, Japanese media said.

TOKYO. A Japanese man wrongly convicted of murder who was the world's longest-serving death row inmate has been awarded \$1.4 million in compensation, an official said Tuesday. The payout represents 12,500 yen (\$83) for each day of the more than four decades that Iwao Hakamada spent in detention, most of it on death row when each day could have been his last. It is a record for compensation of this kind, Japanese media said. The former boxer, now 89, was exonerated last year of a 1966 quadruple murder



after a tireless campaign by his sister and others. The case sparked scrutiny of the justice system in Japan, where gaining a retrial is notoriously hard and death row inmates are often informed of their impending death just a few hours before they are hanged. The Shizuoka District Court, in a decision dated Monday, said that "the claimant shall be granted 217,362,500 yen (\$1.44 million)," a court spokesman told AFP. The same court ruled in September that Hakamada was not guilty in a retrial

and that police had tampered with evidence. Hakamada had suffered "inhumane interrogations meant to force a statement (confession)" that he later withdrew, the court said at the time. Hakamada's legal team said the money falls short of the pain he suffered between his 1966 arrest and his release in 2014, when he was granted a retrial." I think the fact that he will receive it...

think the fact that he will receive it... compensates him a little bit for all the hardship," lawyer Hideyo Ogawa told a press conference."But in light of the hardship and suffering of the past 47 or 48 years, and given his current situation, I think it shows that the state has made mistakes that cannot be atoned for with 200 million yen," he said.Decades of detention -- with the threat of execution constantly looming -- took a major toll on Hakamada's mental health, his lawyers have said, describing him as .

Security alleged Chung engaged in concer including when she was previously arrested by police during a protest at Barnard College that DHS termed "pro-Hamas." Chung has not yet been arrested by federal officials. Immigration agents made multiple visits to her residences looking for her.US District Judge Naomi Reice Buchwald on Tuesday issued a temporary restraining order against the government that prevents Chung from being detained, court records showed. Actions against Chung form part of a pattern of government efforts against pro-Palestinian voices critical of Israel's military assault on Gaza, her lawsuit said.Columbia protester Mahmoud Khalil, who was arrested this month and is legally challenging his detention, is also a lawful permanent resident. Trump, without evidence, accused Khalil of supporting Hamas, which Khalil denies.Badar Khan Suri, an Indian studying at Georgetown University, was detained last week. A federal judge barred Suri's deportation.

US officials have asked Cornell University student Momodou Taal to turn himself in, his attorneys say, adding his visa was being revoked.

Oscar-winning Palestinian director detained, kicked, punched by Israeli soldiers

Jerusalem. Only a few weeks ago, Hamdan Ballal stood on a stage in Los Angeles accepting an Oscar for the film "No Other Land," a documentary depicting his West Bank village's struggle against Israel's occupation.On Tuesday, Ballal - his face bruised and clothes still spotted with blood - recounted to The Associated Press how he was heavily beaten by an Israeli settler and soldiers the night before. The settler, he said, kicked his head "like a football" during a settler attack on his village. The soldiers then detained him and two other Palestinians. Ballal said he was kept blindfolded for more than 20 hours, sitting on the floor under a blasting air conditioner. The soldiers kicked, punched or hit him with a stick whenever they came on their guard shifts, he said. Ballal doesn't speak Hebrew, but he said he heard them saying his name and the word "Oscar." I realised they were attacking me specifically," he said in an interview at a West Bank hospital after his release Tuesday. "When they say

'Oscar', you understand. When they say your name, you understand."

The Israeli military did not immediately respond to the claims that Ballal was beaten by soldiers. The settler whom Ballal identified as his attacker, Shem Tov Luski — who has threatened Ballal in the past — denied he or the soldiers

beat him and told the AP that he and other Palestinians in the village had thrown stones at his car. He said he didn't know Ballal was an Oscar winner. The Israeli military said Monday it had detained three Palestinians suspected of hurling rocks as well as one Israeli civilian, who was soon released. Ballal denied throwing stones.

The attack took place Monday night in the southern West Bank village of Susiya. It's part of the Masafer Yatta region featured in "No Other Land," which depicts the Palestinian residents' attempts to fend off settler attacks and the military's plans to

demolish their homes. At around sunset, as residents were ending their daylong Ramadan fast, roughly two dozen Jewish settlers along with police entered the



village, throwing stones at houses and breaking property, witnesses say. Around 30 soldiers arrived soon after. Jewish Israelis in an activist group supporting the villagers showed video of themselves also being attacked, with settlers hitting their car with sticks and stones. Ballal said he filmed some of the damage caused by the settlers.

Then he went to his own home and locked it, with his wife and three young children inside.

"I told myself if they will attack me, if they kill me, I will protect my family," he said. Ballal said Luski approached with two soldiers. He said Luski hit him on the head, knocked him to the ground and kept kicking and punching him in the head. At the same time, one soldier hit him on the legs with his gun butt, while the other pointed his weapon at him, he said.Lamia Ballal, the director's wife, said she was huddling inside with their children and heard him screaming, "I'm dying!"

Luski told the AP that he and other settlers had come to the village to help a fellow settler who said he was being attacked by Palestinian stone-throwers. He said dozens of masked Palestinians attacked his car with stones, including Ballal. "He broke my window, threw a stone at my chest," he

Thursday, 27 March 2025

Improved' Shreyas Iyer ready to play all formats for India: Sourav Ganguly

New Delhi. Former national captain Sourav Ganguly said that Shreyas Iyer has grown by leaps and bounds, making him the 'most improved batter' in the last 12 months. On Tuesday, March 25, Iyer played a matchwinning knock in Punjab Kings' (PBKS) 11run win over Gujarat Titans (GT) at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad.

Iyer scored an unbeaten 97 off 42 balls, laced with five fours and nine sixes. After posting a challenging target of 244 for the Titans to chase down, the Kings restricted their opponent to 232 for five. Ganguly reckoned that the 30-year-old Iyer has upped his game enough to play all three formats for India. Taking to X, Ganguly, also a former BCCI president, wrote, "Shreyas Iyer the most improved batsman in last 1 yr .. ready for all formats. Great to see his improvement



after a few issues on length." Shreyas has been a regular part of India's ODI setup of late, but has struggled to hold on to his spot in Tests and T20Is. Shreyas was also the top run-scorer in India's campaign in the Champions Trophy where the Men in Blue won after beating New Zealand in the final. Ecstatic, to be honest'

Meanwhile, Shreyas' joy knew no bounds after his masterful knock against the Titans. After hitting Kagiso Rabada for a four down the ground on his very first ball, Shreyas didn't look back." Ecstatic, to be honest. Getting 97* in the first match is always the icing on the cake. No better feeling to be honest. It was important for me to go ahead and adapt. I got four off the first ball, and that gave an immense boost," Shreyas said in the postmatch presentation ceremony.

Shreyas will be looking to continue his impressive form when the Kings lock horns with Rishabh Pant's Lucknow Super Giants on April 1 at the Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Cricket Stadium in

IPL 2025: Fan rants about quality of Hindi commentary, Harbhajan Singh responds

New Delhi. Former Indian cricketer Harbhajan Singh responded to a fan who expressed concerns about the quality of Hindi commentary in the Indian Premier League (IPL) 2025. Harbhajan, one of the Hindi commentators in the tournament, is joined by Virender Sehwag, Navjot Singh Sidhu, Shikhar Dhawan, Suresh Raina, Robin Uthappa, Ambati Rayudu, and others.

The fan pointed out that, in the past, Hindi commentary by the likes of Maninder Singh and Arun Lal was more informative. However, the current commentators tend to focus on sarcastic one-liners, which makes it difficult for viewers to fully connect with the game. Harbhajan took the feedback positively and promised to improve the quality of Hindi commentary moving



forward. Replying to the complaint, Harbhajan wrote, "Thank you for the input. We will work on it."Mohammad Kaif, Piyush Chawla, RP Singh, Pragyan Ojha, Sanjay Manjrekar, Sanjay Bangar, Varun Aaron, Sunil Gavaskar, Ajay Jadeja, Jatin Sapru, Anant Tyagi, Saba Karim, Deep Dasgupta, Aakash Chopra are the others in the Hindi commentary panel.

The IPL, in the meantime, has got off to a splendid start with as many as 119 sixes being hit in the first five matches. On Tuesday, the Gujarat Giants (GG) and Punjab Kings (PBKS) were involved in a closely-fought affair at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad. The Kings, featuring a powerhouse lineup of five all-rounders, set a formidable total of 243/5 in their first innings. They then held their ground, successfully defending the target by limiting Shubman Gill's GT to 11 runs short.

Captain Shreyas Iyer led with a stellar batting performance, while coach Ponting's tactical brilliance played a key role in keeping Punjab's defense tight, especially against the explosive Jos Buttler in the second innings.

The IPL now moves to Guwahati where Ajinkya Rahane's Kolkata Knight Riders (KKR) will be up against Rajasthan Royals (RR) on Wednesday, March 26 at the Barsapara Stadium.

IPL 2025 Early impressions: Punjab Kings out for blood with army of all-rounders

New Delhi. Ricky Ponting's Punjab Kings gave a tremendous account of themselves in the opening match of the Indian Premier League. Punjab, a perennial struggler in the tournament, slammed their way to a massive total of 243 runs, which they later defended, owing to a tactical masterclass from their coach.Punjab's eternal struggle is related to their constant chopping and changing of staff and management. In the 2024 season, Punjab handed the reins of captaincy to Shikhar Dhawan. They were forced to drop Dhawan midway through the season due to a shoulder injury, from which he mysteriously did not recover for the rest of the season. Sam Curran was handed the reins from Dhawan but was let go before the mega-auction in 2024. Punjab, once again with the biggest purse, rebuilt once again under the tutelage of Ponting - one of the strongest characters in the history of world cricket. And that character showed in the very first match of the tournament when they stamped their authority on Gujarat Titans on Tuesday.

Army of All-Rounders

The success in the first game was directly out during the auction time - the buying of a host of all-rounders in the mega-auction.

With the emergence of the Impact Player rule, the use of multi-dimensional players in the tournament has been minimised. Teams now use players with more specialisations to get the best out of their batting/bowling unit. However, in Punjab's case, Ponting bought all-rounders with nearly matching skill sets. The likes of Azmatullah Omarzai, Marcus Stoinis, Marco Jansen, and Glenn Maxwell are tremendous with both bat and ball. As a unit, there is minimal bias between batting and bowling in the Punjab side, which showed in the first game of the tournament.Ponting used the army of all-rounders as insurance. If one failed, the other would rise up to the occasion. With the bat, they had ample firepower on the night. Even though their allrounder army failed, two specialists, Shreyas Iyer and Shashank Singh, lit up the stage for the side.But once again, do not discount the insurance that the all-rounders provided, which allowed the players to play

with intent from the very first ball. **Ricky Ponting's Tactical Calls**

related to a tactical call, which many called In the second innings of the match, things seemed to have gone a little haywire for Punjab as they conceded 169 runs in the first

14 overs of their match. Sai Sudharsan and Jos Buttler were taking the bowlers to town, and GT were looking well set to chase the improbable target of 244 runs.

Ponting took a massive call to field his Impact Player late in the game. He had kept himself



flexible in introducing a player depending on the flow of the game, a cover, once again given by the insurance of the all-rounders, who had already bowled at least one over by then.It was at this juncture that Ponting brought in Vijaykumar Vyshak - the former Royal Challengers Bangalore pacer. Vyshak came in with a single plan: bowl wide, and force the batters to hit towards the longer side of the pitch. Shreyas Iyer later revealed

that it was Arshdeep Singh who formulated the plan on the pitch, to restrict the GT batters."Arshdeep played an important role in that (the wide yorker plan). He came in and said the ball is actually reversing a bit, so the saliva on the ball is helping the bowlers a

bit, I guess. He got Sai, and that changed the momentum for us. Then he came in and said let's start the wide yorkers earlier than trying it too late," Shreyas Iyer said after the match.

He (Vyshak) is a funny character. He has got traits in him where he comes in with the right attitude. He bowled the yorkers straightaway. Kept his calm and composure," Shreyas added on Vijaykumar Vyshak.Brave Brand of CricketBefore the start of the tournament, PBKS coach Ponting had vowed a brave brand of cricket this

season - something that the team has never been associated with before."We are here to play a really dynamic and entertaining brand of cricket. And I know that we have got the players who can do that. We don't need to be afraid of anything. We can build a great culture in this team when things get underway. I can't wait for the first game to

D Gukesh draws from MS Dhoni: Chess, pressure, and the art of staying cool

New Delhi. World Champion D Gukesh bears a striking resemblance to MS Dhoni. The Grandmaster, the youngest world champion, remains a picture of calmness when seated across the 64 squares. Nothing unsettles him. Even the world's best, sitting opposite and plotting his downfall, fail to elicit the slightest emotion from him while he is at work.Sound familiar? D Gukesh himself credits MS Dhoni as a major inspiration for his approach to handling pressure in chess. From being a fan of the World Cupwinning former India captain to drawing life lessons from the Chennai Super Kings legend, Gukesh has learnt invaluable lessons from his 'idol'. Speaking at a special interaction with Chennai Super Kings from the MA Chidambaram Stadium, Gukesh spoke about the impact MS Dhoni has had on him and his game.

'MS Dhoni is one sportsperson I really admire. To this day, he is the one. How he



doesn't react to anything that happens. How In the decisive game of the 2024 FIDE World he is able to calmly think in any situation. In the highest-pressure moments, he is able to think with a clear mind. I grew up watching that. It felt like I had to emulate it in my own craft," he said.

"In that sense, he really inspired me. I don't react to things much. I am good at handling pressure. In that way, he has really helped me in my career. Not only as an inspiration but in my game as well," he added.TAKING

LESSONS FROM DHONI TO CHESS Gukesh has displayed composure and calmness beyond his years-traits that have left the chess world in awe.

The 18-year-old from Chennai demonstrated his ability to handle pressure in the World Championship match against Ding Liren last year. After losing the first game, Gukesh fought back and pushed Liren to the limit, ultimately outclassing him in the final game.

Championship, Gukesh showcased remarkable resilience against reigning champion Ding Liren. With the match finely poised at 6.5-6.5, the tension was palpable. However, Gukesh remained unfazed, mirroring MS Dhoni's signature calmness under pressure. As the game progressed, Ding, under immense strain, committed a critical error, allowing Gukesh to capitalise

RR vs KKR Playing XI Prediction, IPL 2025: Will Rajasthan alter their bowling attack

New Delhi. Having lost their respective first matches, both Kolkata Knight Riders (KKR) and Rajasthan Royals (RR) will aim to win their upcoming encounter on Wednesday, March 26 at Barsapara Cricket Stadium, Guwahati. Kolkata suffered a dramatic collapse in the middle overs against Royal Challengers Bengaluru (RCB) as they were restricted to 177/8 in their allotted 20 overs.

In reply, RCB comfortably chased down the target in 16.2 overs and registered a comfortable victory. The defending champions will require an improved batting performance from their experienced middle order. However, they do have the option of bringing in Anrich Nortje with the new ball in place of Spencer Johnson, who was ineffective with the new ball.On the other hand, Rajasthan Royals' bowling attack was smashed left, right and centre by Sunrisers Hyderabad (SRH), who posted the second-



highest total in IPL history of 286/6. innings, scoring 242/6 in their allotted 20 overs. However, they might be tempted to make some changes in their bowling department, having the options of Kumar Kartikeya, Wanindu Hasaranga and Kwena Maphaka in their squad. But given that it's still early days in the tournament, Rajasthan might not go for an immediate knee-jerk reaction and might field in the same playing XI. Hence, into the game with an unchanged team. Rajasthan Royals Predicted XI -Yashasvi Jaiswal, Riyan Parag (c), Nitish Rana, Dhruv Jurel (wk), Shimron Hetmyer, Shubham Dubey, Jofra Archer, Maheesh Theekshana, Tushar Deshpande, Sandeep Sanju Samsonajasthan Royals Squad: Yashasvi Jaiswal, Shubham Dubey, Nitish Rana, Riyan Parag(c), Dhruv Jurel(w), Shimron Hetmyer, Jofra Archer, Maheesh Theekshana, Tushar Deshpande, Sandeep Sharma, Fazalhaq Farooqi, Sanju Samson,

Explained: How Shreyas Iyer's Selfless Masterclass Helped Punjab Kings Beat Gujarat Titans

the Narendra Modi Stadium, Punjab Kings (PBKS) edged past Gujarat Titans (GT) by 11 runs in a nail-biting encounter. The highlight of the match was an extraordinary display of selflessness by PBKS skipper Shreyas Iyer, who, despite being on the brink of a century at 97*, instructed Shashank Singh to continue attacking instead of rotating the strike. This bold decision resulted in PBKS amassing a match-winning total of 243/5, proving to be the turning point of the game. With one over left in PBKS' innings, Shreyas Iyer was stranded on 97*, and all eyes were on him to complete a well-deserved century. However, rather than prioritizing his personal milestone, Iyer made a remarkable call. He urged Shashank Singh, who was on strike, to keep going for big shots against Mohammed Siraj rather than look for a single to get him back on strike. Shashank obliged with a blistering assault, scoring 23 runs in the last over, including five boundaries. PBKS ended with a formidable 243/5, putting immense pressure

New Delhi. In a high-octane IPL 2025 clash at on Gujarat Titans. Despite Iyer missing out sweeper cover.19.5: WIDE – A wayward on his century, his decision ultimately played a crucial role in securing the win.Last Over Blitz: Shashank Singh Takes Charge



Siraj's bowling, with Shashank Singh unleashing his power-hitting ability. The sequence of deliveries read:19.1: FOUR – Shashank ramped a short ball over short third man.19.2: Two runs - Flicked wide of deep mid-wicket. 19.3: FOUR – Sliced drive past cover.19.4: FOUR - Cut hard past

delivery down leg.19.5: FOUR – Flicked past deep square-leg.19.6: FOUR – Clever ramp over third man to finish the innings.PBKS had capitalized on the final

over, taking their total to a daunting 243, a score that proved to be just out of reach for Gujarat Titans.Shashank Singh's Tribute to Iyer's LeadershipPost-match, Shashank Singh lavished praise on his captain for putting the team ahead of personal accolades. "It takes a lot of heart and courage to say this because hundreds don't come easily in T20s, especially in the IPL. Shreyas came to me and said, 'Shashank, don't worry about my 100. Just go and hit every ball for a

boundary or a six. That gave me even more confidence." Shashak's innings of 44* off just 16 balls (6 fours, 2 sixes) provided PBKS with the late flourish that ultimately made the difference. His partnership with Iyer yielded 81 runs in just five overs, setting GT a daunting target of

Rajasthan posted a good reply in the second it could well be possible that both teams go Sharma, Fazalhaq FarooqiÎmpact Player Kunal Singh Rathore, Akash Madhwal.

Should've looked for boundaries instead of just sixes against Vyshak: Sai Kishore

- After being put in to bat first, Punjab posted a massive score of
- →In reply, Gujarat came close to winning and scored 232/5 in their
- **₩**Vijaykumar Vyshak bowled an economical spell of 0/28 in three

New Delhi. Gujarat Titans all-rounder R Sai Kishore feels that their batters could've tried hitting more boundaries against Vijaykumar

Vyshak in their first game of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) against Punjab Kings (PBKS). Gujarat lost the match by 11 runs as they were restricted to 232/5 in their allotted 20 overs chasing a massive target of 244. The game was set up nicely with Gujarat needing 75 runs from last six overs. However, Vijaykumar Vyshak bowled a brilliant spell in the death overs, giving just ten runs away in his first two overs, which brought the equation down to 57 runs needed from the last three overs. He ended up giving away 18 runs in his last over to finish with figures of 0/28 in three overs.

His spell proved to bethe game-changing factor as Punjab eventually won the match by 11 runs. Following Gujarat's loss, R Sai Kishore felt that they could've looked to hit more boundaries than just sixes against Vyshak to get closer to the target."I think for the runs we gave, I think we came back very strong with the batting. I think we were on



course with Sai and Buttler going very well. I think in the end, in the last, I think 5 of overs. To be honest, Vyshak bowled brilliantly. I think all credit to Vyshak for the way he executed his yorkers. To be fair, I think those balls, it's very easy for me to say, but I think we could have tried to hit more boundaries

than just looking for sixes. I think that is a learning going forward, and we will do that," said Sai Kishore in the post-match press conference. Furthermore, the all-rounder commended the team for staying in the game till the last ball and losing by just 11 runs.Shreyas Iyer's 97 guides Punjab to 243 'We were on course in such games, I think it is very easy to just get away from the game pretty quickly, like 150 or 160. The best part

was that we still lost the game only by 12 runs. It's a long tournament, it's a 14-game tournament. So I think competing well is very important. In this kind of a run chase to only fall short by 12 runs was very good. So that is the positive, but still saying that we should have won this game," he added. Thanks to their fight back, Gujarat managed to save their net run rate from getting affected massively as they're currently at -0.550. Batting efforts from Sai Sudharsan (74 off 41), Jos Buttler (54 off 33), Shubman Gill (33 off 14) and Sherfane Rutherford (46 off 28) kept them in the hunt.

Tamannaah Bhatia Seeks Blessings At Sri Peddamma Thalli Temple In Hyderabad Ahead of Odela 2 Release



ctress Tamannaah Bhatia is gearing up for the release of her upcoming supernatural thriller film 'Odela 2', which will hit the big screens in April. Ahead of the film's release, the actress was seen arriving at the Sri Peddamma Thalli Temple at Jubilee Hills in Hyderabad, to seek blessings. Tamannaah looked radiant as she was spotted by the paparazzi inside the temple premises. Tamannaah Bhatia was spotted by the paparazzi as she visited Sri Peddamma Thalli Temple in Hyderabad on Tuesday. After offering her prayers, the actress was seen exiting the temple premises. But before that, she politely posed for the photographers. She looked beautiful in a mustard yellow ethnic suit over which she draped a red and golden shawl. She tied her hair back in a neat bun adorned with gajra, and accessorized with huge earrings that complemented her ethnic look. She was seen holding a set of bangles in her hands. Check out the video below!

Tamannaah Bhatia jetted off to Hyderabad on March 22 for the promotions of Odela 2. She shared a picture from the airport and wrote, "Ready to be HYD bound for Odela 2." She was seen posing near a huge glass partition overlooking the tarmac, enjoying her coffee and the bright sunshine. Meanwhile, the makers also announced the release date of the film a few days ago, and dropped a new intense poster from the project. In the poster, Tamannaah, who plays a Shiva devotee in the film, is seen intently gazing into the camera with blood splattered across her face. "A presence to be felt #Odela2 on April 17th," she wrote, while announcing the release date.Directed by Ashok Teja, Odela 2 stars Tamannaah Bhatia and is produced under the Sampath Nandi Teamworks banner in collaboration with D Madhu of Madhu Creations. The film's ensemble cast includes Hebah Patel, Vasishta N Simha, Surender Reddy, Naga Mahesh, Vuva, Vamshi, Bhupal, Gagan Vihari, and Pooja Reddy. With music composed by Kantara fame Ajaneesh Loknath and cinematography by Soundar Rajan S, the film is gearing up for a pan-India release on April 17th, 2025.

Guru Randhawa Is All Set To **Embark On A New Journey With** Warner Music India



uru Randhawa, known for his chart-topping hits like Lahore, Ishare Tere, Slowly Slowly and Tere Te, recently ventured into a partnership with Warner Music India, which is loved for its music scene in India. The singer is all set to release his first studio album since 2023. Together, with Warner Music India, Guru, who has more than eight million monthly listeners on Spotify and other streaming platforms, marked the beginning of an exciting project - his upcoming album, Without Prejudice. Additionally, Guru will also work with a new management team led by Gurjot Singh, founder of BeingU Studios.On Instagram, Guru Randhawa posted a picture to officially announce his partnership with Warner Music India for his new project, Without Prejudice. The musician is all set to reaffirm his place as a global music force with his upcoming studio album, which will feature nine electrifying tracks—Snapback, Sirra, New Age, Qatal, From Ages, Jaaneman, Kithe Vasde Ne, Surrey Connection and Gallan Battan.

All the songs will seamlessly blend Afropop and Indian pop, taking his creative vision to the next level. The first single from the album, Gallan Battan, alongside its music video, will be released on March 28. The album will also feature eminent artists like Kiran Bajwa, Zehr Vibe, NSeeB, Bob. B Randhawa and Prem Lata.

Talking about his new musical journey, Guru stated in a new conversation, "This album represents evolution-not just mine, but of the music I want to create and the audiences I want to connect with. Without Prejudice is about breaking barriers and embracing fresh sounds that speak to a global audience while staying true to my roots. With Warner Music India by my side, I'm thrilled to embark on this journey and bring something truly special to my fans," reported Koimoi. Jay Mehta, Managing Director, Warner Music India & SAARC, also talked about the collaboration between Guru and the music company. "Guru Randhawa has been instrumental in bringing Punjabi music to a global stage, and this album marks an exciting new phase in his journey. At Warner Music India, we're committed to supporting his artistic vision while helping him build a well-rounded brand—spanning music, live experiences, fan engagement, and more. We're thrilled to partner with him as he explores new creative avenues and deepens his connection with audiences worldwide," he said.

akar

Breaks Down After Arriving 3 Hours Late In Melbourne Show; Crowd Shouts 'Go Back'

video of Neha Kakkar breaking down in tears during her Melbourne concert has gone viral on Reddit. The singer, who arrived three hours late, -apologized profusely to the crowd, but her emotional breakdown did not go down well with everyone. In the now-viral clip, Neha can be seen apologising to her fans. Fighting back tears, she said, "Guys, you are really sweet! You have been patient. Itni der se aap log wait kar rahe ho. I hate it, maine life mein kabhi kisi ko wait nahi karwaya hai. Aap itni der se wait kar rahe ho, I'm so sorry! It means a lot to me. I will remember this evening forever. Aaj aap log mere liye itna kimti time nikaal kar aaye ho. I will make sure that I will make you all dance.' While some members of the audience cheered and clapped to console her, others

were clearly frustrated. The video captured angry voices from the crowd, with some



shouting, "Go back! Rest in your hotel." One man was heard saying, "This is not India, you're in Australia." Another added, "We have been waiting for three hours." A third voice mocked her by saying, "Very good acting! This is not Indian Idol. You're not performing with kids."

Prior to the Melbourne concert, Neha had performed in Sydney and shared glimpses of the event on her Instagram. She wrote, "Thank you #Sydney Tonight #Melbourne #NehaKakkarLive." Despite the backlash, Neha's loyal fans came to her defence on social media. One fan commented on her Instagram post, "Your voice, your energy, your presence, everything is just next level! You are the best ma'am." Another added, "The sweetest human ever ♥

It was an absolute privilege and dream to perform with you."

Neha recently celebrated Women's Day with close friends, including Dhanashree Verma and her sister Sonu Kakkar. The group enjoyed a lively celebration, dancing after cutting a cake. Dhanashree shared pictures from the celebration with the caption, "Only love, kindness, and respect. Always. Gratitude."

Rasha Thadani

'Can't Live Without' New Friend Aaman Devgan

asha Thadani, daughter of actress Raveena Tandon, made her Bollywood debut with the period drama film Azaad opposite Aaman Devgan, nephew of Ajay Devgn. Helmed by Abhishek Kapoor, the film received decent reviews from audiences and critics alike. Now, as the film recently began its OTT journey on Netflix, one of Rasha's friends has cheered for the start kid for her first step in showbiz. Taking to Instagram, Rasha's friend shared a picture of a scene from the film featuring the actress and wrote, "Congratulations star @rashathadani." The Recently, on Rasha's 20th birthday, her co-star Aaman

star Aaman. She revealed that while she initially thought she wouldn't get along with him they have now become inseparable."Me and Aaman would have little fights almost every other day. Over small things like food. He would always try and eat my doda," she said. When asked about her first impression of Aaman, she stated, "He came and I was like, 'We're not going to get along." But it's a funny story today; we make jokes and laugh about it. But now we're inseparable. "I can't live without him."

> extended a heartfelt wish to the Starkid and wrote, "Happy birthday to this sunshine girl who also doubles to be my bestie and partner-in-crime!!! Thank you for always being there. Here's to the most amazing best friend and first and forever co-star I could've asked for. Keep shining @rashathadani."Set in the pre-independence era,

Azaad is about a horse rider, played by Ajay Devgn, who flees the clutches of ruthless

English soldiers. The story takes a turn when his horse goes missing, forcing him to collaborate with a young lad (Aaman Devgan) on a dangerous quest. Rasha plays a royal family member and Diana Penty plays Ajay Devgn's love interest.



Starkid also re-shared the post on her stories. Produced by Ronnie Screwvala and Pragya Kapoor, Azaad was released in theatres on January 17. The film also featured Ajay Devgn and Diana Penty in significant roles. Recently, in a recent video shared by Netflix, Rasha opened up about her bond with her co-

